RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 74
लखनऊ, मंगलवार, 31 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पेशे को पहचान मिलने पर मुझे गर्व है

विविध-16

सीआरपीएफ ने कहा- अधिकारियों से नहीं हुई सुरक्षा में कोई चूक

प्रियंका ने तोड़ा प्रोटोकॉल

● बल का आरोप- सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी के घर जाने के लिए जब उन्होंने दोपहिया वाहन की सवारी की तो उस दौरान कम से कम तीन सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीआरपीएफ ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के लखनऊ के हालिया दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर कोई चूक नहीं हुई। साथ ही बल ने प्रियंका गांधी को स्कूटर पर पीछे बैठकर यात्रा करके सुरक्षा मानकों के उल्लंघन का दोषी भी ठहराया। सीआरपीएफ ने एक बयान में कहा है कि कांग्रेस नेता ने पूर्व सूचना के बिना यात्रा की, इसलिए अग्रिम सुरक्षा इंतजाम नहीं किए जा सके। बल प्रियंका गांधी को मिली जेड प्लस सुरक्षा घेरे के तहत उन्हें सशस्त्र कमांडो मुहैया कराता है। बल के महानिरीक्षक खुफिया और वीआईपी सुरक्षाी पी के सिंह के नाम से जारी बयान में कहा गया है, अधिकारियों द्वारा सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। उस समय हजरतगंज के सीओ अभय मिश्रा सुरक्षा अधिकारी थे। प्रियंका गांधी के कार्यालय ने 28 दिसंबर को सिंह के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि लखन में पुलिस के सर्किल अधिकारी 'सीओं ने उनके सुरक्षाकर्मियों को धमकी दी और उस दिन आवाजाही को सीमित रखने के लिए चेताया। बयान में कहा गया है प्रियंका गांधी ने सीआरपीएफ के दल को उस दिन केवल एक कार्यक्रम के बारे में बताया था, जो उनके स्थानीय प्रदेश कांग्रेस कमेटी 'पीसीसी कार्यालय में पाटी के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बारे में था। सीआरपीएफ ने कहा कि इस कार्यक्रम के (शेष 10 पर)

प्रियंका का वार, योगी का बदला पूरा कर रही पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस और जिला प्रशासन ने प्रदेश में जमकर अराजकता फैलाई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि यूपी पुलिस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बदला लेंगे वाले बयान पर कायम है और उसी आधार पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी मुख्यमंत्री ने ऐसा बयान दिया। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस विरोध प्रदर्शन में जेल भेजे गए सभी लोगों का समर्थन करेगी और पार्टी का विधि प्रकोष्ठ इन निर्दोष लोगों की कानून लड़ाई लड़ेगा। अपने लखनऊ दौरे के अंतिम दिन प्रियंका सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहीं थीं। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी, पीएल पुनिया और आचार्य प्रमोद कृष्णम भी मौजूद रहे। (शेष 10 पर)

भाजपा का पलटवार, अब मजहबी लड़ाई न छेड़ें प्रियंका

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भगवा वस्त्र पर टिप्पणी करने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर पलटवार करते हुए कहा है कि राजनीति के लिए धर्मों की लड़ाई न शुरू की जाए। शर्मा ने मुख्यमंत्री पर भगवा चोला धारण करने के बावजूद हिंसक बदला लेने का आरोप लगाने वाली गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद आनन-फानन में बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस महासचिव ने मुख्यमंत्री के साथसाथ भगवा को भी आरोपित कर दिया है। उन्होंने कहा 'योगी जी ने धर्म को धारण किया है। हिन्दू धर्म किसी का अहित करना नहीं सिखाता। हिन्दू धर्म में किसी अन्य धर्म के अपमान की बात ही नहीं है। इतना विशाल हिन्दू धर्म है यह, उसको आप कह रहे हैं कि धारण करने वाला व्यक्ति सा काम कर रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपनी राजनीति में आकर धर्मों की लड़ाई को प्रारम्भ कर रही हैं। कृपया ऐसा न करें। यह हिन्दू और मुसलमान का प्रश्न नहीं है। यह भारत के भविष्य और राष्ट्रीय एकता का सवाल है। उन्होंने कहा आप भगवा को गाली देंगी मगर आप से कोई (शेष 10 पर)

हिन्दी भाषा देश को एक सूत्र में पिरोने वाली: योगी

● हिन्दी संस्थान के 43वें स्थापना दिवस पर सम्मान समारोह

● साहित्यकारों के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा के मेधावियों का सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साहित्य समाज का मार्ग दर्शक होता है। साहित्य का अर्थ ही है जिसमें सबका हित हो। साहित्य के माध्यम से ही हम किसी समाज, राष्ट्र व संस्कृति को सम्बल प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि साहित्यकार को समाज की ज्वलन्त समस्याओं को रचनात्मक दिशा देने का प्रयास करना चाहिए, जिसमें व्यापक लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का भाव निहित हो।

मुख्यमंत्री सोमवार को हिन्दी संस्थान के 43 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह पुरस्कार वितरण एवं अभिनन्दन पर्व कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी लेखनी ऐसी होनी चाहिए, जो मार्ग दर्शक के रूप में समाज को नई दिशा दे सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आवश्यकता है कि रचनात्मक साहित्य को बढ़ावा दिया जाए। रचनात्मक साहित्य के माध्यम से ही प्रगतिशील समाज की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो समाज अपनी विभूतियों को संरक्षित व संवर्धित करता है वहीं समाज आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षाओं में जिन छात्रों ने हिंदी साहित्य में अच्छा स्थान प्राप्त किया, उन्हें भी सम्मानित किया जाना प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी भाषा भारत को एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अपना उद्बोधन हिन्दी भाषा में किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिन्दी भाषा में अपने अभिभाषणों के माध्यम से न केवल दुनिया को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं बल्कि दुनिया को देश की ताकत का एहसास भी करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेखनी का उपयोग समाज को बेहतर बनाने में करना चाहिए। बगैर चिन्तन के अच्छा साहित्य नहीं लिखा जा सकता है। प्रत्येक कालखण्ड में साहित्यकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया है। जब लेखनी से स्वस्थ साहित्य लिखा जाता है तो सृजनात्मकता व रचनात्मकता से राष्ट्र को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यमंत्री ने हिन्दी साहित्य से जुड़ी जिन विभूतियों को सम्मानित किया उनमें डॉ. ऊषा किरण खान को भारत भारती, (शेष 10 पर)

बाजार

सेंसेक्स	41,558	↓	17	
निफ्टी	12,256	↑	10	
सोना	39,020	↓	60	/10g
चांदी	46,911	↓	55	/kg

क्विक न्यूज

रेलवे बलवाइयों से करेगा नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने सोमवार को कहा कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान देश भर में रेलवे की 80 करोड़ रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा और इसकी भरपाई आगजनी एवं हिंसा में संलिप्त पाए गए लोगों से की जाएगी। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) संसद में पारित होने के कुछ दिनों बाद देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़पों के चलते कई लोगों को हिरासत में लिया गया तथा गिरफ्तार किया गया।

मुकुंद नरवाने आज संभालेंगे सेना प्रमुख का पदभार

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज मुकुंद नरवाने देश के नए थलसेना प्रमुख होंगे। वह मंगलवार को सेना प्रमुख का पदभार संभालेंगे। नरवाने जनरल बिपिन रावत का स्थान लेंगे जो तीन वर्ष तक सेना प्रमुख रहने के बाद सोमवार को देश के पहले चीफ फ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किए गए। लेफ्टिनेंट नरवाने फिलहाल सेना उप प्रमुख है। लेफ्टिनेंट नरवाने सितम्बर में सेना उप प्रमुख बनने से पहले सेना के ईस्टर्न कमान के प्रमुख थे, जो चीन के साथ लगती करीब चार हजार किलोमीटर लंबी सीमा की देखभाल करती है।

कार नहर में गिरी छह लोगों की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में घने कोहरे के कारण एक कार सड़क से फिसल कर नहर में गिर गई जिसमें दो नाबालिगों समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि कार में सवार पांच अन्य लोगों को चोटें आई है। यह हादसा रविवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे हुआ। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया, कार में 11 लोग सवार थे। कार धनकौर इलाके की खेरली नहर में गिर गई। सभी 11 लोगों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनमें से छह लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि पांच अन्य का इलाज चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया सा लग रहा है कि घने कोहरे के चलते कम दृश्यता के कारण यह हादसा हुआ।

दिल्ली में सदी का सबसे ठंडा दिन

● लुढ़कते पारे ने सोमवार को तोड़ा 119 साल का रिकॉर्ड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में सर्दी का सितम जारी है। मौसम विभाग के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सदी का सबसे ठंडा दिन रहा। पिछले 119 साल में 30 दिसंबर को दिल्ली में अधिकतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को भी शीतलहर चलने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

भारतीय मौसम विभाग ने 1901 से तापमान का रिकॉर्ड संजोया हुआ है। विभाग का कहना है कि सोमवार को राजधानी के आयानगर में दिन का पारा 7.8 रहा जबकि रिज में यह 8.4, पालम में 9 और लोधी रोड इलाके में 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा। आगामी तीन से चार दिन तक ठंड से राहत मिलने की गुंजाइश नहीं है और न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री के आसपास बना रहेगा। यानी दिन और रातें अभी ठिठुरती रहेंगी। मौसम विभाग के अनुसार बीते 12 और 13 दिसंबर को राजधानी में भारी बारिश हुई थी। उसके बाद से दिल्ली-एनसीआर में रिकॉर्ड तोड़ ठंड का प्रकोप जारी है। (शेष 10 पर)

ठंड का कहर जारी, यूपी में 36 लोगों की मौत

● कानपुर और औरैया में न्यूनतम पारा 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कड़ाके की ठंड थमने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को सर्दी की चपेट में आकर बुंदेलखंड और सेंट्रल यूपी के कई जिलों में 36 लोगों के मरने की खबर है। सबसे ज्यादा कानपुर में 15 और कन्नौज में छह मौतें हुईं। अनेक जिलों के तापमान में गिरावट का दौर जारी हैं। कानपुर और औरैया में न्यूनतम पारा 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इटावा में पारा 2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक सर्दी का सितम अगले कुछ दिनों तक अभी जारी रहेगा। पहली जनवरी को बारिश की संभावना है। वहीं राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनताम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जबकि आर्द्रता 81 प्रतिशत दर्ज की गयी। वहीं खराब मौसम और कोहरे के चलते दिल्ली का मौसम खराब होने से जहां अलग-अलग स्थानों से दिल्ली जाने वाली एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान सहित करीब आधा दर्जन से अधिक उड़ानों (शेष 10 पर)

जनरल बिपिन रावत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत को सोमवार को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया गया। सीडीएस का काम सेना, नौसेना और वायुसेना के कामकाज में बेहतर तालमेल लाना होगा। सरकारी आदेश के मुताबिक सीडीएस के पद पर जनरल रावत की नियुक्ति 31 दिसंबर से प्रभावी होगी। जनरल रावत ने 31 दिसंबर 2016 को सेना प्रमुख का पद संभाला था। वह मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रहे थे। सेना प्रमुख बनने से पहले उन्होंने पाकिस्तान से लगी (शेष 10 पर)

उद्धव मंत्रिमंडल में विरासत का विस्तार

● अजीत पवार (उप मुख्यमंत्री), बेटे आदित्य ठाकरे, अमित देशमुख, धनंजय मुंडे और वर्षा गायकवाड़ ने ली मंत्री पद की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का हिस्सा बने आदित्य ठाकरे, पीछे चेहरे पर मुस्कान लिए उनके पिता और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को 26 कैबिनेट मंत्री और 10 राज्य मंत्री शामिल करते हुए अपने मंत्रिपरिषद का विस्तार किया। एनसीपी नेता अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उद्धव ठाकरे की सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को यदि विरासत का विस्तार कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इस सरकार में बेटा, बेटी, भतीजा-भतीजे मंत्री बन गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे, शरद पवार के भतीजे अजीत पवार, पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे अमित देशमुख, पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे के भतीजे धनंजय मुंडे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एकनाथ गायकवाड़ की बेटी वर्षा गायकवाड़ ने आज मंत्री पद की शपथ ली।

ठाकरे नीत महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के सत्ता में आने के एक महीने से ज्यादा समय बाद मंत्रिमंडल का यह विस्तार हुआ है। सोमवार को 36 मंत्रियों ने शपथ थी। इनमें से एनसीपी के 10 कैबिनेट और चार राज्य मंत्री, शिवसना के आठ कैबिनेट और चार राज्य मंत्री और कांग्रेस के आठ कैबिनेट और दो राज्य मंत्री शामिल हैं। इसके साथ ही एनसीपी के कुल 12 कैबिनेट मंत्री और चार राज्य मंत्री हैं। शिवसेना के 10 कैबिनेट मंत्री और चार राज्य मंत्री हैं जबकि कांग्रेस के 10 कैबिनेट और दो राज्य मंत्री हैं। मुख्यमंत्री समेत राज्य में अब 43 मंत्री हैं। एनसीपी नेता अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री की शपथ थी। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नेता अशोक चव्हाण, युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेने वालों में शामिल हैं। मुंबई के वर्ली से 29 वर्षीय विधायक आदित्य अपने पिता उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र विकास आघाडी सरकार में कैबिनेट स्तर के सबसे युवा मंत्री हैं। पिछले डेढ़ महीने में दूसरी बार पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।

इससे पहले उन्होंने एनसीपी से बगावत करते हुए भाजपा से हाथ मिला लिया था और 23 नवंबर को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले ली थी। हालांकि 26 नवंबर को उन्हें इस्तीफा देना पड़ा क्योंकि देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार तीन दिन में ही गिर गई। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चौहान को ठाकरे के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

राज्यपाल बीएस कोश्यारी ने नए मंत्रियों को विधान भवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शिवसेना ने अपने वरिष्ठ नेता रामदास कदम और दिवाकर रावते को अपने नए मंत्रिपरिषद में जगह नहीं दी है। वह देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार में मंत्री थे। इसके बदले उन्होंने सहयोगी पाटी क्रांतिकारी शेतकारी पक्ष के शंकरराव गाडख को कैबिनेट मंत्री बनाया। वहीं राजेंद्र पाटिल यड्रावकर (निर्दलीय) और बच्चू काडू को राज्य मंत्री बनाया। एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक और (शेष 10 पर)

स्वस्थ विकास में केरल अव्वल, बिहार फिसड्डी

उत्तर प्रदेश, ओड़िशा और सिक्किम ने 2018 के मुकाबले की अच्छी प्रगति

भाषा। नई दिल्ली

टिकाऊ एवं स्वस्थ विकास के लक्ष्यों की दिशा में राज्यों की प्रगति संबंधी नीति आयोग की इस साल की रपट में केरल पहले स्थान पर रहा। वहीं बिहार का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। आयोग के एसडीजी भारत सूचकांक में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण के क्षेत्र में राज्यों की प्रगति के आधार पर उनके प्रदर्शन को आंका जाता है और उनकी रैंकिंग की जाती है।सोमवार को जारी एसडीजी भारत सूचकांक 2019 के अनुसार उत्तर प्रदेश, ओड़िशा और सिक्किम ने 2018 के मुकाबले काफी अच्छी प्रगति की है जबकि गुजरात जैसे राज्यों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है, सूचकांक में केरल 70 अंक के साथ शीर्ष पायदान पर बना रहा। केंद्रशासित प्रदेशों में चंडीगढ़ भी 70 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर रहा। सूची में हिमाचल प्रदेश दूसरे स्थान पर जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना तीनों तीसरे स्थान पर रहे। सतत विकास लक्ष्यों के इस साल के सूचकांक में बिहार, झरखंड और अरूणाचल प्रदेश का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, संयुक्त राष्ट्र का 2030 का एसडीजी लक्ष्य भारत के बिना कभी भी हासिल नहीं किया जा सकता... हम स्वस्थ विकास के संयुक्तराष्ट्र में तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य के मोर्चे पर दक्षिणी राज्यों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। कुमार ने कहा, नीति

आयोग के एसडीजी सूचकांक 2019 में पश्चिम बंगाल (14वां रैंक) का प्रदर्शन भी अच्छा रहा लेकिन शैक्षणिक स्तर को देखते हुए राज्य को तीन बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों में होना चाहिए। भारत का इस मामले में समग्र प्राप्तांक सुधरकर 2019 में 60 पर पहुंचा जो 2018 में 57 था। पानी और साफ-सफाई, बिजली और उद्योग के क्षेत्र में अच्छी सफलता हासिल हुई है। हालांकि, पोषण और स्त्री-पुरूष असमानता देश के लिए समस्या बनी हुई है। सरकार को इस पर और विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक शीर्ष स्थान पाने वाले पांच राज्यों में से तीन का 12 लक्ष्यों को हासिल करने में प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा है। वहीं दो राज्यों का प्रदर्शन 11 मामलों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। गरीबी उन्मूलन के संदर्भ में जिन राज्यों का प्रदर्शन बेहतर रहा है, उसमें तमिलनाडु, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और सिक्किम शामिल हैं। वहीं भुखमरी को पूरी तरह समाप्त करने के मामले में गोवा, मिजोरम, केरल, नगालैंड और मणिपुर अगुवा रहे।

नीति आयोग ने संयुक्त राष्ट्र की मदद से एसडीजी भारत सूचकांक पिछले साल जारी किया था। इसमें संयुक्तराष्ट्र की एसडीजी के 17 क्षेत्रों में से 16 को रखा गया है। इस साल का सूचकांक राज्यों को 100 संकेतकों पर आधारित 54 लक्ष्यों के मामले में प्रगति के आधार पर तैयार किया गया है। संयुक्त राष्ट्र ने से 306 संकेतकों की पहचान की है। वर्ष 2018 में जारी पहली रिपोर्ट में 13 लक्ष्य और 39 संकेतक थे। संयुक्तराष्ट्र महासभा में 193 देशों से एसडीजी को अपनाया था। वर्ष 2020 इसकी पांचवीं वर्षगांठ होगी। व्यापक विचार-विमर्श के बाद एसडीजी के तहत 17 लक्ष्य और 169 संबंधित लक्ष्य तय किए गए हैं। इसे 2030 तक हासिल करना है।

हिन्दी संस्थान के स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह का दीप जलाकर उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के साथ सम्मानित साहित्यकार

संभल के एसडीएम बर्खास्त, आजमगढ़ के एसडीएम सदर निलंबित

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने संभल के उपजिलाधिकारी ओमवीर सिंह यदुवंशी को बर्खास्त कर दिया है। यदुवंशी पर आरोप है कि उन्होंने अलीगढ़ की काले तहसील में तहसीलदार रहते हुए 2013 से 2015 तक पांच करोड़ लागत की सार्वजनिक भूमि को एक निजी व्यक्ति के नाम परिवर्तित कर दिया था। नियुक्ति विभाग ने बर्खास्तगी आदेश भी जारी कर दिए हैं। इसके अतिरिक्त बंधे की सरकारी जमीन का फैसला सुनाकर दाखिल खारिज करवाने वाले आजमगढ़ के एसडीएम सदर प्रशांत कुमार नायक को मंडलायुक्त कनक त्रिपाठी की रिपोर्ट पर शासन ने निलंबित कर दिया है।

उन्हें राजस्व परिषद कार्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है। प्रशांत पर आरोप था कि उन्होंने बंधे खाते की भूमि को एक व्यक्ति के नाम दाखिल-खारिज कर दिया था। इस मामले में शिकायत मंडलायुक्त आजमगढ़ से की गई थी जिस पर उन्होंने जांच की और लापरवाही व अनियमितता सामने आने पर रिपोर्ट शासन को भेजी थी। जिसका संज्ञान लेते हुए शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया।

निवेश के नये आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरा यूपी

● मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2024 तक 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भारत सरकार द्वारा अनेक सकारात्मक कदम उठाये गये हैं। राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने के लिए देश के सबसे बड़ी जनसंख्या के राज्य उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका है। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार ने निर्धारित समयावधि में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राज्य सरकार प्रभावी प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह विचार आज अपने सरकारी आवास पर आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के संस्थागत वित्त विभाग तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के समन्वित प्रयासों से 01 लाख 51 हजार किसान क्रेडिट कार्डों की ई-लॉचिंग की। बैठक के दौरान उन्होंने एक पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2024 तक 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी निवेश आवश्यक है। इसके लिए विभिन्न बैंकों द्वारा निवेश के लिए प्रदान की जा रही आवश्यक ऋण सुविधा की नियमित समीक्षा की जा रही है। केन्द्र व राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में किसान शामिल हैं। उन्होंने सभी बैंकों से व्यापक स्तर पर क्रेडिट कैम्पों का आयोजन कर आगामी 15 फरवरी 2020 तक प्रदेश के प्रत्येक पात्र एवं इच्छुक किसान को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा। बैंकों द्वारा बेरोजगार, उद्यमशील लोगों के स्वयं सहायता समूहों विशेषकर महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्त पोषित कर उन्हें वित्तीय रूप से सक्षम बनाये जाने में अहम भूमिका का निर्वाह किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईडिस्ट्रिक्ट, ईगवर्नेन्स एवं ईबैंकिंग प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं में सम्मिलित हैं। इस संकल्पना को पूरा करने के लिए बैंकों को प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न जनपदों के विशिष्ट व परम्परागत उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक जनपद एक उत्पाद योजना शुरू की है। इसके अच्छे परिणाम आए हैं और प्रदेश से होने वाले निर्यात में 28 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश देश के तीन अग्रणी निर्यातक राज्यों में से एक होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। उत्तर प्रदेश में एक जनपद एक उत्पाद योजना में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत वित्त पोषण को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बैंकों से बड़े पैमाने पर इस योजना के तहत ऋण वितरित करने के लिए कहा। उन्होंने स्टैण्ड अप इण्डिया योजना के अन्तर्गत भी तेजी से ऋण स्वीकृत करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर के लिए आकर्षक रणनीति बनाकर पूंजी निवेश और निवेशकों को आमंत्रित किये जाने के सम्बन्ध में भी कार्रवाई की जा रही है। डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में लगभग 20 हजार करोड़ का निवेश सम्भावित हैं। फरवरी 2020 में लखनऊ में डिफेन्स एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके तहत स्प्रिचुअल हेरिटेज, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सेवा क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। कार्यक्रम को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, रिजर्व बैंक के कार्यपालक निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

जनपदीय अधिकारियों को शासन की बैठकों में दो माह में एक ही बार बुलाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● परिपत्र जारी कर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी समस्त अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों एवं सचिवों को निर्देश दिये कि वे अपने अधीनस्थ विभागों के शासकीय कार्यों का स्थानीय स्तर पर सम्पादन में अनावश्यक विलम्ब को रोकने के दृष्टिकोण से शासन व मुख्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में जनपदीय अधिकारियों को आवश्यकतानुसार अधिकतम दो माह में एक बार ही बुलाया जाए।

उन्होंने कहा कि शासन व मुख्यालय स्तर पर जनपदीय अधिकारियों को बैठकों में बार-बार बुलाये जाने से अनावश्यक रूप से कार्य स्थानीय स्तर पर बाधित होता है। मुख्य सचिव ने समस्त अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों को परिपत्र के माध्यम से देते हुए निर्देश दिये हैं कि निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्देशों का उल्लंघन होने पर सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध समुचित कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि शासन व मुख्यालय स्तर पर बैठकों में बार-बार बुलाये जाने से अनावश्यक रूप से कार्य बाधित होने की संभावना अधिक रहती है। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिये हैं कि आवश्यकतानुसार जनपदीय अधिकारियों से ई-मेल, वीडियो कान्फ्रेन्स या व्हाट्सएप के माध्यम से विभागीय समीक्षा की जाए ताकि अनावश्यक रूप से कार्य बाधित न हो। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिये हैं कि शासन व विभाग की पत्रावलियों को पत्रावलियां प्राप्त होने की तिथि पर ही निस्तारित की जाएं। उन्होंने कहा कि अपरिहार्यता की दशा में विलम्बतम तीन दिन में अवश्य निस्तारित कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन व विभाग की पत्रावलियां विभिन्न स्तरों पर लम्बी अवधि तक लम्बित होने से प्रकरणों के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब होता है।

'नागरिकता सत्याग्रह' करेगी समाजवादी पार्टी : अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकार ने अपने अब तक के कार्यकाल में किसानों, नौजवानों और गरीबों के साथ एक भी वादा नहीं निभाया है। पूरे समय वे झूठ और भ्रम के सहारे अपनी राजनीति चलाती रही हैं और आज भी वही हालात हैं। भाजपा नेता तो लोक लुभावन बातें करने के मास्टर हैं। उनका ताजा बयान है कि युवा अराजकता को नापसंद करते हैं। हकीकत यह है कि भाजपा सरकार ही अराजकता को आमंत्रित करती है। अव्यवस्था फैलाना उसका एजेण्डा है। देश भर में नोटबंदी, जीएसटी के बाद एनआरसी, सीएए, एनपीआर जैसे कदमों से देश में अव्यवस्था हिंसा और अराजकता ही बढ़ी है। इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। अखिलेश ने कहा कि इसके विरोध में समाजवादी पार्टी 'नागरिकता सत्याग्रह' करेगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में 1895 ई. में इमीग्रेशन लॉ संशोधन बिल में भी तमाम प्रतिबंध थे जिसे 'खूनी कानून' बताते हुए गांधीजी ने इसके खिलाफ सत्याग्रह 'पैसिव रेजिस्टेंस' का अभियान छेड़ दिया था।

महात्मा गांधी ने 11 सितम्बर 1906 को दक्षिण अफ्रीका के शहर नटाल के नाट्य सभागार में आयोजित एक सभा में कहा था 'मर जाना किन्तु कानून के सामने सिर न झुकाना'। अखिलेश ने कहा कि भाजपा राज की एक ही बड़ी उपलब्धि है कि देश की कुल सम्पत्ति चंद घरानों की बंधक बनकर रह गई है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड इनइक्वैलिटी डेटा बेस के अनुसार देश के 90 प्रतिशत भारतीय महीनें में 12 हजार से भी कम बामुश्किल कमा पाते हैं। देश के नागरिकों की यह दुर्दशा आर्थिक असमानता के कारण पैदा हुई है। आम लोग इसके शिकार हैं। लोगों की जिंदगी तबाह है। जहां कुछ अकूत सम्पत्ति के मालिक बन बैठे हैं वहीं बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें न छत नसीब है और नहीं दो वक्त की सूखी रोटी। वे भयानक गरीबी में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित की एक भी योजना लागू नहीं कर सकी है। समाजवादी सरकार ने विकास को जो दिशा दी थी, उसमें भाजपा ने अवरोध पैदा करने का काम किया है। भाजपा को लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना चाहिए।

योगी गरीबों की चिंता करते हैं प्रियंका वाड्रा दंगाइयों की:भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा बीजेपी पर आरोप लगाए जाने के बाद बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा और कांग्रेस में मूलभूत अंतर यह है कि भाजपा जहां अंत्योदय की बात करती है तो वहीं कांग्रेस देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ दिखाई पड़ती है। यही विचारधारा को लेकर प्रियंका वाड्रा प्रदेश में हर उस शख्स के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं जो या तो दंगा कर रहा है या फिर दंगाइयों के साथ है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां भीषण ठंड में गरीबों के लिए रैनबसेरों का इंतजाम देखने निकलते है, वहीं प्रियंका गांधी गिन-गिन कर दंगा फैलाने वाले लोगों के घर पहुंचती हैं। प्रदेश प्रवक्ता डा. चन्द्रमोहन ने कहा कि प्रियंका गांधी को हर उस शख्स से हमदर्दी है जो जनता के पैसे से बनी सरकारी संपत्ति को जलाते हैं, जनता की संपत्ति का नुकसान पहुंचाते हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हर उस शख्स से हमदर्दी है जो जनता के भले के लिए काम कर रहा है। यही वजह है कि प्रदेश सरकार जनता का जीवन बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान करने जा रही है। इतना ही नहीं गरीबों का इलाज कराने के लिए प्रदेश सरकार ने स्वास्थ सुरक्षा कोष की स्थापना की है। गरीब परिवारों की बेटियों की शादी की व्यवस्था मुख्यमंत्री ने की है। चन्द्रमोहन ने कहा कि गरीबों को आवास मुहैया कराया जा रहा है। मजदूरों के बच्चों को मुफ्त में कांवेंट सरीखी शिक्षा दिलाने के लिए अटल विद्यालय खोले जा रहे हैं। मजदूरों की बेटियों को मुफ्त में साइकिल देने की योजना प्रदेश सरकार ने शुरू की है। केंद्र में दस वर्ष की सरकार चला चुकी कांग्रेस के पास आज बताने के लिए गरीबों की एक भी योजना नहीं है। कांग्रेस केवल समाज को बांट कर अपना भला करना चाहती है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरे मकान का आवंटन पत्र खो गया है। जिसका मकान नं0 MMI / 23, Sec.-I, Jankipuram, Lucknow है। मो0 शहंशाह पुत्र मो0 जमील, MMI / 23, Sec.-I, Jankipuram, Lucknow-226021.

सूचना

मैं आर्मी न0 15439371 वाई रैंक नायक जयप्रकाश बिन्द युनिट एच क्यू कैम्प ए एम सी सेंटर एण्ड कालेज लखनऊ यह घोषणा करता हूं कि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम रूचि भाद्री गलत अंकित है उसका सही नाम रूचि बिन्द है।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपना पूर्व का नाम हसन अख्तर से बदल कर सैयद हसन अख्तर रख लिया है अब से मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए, सैयद हसन अख्तर उम्र 73 वर्ष S/o स्व0 सैयद अहमद वारिस R/o 529/1339 निकट गार्डेन मस्जिद खुर्रम नगर गार्डेन लखनऊ

सूचना

खोया - पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है वाणिज्य कर विभाग के 14 फार्म 31/38 संख्या- 2345771, 1385117, 1385118, 1385119, 1073026, 1073028, 0796294, 0583601, 2144107, 1134826, 0242689, 0242692, 0242693 एवं 2382387 हजरतगंज के आस-पास कहीं गिर गये है; मिलने पर निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें- सुनील कुमार निगम, वरिष्ठ प्रबन्धक (लेखा) यूपीटेक कम्प्यूटर कन्सल्टेन्सी लि., 16-राणा प्रताप मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 फोन नं.: 0522-4003304, 4067554

कार्यालय उप-निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
किसान मण्डी भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
पत्रांक-नि0ख0/लखनऊ/ई-निविदा/2019-1195 दिनांक-30.12.2019

ई-निविदा शुद्धि पत्र

इस कार्यालय पत्रांक-नि0ख0/लखनऊ/ई0-निविदा/2019-978 दिनांक 23.11.2019 एवं शुद्धि पत्रांक-1125, दिनांक 18.12.2019 के माध्यम जनपद लखीमपुर खीरी में नवीन मण्डी स्थल तिकुनियाँ में निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 01.01.2020 की सायं 5.00 बजे तक आमंत्रित की गयी है। जिसकी नियम एवं शर्तों में आंशिक संशोधन करते हुए उक्त कार्य की ई-निविदा दिनांक 04.01.2020 को सायं 5.00 बजे तक ई-टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन आमंत्रित की जाती है। जिनकी तकनीकी बिड दिनांक 06.01.2020 को अपरान्ह 12.00 बजे खोली जायेंगी। उक्त कार्य हेतु आमंत्रित निविदा में मरम्मत/निर्माण कार्यों के अन्तर्गत मण्डी समिति तिकुनियाँ में आन्तरिक मार्गों का हाटमिक्स पद्धति से मरम्मत/सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाना है, जिस हेतु सम्बन्धित ठेकेदार के पास हाटमिक्स प्लांट का होना अनिवार्य होगा, जिसका प्रमाण पत्र तकनीकी बिड के साथ अपलोड किया जायेगा। शेष नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी।

उपनिदेशक (निर्माण)

कार्यालय उपायुक्त स्वतःरोजगार अम्बेडकरनगर।

पत्रांक :1136/एन0आर0एल0एम0-प्रेरणा दिव0पत्रा0/अल्प0निवि0/2019-20 दिनांक 28-12-2019

अल्पकालीन निविदा

एतद् द्वारा प्रतिष्ठित फर्मों (टेंट/लंच पैकेट/नाश्ता) को सूचित किया जाता है कि मिशन कार्यालय अम्बेडकरनगर हेतु निम्न विवरण के अनुसार सामग्री की आवश्यकता है :-

क्र0	सामग्री आवश्यकता का विवरण
1	पंडाल, चटाई, कुर्सी, सोफासेट, मेज, मेजकबर, स्टेज, मेनगेट, लाउडस्पीकर, डैस व कार्डलेस, जनरेटर।
2	लंच पैकेट/नाश्ता-पूडी, सब्जी, मीठा, आचार, पैकिगं, फल, बोतलपानी 250 मिली0, चाय, बिस्कुट छोटा पैकेट, वी0आई0पी0लंच पैकेट।

कृपया उपरोक्तानसार मुहरबन्द निविदाएं प्रति यूनिट/फिट/पैकेट की लागत की दर से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में अंतिम दिवस दिनांक 06.01.2020 तक जमा किया जा सकता है तथा उसी दिवस को सील्ड निविदा अपराहन 02.00 बजे अधोहस्ताक्षरी कक्ष में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष गठित समिति द्वारा खोली जाएगी। निविदा स्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। अलग-अलग सामानों के लिए अलग फर्मे निविदा दे सकती है।

(आर0बी0 यादव)
उपायुक्त स्वतः रोजगार
अम्बेडकरनगर।

सीएए को लेकर हुई हिंसा की न्यायिक जांच की मांग

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलकर सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के निर्देश पर पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को ज्ञापन देकर सूबे में नागरिकता संसोधन कानून को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान हिंसा व पुलिस कार्रवाई की हाईकोर्ट के सिटिंग अथवा रिटायर्ड जज से न्यायिक जांच कराए जाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, पीएल पुनिया, प्रमोद तिवारी और नसीमुद्दीन सिद्दीकी व अन्य नेता शामिल थे। राज्यपाल दिए ज्ञापन में कांग्रेस की ओर से चार मांगे की गयीं हैं। इनमें प्रदेश सरकार के गृह विभाग और डीजीपी द्वारा तुरन्त आदेश जारी करके पुलिस और सरकार द्वारा किए जा रहे गैर कानूनी, हिंसात्मक और आपराधिक कार्रवाई को तुरन्त रोका जाए। मौजूदा हाईकोर्ट के जज या सेवानिवृत्त हाईकोर्ट के जज की निगरानी में कानूनी ढंग से शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लगाए गए आरोपों की सत्यता और तथ्य की निष्पक्ष जांच का आदेश दिया जाए। न्यायिक प्रक्रिया पूरी किए बिना सम्पत्तियों को सीज करना या सम्पत्तियों की कुर्की सम्बन्धी प्रक्रिया पर तुरन्त रोक लगाई जाए। शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी जो निर्दोष हैं उन पर किसी तरीके का आपराधिक और गैर कानूनी कार्रवाई न की जाए। इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर अधिवक्ताओं के साथ की बैठक की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि कांग्रेस पार्टी शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शनों में शामिल गिरफ्तार किए गए बेगुनाहों-पीड़ितों की कानूनी मदद करेगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि पूरे प्रदेश में जिस तरह से सरकारी तन्त्र ने अराजकता फैलायी है उसकी वजह से अनेकों निर्दोष लोग मारे गए और हजारों की संख्या में प्रदेश के नागरिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

वर्ष 1995, 2004, 2007 बैच के आईएएस अधिकारियों की हुई डीपीसी

1 जनवरी को जारी होगा आदेश

लखनऊ। 1995, 2004 और 2007 बैच के आईएएस अफ सरों के प्रमोशन की डीपीसी सोमवार हो गई। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में हुई डीपीसी में 1995 बैच के अफसरों को प्रमुख सचिव, 2004 बैच के अफ सरों को सचिव और 2007 बैच के अफसरों को सिलेक्शन ग्रेड दिए जाने की मंजूरी दे दी गई। सभी 28 अफसरों के प्रमोशन का आदेश पहली जनवरी को जारी किया जाएगा। पत्रावली मुख्यमंत्री के पास मंजूरी के पास भेजी गई है। जो अधिकारी प्रमुख सचिव बनेंगे उनमें आशीष कुमार गोयल, भुवनेश कुमार, मृत्युंजय कुमार नारायण, संतोष कुमार यादव, मोहम्मद मुस्तफा, आमोद कुमार, संजय प्रसाद, अमृत अभिजात, आर रमेश कुमार, के रवीन्द्र नायक, मुकेश कुमार मेश्राम शामिल हैं। 2004 बैच के 8 आईएएस अफसरों का प्रमोशन सचिव रैंक में किए जाने को मंजूरी मिल गई। इसमें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात अनामिका सिंह, रविकुमार एनजी, डॉ रोशन जैकब, विजय विश्वास पंत, डॉ राजशेखर, गौरव दयाल, डॉ बलकार सिंहए वीरेन्द्र कुमार सिंह शामिल हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

मेडिकल एजुकेशन के नाम रहा साल, प्रदेश को कई सौगातें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 2019 मेडिकल एजुकेशन के नाम रहा। इस साल जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में एक कार्यक्रम के जरिए प्रदेश को सात मेडिकल कालेजों की सौगात दी तो वहीं पर साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न स्व.अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में उनके जन्मदिन पर चिकित्सा विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी।

28 मेडिकल कालेजों को मिली अनुमति, सात में पढ़ाई शुरू

अगस्त माह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में एक कार्यक्रम के दौरान एक साथ सात मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई को हरी झंडी दी। जिससे एमबीबीएस में 700 सीटों की बढ़ोत्तरी के साथ ही आम आदमी की पहुँच में इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकी। इन मेडिकल कालेजों में उप्र आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा, राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं और पांच स्वशासी मेडिकल कालेजों अयोध्या, बस्ती, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और बहराइच शामिल हैं। इसके अलावा दूसरे चरण में आठ नये मेडिकल कालेजों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही तीसरे चरण के लिए केन्द्र की तरफ से प्रदेश को 13 नये मेडिकल कालेजों की मंजूरी मिल गयी है। इन 13 नये मेडिकल कालेजों के अन्तर्गत जिला चिकित्सालयों को अपग्रेड कर मेडिकल कालेज बनाया जायेगा।

दो वर्ष के अंदर जेई और एईएस के सफाए का लक्ष्य

मुख्य योगी आदित्यनाथ की तरफ से पिछले तीन दशक से प्रदेश के कुछ जिलों में महामारी का पर्याय बन चुके जेई और एईएस पर नियंत्रण के लिए जो प्रयास शुरू किये गये, उसका असर अब दिखने लगा है। 16 विभागों के समन्वय के जरिए संचालित दस्तक अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों के चलते इस साल मरीजों की संख्या और मौतों में 70 फ ीसदी से अधिक की कमी आई है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य दो वर्ष के अंदर

2019 का लेखा-जोखा

प्रदेश से जेई और एईएस के उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है।

आशाओं का मानदेय बढ़ने के साथ ही 53 जिलों में एमएमयू की सुविधा

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से इस साल आशाओं के मानदेय में 750 रुपए की बढ़ोत्तरी करने के साथ ही मेडिकल मोबाइल यूनिट 53 जिलों में शुरू की गई। इसका उद्देश्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के घर के पास तक इलाज की सुविधा उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावा 21 जिलों में 10-10 बेड की डायलिसिस यूनिट नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम के तहत शुरूआत की गई है। सुदूर स्थानों के मरीजों के इलाज के लिए टेली मेडिसिन की सुविधा शुरू किये जाने के साथ ही मरीजों की मौत होने पर उनके शव को शव वाहन के जरिए घर तक पहुँचाने की व्यवस्था सरकार की तरफ से की गयी।

प्रदेश में पहली रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत

प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत भी एसजीपीआई में की गई है। इसके अलावा प्रदेश के कई जिलों में ई-हॉस्पिटल की सुविधा सरकार की तरफ से की गयी है। जिससे ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट लेकर मरीज इलाज कराने के लिए सरकारी चिकित्सालयों में जा सकते हैं।

राज्य आयुष विश्वविद्यालय प्रस्तावित

प्रदेश में अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही सरकार की तरफ से राज्य आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना का भी राज्य सरकार की तरफ से प्रयास है। इस बावत मुख्यमंत्री के समक्ष प्रजेंटेशन भी हो चुका है। इस विश्वविद्यालय में आयुर्वेद, योग, नैचुरोपैथी, पंचकर्म जैसे विभागों को शामिल किया जाए। साथ किसानों को आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए आवश्यक जड़ी-बूटियों की खेती के माध्यम से बड़े पैमाने पर लाभान्वित कराने का सरकार का प्रयास है।

केजीएमयू में लीवर ट्रांसप्लांट व ह्यूमन मिल्क बैंक की शुरुआत

नवजात शिशुओं को स्तनपान कराने में अक्षम महिलाओं को देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में ह्यूमन मिल्क बैंक की शुरूआत की गयी है। मिल्क बैंक के तहत अभी तक 274 माताओं द्वारा स्वैच्छिक दुग्धदान के चलते 83 लीटर दुग्ध को स्टोर किया जा चुका है। वहीं इस साल केजीएमयू में लीवर ट्रांसप्लांट की व्यवस्था शुरू की गयी। अभी तक 9 ट्रांसप्लांट के केस किये जा चुके है। इसमें दो लीवर ट्रांसप्लांट कैडेवर के जरिए प्राप्त लीवर से की गयी है।

सात जिलों में केजीएमयू दे रहा टेलीमेडिसिन की सुविधा

जिला चिकित्सालयों में मरीजों को समुचित उपचार के दृष्टिगत केजीएमयू की तरफ से प्रदेश के सात जिलों में टेलीमेडिसिन सेंटर का संचालन किया जा रहा है। इन जिलों में सिद्धार्थनगर, बस्ती, देवरिया, संतकबीरनगर, कुशीनगर, महराजगंज, गोरखपुर तथा जिला कारागार लखनऊ शामिल हैं।

डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए बॉण्ड

प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए सरकार की तरफ से एमबीबीएस, बीडीएस, पीजी और स्पेशलिस्ट कोर्स करने वाले डॉक्टरों के लिए सरकार की तरफ से शासकीय बॉण्ड की व्यवस्था को अनिवार्य रूप से प्रभावी बना दिया गया है। इसमें एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले छात्रों को न्यूनतम दो वर्ष की सेवा सरकारी क्षेत्र में देना अनिवार्य होगा।

लोहिया अस्पताल और संस्थान का विलय

इस साल डॉ. राम मनोहर लोहिया संयुक्त चिकित्सालय और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का आपस में सरकार की तरफ से विलय कर दिया गया। विलय के पश्चात संस्थान में 1000 बेड की व्यवस्था होने के साथ ही एमबीबीएस की 200 सीटों पर पढ़ाई की राह में आने वाली समस्या का समाधान हो गया है।

विमान सेवा पर कोहरे का असर

संवाददाता। सरोजनीनगर

मौसम खराब होने के कारण सोमवार को भी इसका असर विमान सेवाओं पर पड़ा। इसकी वजह से विमान सेवाओं का संचालन गड़बड़ा गया। दिल्ली का मौसम खराब होने से जहां अलग-अलग स्थानों से दिल्ली जाने वाली एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान सहित करीब आधा दर्जन से अधिक उड़ानों को राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरना पड़ा। वहीं लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एक उड़ान रद्द कर दी गई। जबकि लखनऊ से वाया जम्मू होते हुए श्रीनगर जाने वाली इंडिगो की उड़ान काफी विलंब से जम्मू के बजाय सीधे श्रीनगर को रवाना हो सकी। इसके कारण इस उड़ान से जम्मू जाने वाले यात्रियों को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। एयरपोर्ट सूत्रों की मानें तो सोमवार को दिल्ली, जम्मू और इलाहाबाद का मौसम काफी खराब रहा। दिल्ली का मौसम काफी अधिक खराब होने के कारण स्पाइसजेट की कई उड़ानों को अमौसी एयरपोर्ट पर उतरना पड़ा। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि मौसम खराबी की वजह से स्वर्ण भूमि (बैंकॉक) से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की उड़ान को चौधरी

चरण सिंह एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। इस उड़ान की सुबह करीब 8:30 बजे यहां लैण्डिंग हुई। इसके अलावा अहमदाबाद से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की उड़ान अमौसी एयरपोर्ट पर सुबह करीब 10:25 बजे, कोलकाता से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की उड़ान पूर्वाहन 11:0 बजे, बैंगलोर से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की उड़ान 11:40 बजे, कोच्चि से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की उड़ान 11:42 बजे, बैंगलोर से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की उड़ान 10:44 बजे और गुवाहाटी से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान दोपहर 12:05 बजे, जबकि मुंबई से इलाहाबाद जा रही इंडिगो की उड़ान अपराहन करीब तील बजे चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरी।

उड़ानें रद

एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि दिल्ली का मौसम काफी खराब होने के कारण सोमवार को दिल्ली से अपराहन 2:40 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान को रद्द कर दिया गया। यह विमान कैंसिल होने की वजह से बाद में करीब आधे घंटे बाद वापस दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान भी लखनऊ से नहीं जा सकी। बताते हैं कि इस उड़ान के रद्द होने से लखनऊ से दिल्ली जाने वाले कई यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी। जबकि कुछ यात्रियों को अन्य उड़ानों के जरिए दिल्ली भेजा गया। वहीं लखनऊ से दिल्ली, कोलकाता, बंगलूरू और मुम्बई आने-जाने वाली कई अन्य उड़ाने काफी विलंब रहीं। उधर जम्मू का मौसम अत्यधिक खराब होने की वजह से सोमवार को लखनऊ से जम्मू होते हुए श्रीनगर जाने वाली इंडिगो की उड़ान को जम्मू के लिए रद्द कर दिया गया। सुबह करीब नौ बजे चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से जम्मू होते हुए श्रीनगर जाने वाली उड़ान बाद में करीब 3:30 घंटा देरी से 12:30 बजे जम्मू के बजाय सीधे श्रीनगर को रवाना हो सकी। इस विमान को जम्मू के लिए रद्द किए जाने से जम्मू जाने वाले यात्रियों को भी अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी।

स्टूडेंट्स मेरी पहली प्राथमिकता, मिलकर काम करेंगे

● प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति का ग्रहण किया कार्यभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार रात्रि को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रो आलोक कुमार राय के विवि पहुँचने के बाद कार्यवाहक कुलपति एसके शुक्ला ने उन्हें कुलपति पद का कार्यभार सौंपा।

कार्यभार ग्रहण किये जाने के दौरान लखनऊ यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ नीरज जैन व महामंत्री डॉ विनीत वर्मा मौजूद रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रोण् आलोक राय ने बताया कि कोई भी यूनिवर्सिटी वहां के स्टूडेंट्स के लिए होती है। मेरे लिए भी पहली प्राथमिकता यहां के स्टूडेंट्स है। उनकी पढ़ाई यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी चीजों को पूरा करने की पूरी कोशिश रहेगी। प्रो.राय ने बताया कि यूनिवर्सिटी के विकास के लिए सबसे जरूरी यहां के शिक्षकों और कर्मचारियों को साथ लेकर चलना है। मैं पूरी कोशिश करूंगा कि सभी को अपने साथ लेकर चलूं। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी में बीते समय में क्या हुआ इस पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। मैं सभी चीजों को एक बार समझने के बाद इसे आगे लेकर जाने की पूरी कोशिश करूंगा।

महिला शिक्षामित्रों को भी अब छह माह का मातृत्व अवकाश

लखनऊ। राज्य सरकार ने परिषदीय विद्यालयों में तैनात महिला शिक्षामित्रो, महिला अंशकालिक अनुदेशकों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में संविदा पर कार्यरत महिला शिक्षिकाओं को मानदेय के साथ छह माह का मातृत्व अवकाश देने का आदेश जारी कर दिया है। सोमवार को अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा रेणुका कुमार की तरफ से जारी इस शासनादेश में छह माह के मानदेय सहित मातृत्व अवकाश को स्वीकृत किया गया है। महिला शिक्षामित्रों की तरफ से यह लंबे समय से की जा रही थी। इस शासनादेश से लगभग 70-80 हजार महिला शिक्षामित्रों के साथ महिला अंशकालिक अनुदेशकों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में संविदा पर कार्यरत महिला शिक्षिकाओं को भी इसका लाभ मिलेगा। बता दें कि अभी तक महिला शिक्षामित्रों को तीन महीने का प्रसूति अवकाश मिलता था।

शिक्षक पात्रता परीक्षा आठ जनवरी को

लखनऊ। अध्यापक पात्रता परीक्षा 2019 (यूपीटीईटी) अब आठ जनवरी को होगी। परीक्षा के आयोजन को लेकर सोमवार को शासन स्तर पर आदेश जारी कर दिया गया है। शासन स्तर पर जारी आदेश के तहत आठ जनवरी को प्रदेश के सभी महाविद्यालय बंद रहेंगे। बता दें कि पूर्व में यह परीक्षा 22 दिसंबर को होनी थी। लेकिन नागरिकता संशोधन कानून को लेकर हुए बवाल और इंटरनेट न चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
ई-निविदा आमंत्रण सूचना (आईडी सं. 2019_AAI_39082_1)
अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भा.वि.प्रा.) की ओर से "Tender for providing comprehensive Video conferencing solution at AAI" हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की अनुमानित लागतः ₹ 13,45,13,608.00 (Exclusive Taxes). निविदा दस्तावेज़, पात्रता मापदंड, अन्य संबन्धित शुद्धिपत्र डाउनलोड करने एवं निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए कृपया सीपीपी पोर्टलः https://etenders.gov.in/eprocure/app अथवा भा.वि.प्रा. वेबसाइटः www.aai.aero पर भी देखी जा सकती है। इस संबंध में आगे कोई भी स्पष्टीकरण/शुद्धिपत्र केवल भा.वि.प्रा. वेबसाइट/सीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा। (N-84/2019-20)

डाक सेवाओं के लिए अहम रहा 2019

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डाक विभाग दिन-ब-दिन अपने को अद्यतन कर रहा है, चाहे वह सेवाओं का मामला हो या टेक्नालॉजी का। वर्ष 2019 में भी डाक सेवाओं में तमाम नवाचार हुए। लखनऊ (मुख्यालय) परिक्षेत्र के निदेशक डाक सेवाएं कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि वर्ष 2019 में ग्रामीण डाकघरों को टेक्नोलॉजी से अद्यतन करने के लिए दर्पण सीएसआईं का रोल आऊट किया गया। शहरों में लेटर बॉक्स को स्मार्ट बनाते हुए पत्र निकासी की सूचना के तात्कालिक अपडेशन के लिए सॉफ्टवेयर की शुरुआत की गई। ग्राहकों को डाक वितरण की वास्तविक समय वितरण सूचना उपलब्ध कराने के लिए पोस्टमैन मोबाइल एप की शुरुआत की गई। ई कामर्स के दौर में पार्सल के त्वरित वितरण के लिए लखनऊ जीपीओ व चौक प्रधान डाकघर में नोडल डिलीवरी सेंटर बनाये गए। पार्सल वितरण के लिए मेकेनाइज्ड बीट बनाते हुए मारुति वैन व मोटर साइकिल का इस्तेमाल आरम्भ किया गया।केंद्र और राज्य सरकार की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत लोगों से जोड़ने हेतु इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाते का इस्तेमाल

राजधानी लखनऊ में हुए तमाम नवाचार

किया जा रहा है। लखनऊ परिक्षेत्र में 3.27 लाख खाते खुल चुके हैं। डाक निदेशक कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक के द्वारा संचालित आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम सेवा के अंतर्गत घर बैठे बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के किसी भी बैंक से 10,000 रुपये तक निकालने की सुविधा की सितंबर 2019 में शुरुआत हुई । बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरम्भ की गई सुकन्या समृद्धि योजना में लखनऊ डाक परिक्षेत्र ने पहल करते हुए नई इबारत लिखी । 2.41 लाख बेटियों के खाते खोले जा चुके हैं। वर्ष 2019 में इसके तहत 576 गाँवों में सभी योग्य बेटियों के खाते खुलवाकर उन्हें सम्पूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम बना दिया गया है। गंगाजल बिक्री को प्रधान डाकघरों के साथ-साथ वर्ष 2019 में चयनित उप डाकघरों में भी आरम्भ किया गया। डाक टिकट संग्रह के प्रति लोगों में रुचि पैदा करने हेतु विभिन्न स्कूलों में फिलेटलिक सेमिनार व वर्कशॉप का आयोजन किया गया। डाक निदेशक कृष्ण कुमार यादव के अनुसार विभिन्न विद्यालयों में फिलेटलिक क्लब बनाकर विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिरुचि विकसित करने पर जोर दिया गया। महात्मा गाँधी की 150 वीं जयंती पर लखनऊ जीपीओ में भव्य डाक टिकट प्रदर्शनी अहिंसापेक्स-2019 का आयोजन किया गया जिसका समापन उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने किया। अयोध्या में दीपोत्सव को यादगार बनाने हेतु राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कॉरपोरेट माई स्टाम्प जारी किया गया। भारतीय इत्र विषय पर ऊद और नारंगी फूल पर आधारित चार सुगंधित स्मारक डाक टिकट जारी हुए। पत्र-लेखन विधा को बढ़ावा देने हेतु ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता के तहत प्रिय बापू ! आप अमर हैं विषय पर पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पोस्टकार्ड एक अक्टूबर 2019 को वैश्विक स्तर पर 150 साल का हो गया।राष्ट्रीय डाक सप्ताह के दौरान जागरूकता रैली, साइकिल रैली, बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश डाक परिमंडल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक अधिकारियों व कर्मियों को महानिदेशक डाक नई दिल्ली मीरा हॉण्डा और चीफ पोस्ट मास्टर जनरल उप्र परिमंडल कौशलेंद्र कुमार सिन्हा ने डाक सेवा अवार्ड से सम्मानित किया।

अधिकारी जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें

उप मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की पीड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जन समस्याओं का निस्तारण पूरी गम्भीरता व संवेदनशीलता के साथ करने के निर्देश सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिये हैं। श्री मौर्य सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7 कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न लोगों की समस्याएं सुनीं व उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से किया जाय तथा निर्धारित समयसीमा के अंदर किया जाय। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। अधिकारी शासन की प्रतिबद्धताओं व जन आकांक्षाओं के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन करें। समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही या हीलाहवाली किसी भी दशा में क्षम्य नहीं होगी। जनता दर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, सड़क, अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, ऋण माफी अनापत्ति प्रमाण पत्र आदि से सम्बन्धित विभिन्न विभागों के प्रकरण आये। । इसी तरह अन्य लोगों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। जनता दर्शन में बस्ती, मऊ, सोनभद्र, गोरखपुर, फतेहपुर, शामली, संत कबीर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली, गाजीपुर, प्रयागराज, कौशांबी, आगरा, लखनऊ, हरदोई, चित्रकूट, प्रतापगढ़, सीतापुर, बांदा, बाराबंकी, उन्नान, संभल आदि जिलों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं । उपमुख्यमंत्री ने भदोही व फतेहपुर के जिलाधिकारियों तथा बलरामपुर ,रायबरेली व गाजीपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से भी समस्याओं के निस्तारण के संबंध में दूरभाष पर वार्ता भी की। इसके साथ ही उपप मुख्यमंत्री ने सभी फरियादियों को आश्वस्त किया कि नियमानुसार सभी लोगों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

विधानमंडल का विशेष सत्र आज कार्यमंत्रणा समिति की हुई बैठक

अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण की अवधि को 10 साल बढ़ाने के प्रस्ताव पर सदन की ली जाएगी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंगलवार को हो रहे विधान मंडल के विशेष सत्र को लेकर विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई। दीक्षित ने बताया कि 31 दिसम्बर को प्रश्नकाल नहीं होगा। सत्र के प्रारम्भ में ही संसद द्वारा पारित संविधान एक सौ छब्बीसवां संशोधन विधेयक 2019 के संकल्प पर विचार के लिए प्रस्तुत किया जायेगा। विचारोपरांत इसका पारण किया जायेगा।

इस विशेष सत्र में अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण की अवधि को 10 साल बढ़ाने के प्रस्ताव पर सदन की मंजूरी ली जाएगी। आरक्षण की यह अवधि खत्म होने वाली है। लोकसभा और राज्यसभा में आरक्षण की अविध बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। इसके बाद राज्यों के विधानमंडलों से इस प्रस्ताव पर मंजूरी ली जाएगी। स्पीकर ने बताया कि उक्त संकल्प पर विचार एवं पारण के अतिरिक्त विधान सभा में नियम-51, नियम-301 एवं याचिकाओं को भी लिया जाएगा। उन्होंने सभी दलीय नेताओं से सदन के सुचारू रूप से संचालन के लिए अनुरोध किया। सभी दलीय नेताओं ने अपना सहयोग प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया। कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना एवं समाजवादी पार्टी के उप मुख्य सचेतक शैलेन्द्र यादव ललई, बहुजन समाज पार्टी के नेता लाल जी वर्मा, अपना दल सोनेलाल के नेता नील रतन पटेल एवं सुहेलदेव पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर एवं वरिष्ठ मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, रमापति शास्त्री, लक्ष्मीनारायण चौधरी, सिद्धार्थनाथ सिंह, गुलाब देवी एवं समिति के वरिष्ठ सदस्य फ तेह बहादुर सिंह उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों में हर चार माह पर होगी शिक्षक-अभिभावकों की मीटिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए अपर मुख्य सचिव ने जारी किये निर्देश

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अब हर चार माह पर शिक्षकों के साथ अभिभावकों की बैठक होगी। यह बैठक वर्ष में जनवरी, अप्रैल, जुलाई एवं अक्टूबर माह के दूसरे सोमवार को आयोजित होगी। सोमवार को अवकाश होने की स्थिति में बैठक अगले कार्यदिवस में आयोजित की जायेगी।

इस बैठक में सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। साथ ही अभिभावकों को बैठक में बुलाने के लिए दो दिन पूर्व ही छात्रों की नोटबुक में लिखित रूप से अभिभावकों को सूचित करना होगा। इस आशय का आदेश सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार की तरफ से सभी जिलाधिकारियों और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जारी किया गया है। शिक्षक-अभिभावक की बैठक को लेकर शासन का मानना है कि नियमित बैठक होने से छात्रों के अधिगम, व्यवहार संबंधी सहित प्रगति पर चर्चा हो सकेगा। दूसरे सरकार की तरफ से बच्चों को दी जाने वाली नि:शुल्क सुविधाओं में जैसे पाठ्य पुस्तकें, यूनीफार्म, स्कूल बैग, स्वेटर, जूते-मोजे आदि के बारे में अभिभावकों को जानकारी मिल सकेगी। अपर मुख्य सचिव के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निगरानी की व्यवस्था एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए अभिभावक-अध्यापक बैठक और विद्यालयों में वार्षिकोत्सव जैसे कार्यक्रमों की आवश्यकता है। बैठक के बारे में कहा गया है कि बैठक के दौरान छात्रों की उपस्थिति, परीक्षा फल, लर्निंग आउटकम, खेलकूद की गतिविधियों सहित चिकित्सकीय परीक्षण आदि के बारे में शिक्षकों की तरफ से अभिभावकों को जानकारी दी जायेगी।

यशवंत सिंह ने सीएम को पत्र लिखकर हस्तिनापुर के पुनर्निर्माण की उठाई मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा नेता एवं विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर मेरठ जनपद में प्राचीनतम इतिहास का गौरव रहे हस्तिनापुर के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में पत्र सौंपा। एलएलसी यशवंत सिंह ने पत्र में मुख्यमंत्री से कहा कि भारत के प्राचीनतम इतिहास का गौरव हस्तिनापुर उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद में है लेकिन यह दुखद स्थिति है कि आजादी के 72 साल के बाद भी हमारा यह गौरव बुरी तरह उपेक्षित है। यह स्थिति तब है जब इस प्राचीनतम नगर के पुनर्निर्माण का निर्णय भारत सरकार ने पण्डित जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्रिकार्यकाल में लिया गया था जिसका उल्लेख मेरठ स्थित पार्क में लगे शिलापट पर किया गया है। उन्होंने बताया उक्त शिलापट पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू के कर कमलों द्वारा ऐतिहासिक नगर हस्तिनापुर के पुनर्निर्माण प्रारम्भ की बात 6 फरवरी 1949 में की गई है। यशवंत सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यना से कहा कि इसके बाद भी कांग्रेस की सरकारों ने सम्पूर्ण भारत के ऐतिहासिक गौरव हस्तिनापुर के प्रति अपना नकारात्मक रवैया रखा। उन्होंने कहा कि इस नकारात्मक प्रवृति की वजह से महाराज शान्तनु का महल अब केवल टीले के रूप में शेष है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि महाराज शान्तनु के महल के अवशेष के रूप में बचे इस टीले पर भी एक मजार बना दी गई है। इस टीले पर जाने का रास्ता है एक पगडंडी के रूप में ही जो कि आने-जाने से स्वत: ही निर्मित हो गई है। यशवंत सिंह ने कहा कि शायद ही कोई ऐसा भारतीय हो जिसने महाभारत का नाम नहीं सुना हो।

प्रो. रमेश चन्द्र त्रिपाठी पत्रकारिता भूषण सम्मान 2018 से सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह में विधानसभा अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित ने प्रो. रमेश चन्द्र त्रिपाठी को हिंदी भाषा के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में दीर्घकालीन विशिष्ट योगदान के लिये पत्रकारिता भूषण सम्मान 2018 से सम्मानित किया। पत्रकारिता तथा साहित्य से अटूट रिश्ता रखने वाले डॉ. रमेश त्रिपाठी का जन्म 8 दिसंबर 1954 को ग्राम रूपगढ़ बस्ती उत्तर प्रदेश में हुआ था। डॉ. त्रिपाठी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर के रूप में ख्याति अर्जित की है। श्री त्रिपाठी हिंदी विभाग एवं पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे। डॉ. त्रिपाठी की प्रकाशित कृतियों में 6 पुस्तकें, शोध समीक्षा परक प्रशस्त ग्रंथ 7 पुस्तके संपादित है तथा तीन पत्र पत्रिकाओं का संपादन भी किया है। जिनमें पत्रकार निराला, निराला की साहित्यिक पत्रकारिता, पत्रकारिता सिद्धांत और प्रयोग, छायावाद युगीन हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता, प्रयोजन मूलक हिंदी विविध परिदृश्य तथा संचार सृजन आदि हैं। डॉ. त्रिपाठी द्वारा लगभग एक दर्जन कृतियों का संपादन भी किया गया है। हिंदी भाषा के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में दीर्घकालीन विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी को वर्ष 2018 के लिए पत्रकारिता भूषण सम्मान से सम्मानित करते हुए रुपए दो लाख की धनराशि सादर भेंटकर उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान गौरवान्वित अनुभव करता है।

बगैर अनुमोदन सेल्फ फाइनेंस कोर्सों पर खर्च के भुगतान पर एलयू ने लगाई रोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विवि में संचालित सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के तहत निदेशकों से लेकर रखे गये कर्मचारियों और अतिथि शिक्षकों के भुगतान पर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने रोक लगा दी है। विवि के कुलपति ने वित्त विभाग को आदेश जारी कर कहा है कि बगैर कुलपति के अनुमोदन के सेल्फ फाइनेंस के तहत किसी भी निदेशक, कर्मचारी या फिर अतिथि शिक्षक का भुगतान न किया जाय। विवि में कई विभाग ऐसे हैं, जहां पर सेल्फ फाइनेंस कोर्सों का संचालन होता है। इन कोर्सों को संचालित करने के लिए कोआर्डिनेटर से लेकर कर्मचारी और अतिथि शिक्षक रखे जाते हैं। इन सभी का भुगतान नियमानुसार विवि के वित्त विभाग की तरफ से किया जाता है। ऐसे में सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के तहत रखे गये कर्मचारियों और अतिथि शिक्षकों के भूमिका की स्थिति जल्दी स्पष्ट नही हो पाती थी। कहीं-कहीं पर संदह की स्थिति भी बनी रहती थी। इन सभी कारणों के मद्देनजर विवि के कुलपति एसके शुक्ला ने आदेश जारी कर कोआर्डिनेटर से लेकर कर्मचारियों और अतिथि शिक्षकों के भुगतान पर रोक लगा दी है। कुलपति की तरफ से वित्त विभाग को जारी आदेश में कहा गया है कि कुलपति के नियुक्ति आदेश जारी किये बगैर किसी भी तरह का भुगतान न किया जाय।

विवि में होने वाले आयोजनों के दौरान मुख्य और विशिष्ट अतिथि के सम्मान में दिये जाने वाले बुकें आदि की प्रथा पर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने रोक लगा दी है। विवि के कुलपति एसके शुक्ला ने आदेश जारी कर कहा है कि बुकें आदि के स्थान पर फूल और पुस्तकें देकर सम्मान किया जाय। साथ ही मुख्य अतिथि व विशिष्ट के अलावा अन्य को दिए जाने वाले शाल के विकल्प में किसी अन्य को प्रयोग में लिया जाय।

यूनिवर्सिटी आफ बफैलो और लोहिया संस्थान के बीच अनुबंध

लखनऊ(पीएनएस)। फ्यूचर आफ मेडिसिन के क्षेत्र में संभावनाओं को देखते हुए सोमवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और स्टेट यूनिवर्सिटी आपु न्यूयार्क, बफैलो द्वारा एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। अनुबंध के तहत स्टूडेंट्स-टीचर्स एक्सचेंज फैकल्टी का आदान-प्रदान हो सकेगा।

नगर निगम को हस्तांतरित की गई समर विहार कालोनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आलमबाग इलाके की समर विहार कालोनी को विकास के लिए 28 साल बाद नगर निगम के हवाले कर दिया गया। इस कालोनी की समर विहार वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा वर्ष 1992 से देखरेख की जा रही है। कालोनी को विजय प्रताप नगर आवास विकास समिति द्वारा बसाया गया था। अब जब कालोनी में सीवरेज और ड्रेनेज के साथ-साथ अन्य विकास कार्यों की जरूरत पड़ी तो कालोनी को वेलफेयर एसोसिएशन ने नगर निगम को सौंप दिया। कालोनी के सेंट्रल पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कालोनी के सभी कागजात एसोसिएशन के अध्यक्ष कृपाल सिंह एबट ने नगर आयुक्त इंद्रमणि त्रिपाठी को सौंपे। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि महापौर संयुक्त भाटिया, कैंट विधायक सुरेश तिवारी भी मौजूद रहे।

यह कालोनी नियमों के तहत विकसित है। एलडीए से कालोनी का मानचित्र भी पास है। कालोनी में चार पार्क, चार नलकूप और 125 स्ट्रीट लाइटें और पांच प्रवेश द्वार हैं। 76.53 लाख वर्ग फिट में बसी इस कालोनी में कुल 351 मकान हैं। नगर निगम इस कालोनी में पहले से विकास के काम भी कराता रहा है। क्षेत्रीय पार्षद गिरीश मिश्रा ने भी विकास कार्य कराए हैं। नगर निगम यहां पर हाउस टैक्स भी पहले से ले रहा है। ऐसे में अब सिर्फ कालोनी को अधिकृत तौर पर रख रखाव के लिए टेकओवर किया गया है। समर विहार वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव रवि श्रीवास्तव ने बताया कि 1992 से कालोनी को हैंडओवर करने का प्रयास किया जा रहा था। कार्यक्रम के दौरान महापौर ने कहा कि वह इस बात से काफी खुश हैं कि नगर निगम अब इस कालोनी को एक मॉडल कालोनी के रूप में विकसित करेगा। कार्यक्रम में नगर निगम के जोनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी, स्वास्थ्य निरीक्षक, जल कल इंजीनियर मौजूद थे। अंत में पीसी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अश्वनी कुमार अध्यक्ष व पीएन पाण्डेय महामंत्री निर्वाचित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ का द्विवार्षिकीय चुनाव

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के द्विवार्षिकीय चुनाव में सोमवार को अध्यक्ष पद पर अश्वनी कुमार पाण्डेय ने 44 वोटों से जीत हासिल की। वहीं उपाध्यक्ष के दो पद पर हुए चुनाव में राकेश कुमार यादव एवं अनिल कुमार विजयी हुए। विभाग के ऑडीटोरियम में सम्पन्न निर्वाचन प्रक्रिया में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। मतदान 86 प्रतिशत रहा। महामंत्री पद पर पीएन पाण्डेय, संयुक्त मंत्री रवि कुमार, संगठन मंत्री रजनीश शर्मा, प्रचार मंत्री हरेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम मौर्या व ऑडीटर के पद पर अरूण कुमार शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इनके अलावा सदस्य पद पर शंकर प्रसाद, महेश कुमार शर्मा, धर्मेन्द्र कुमार तिवारी, जाबिर अली तथा पंकज कुमार को निर्विरोध चुना गया है।

विद्युत वितरण मण्डल-चतुर्थ, लेसा – सिस गोमती, लखनऊ। (ई-निविदा सूचना) विद्युत वितरण मण्डल-चतुर्थ, लेसा-सिस गोमती, लखनऊ के कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसके प्रथम भाग में (1) विद्युत सुरक्षा निदेशालय में "क" श्रेणी में वैध लाईसेन्स, की स्वः प्रमाणित प्रति। (2) जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण की स्व-प्रमाणित छायाप्रति। (3) जिलाधिकारी द्वारा निर्गत हैसियत प्रमाण-पत्र/रजिस्टर्ड चार्टर्ड एकाउन्टेण्ट द्वारा निर्गत नेटवर्थ प्रमाण पत्र (आमंत्रित निविदा की धनराशि का 25 प्रतिशत) (4) विगत 5 वर्षो में से सर्वश्रेष्ठ तीन वर्षो का निविदा मूल्य का 150 प्रतिशत न्यूनतम् औसत टर्न ओवर (रजिस्टर्ड चाटेर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित) स्व-प्रमाणित छायाप्रति। (5) जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण-पत्र की स्व-प्रमाणित छायाप्रति। (6) निविदा शुल्क (जीएसटी सहित) एवं धरोहर धनराशि RTGS/NEFT के माध्यम से अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, सेस-प्रथम, लेसा, लखनऊ (E.E., EDD, CESS-Ist, LESA, Lucknow) के बैंक खाता संख्या 1444100402, IFSC Code - CBIN0280139, सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा हजरतगंज, लखनऊ के पक्ष में जमा करना होगा। (7) काली सूची में फर्म का नाम न होने तथा विपरीत गुणवत्ता पर अनुबन्ध निरस्त न होने का प्रमाण-पत्र (रू0 10.00 के स्टैम्प पर)। (8) केन्द्रीय / राज्य सरकार अथवा केन्द्रीय/राज्य सरकार के उपक्रम में विगत 03 वर्षो में उनके द्वारा किये गये अनुबन्ध के अन्तर्गत सम्पादित समान कार्य का अनुभव एवं उपरोक्त सम्पादित कार्य जो एक वर्ष से सफलतापूर्वक परिचालित हो, का प्रमाण-पत्र जो अधिशासी अभियन्ता अथवा समकक्ष अधिकारी द्वारा निर्गत हो। समान कार्य को परिभाषित करने हेतु कार्य को स्पष्ट रूप से वर्णित करना अनिवार्य होगा। निविदा दाता समान कार्य के सापेक्ष निम्नांकित में से किसी एक शर्त को पूर्ण करने पर निविदा हेतु अर्ह माना जाएगा। अ-निविदा की धनराशि का न्यूनतम् 80 प्रतिशत धनराशि का कार्य एक अनुबन्ध में अथवा ब-निविदा की धनराशि का न्यूनतम् 50 प्रतिशत धनराशि का या अधिक के कार्य के दो पृथक-पृथक अनुबन्ध अथवा स-निविदा की धनराशि का न्यूनतम् 40 प्रतिशत धनराशि का या अधिक के कार्य के तीन पृथक-पृथक अनुबन्ध। (9) मार्केट में किराये अथवा कान्ट्रेक्ट पर अनुपलब्ध विशिष्ट टी0 एण्ड पी0 की सूची आवश्यकतानुसार मांगी जा सकती है समस्त सम्बन्धित प्रमाण-पत्रों की स्केन्ड प्रति तथा निविदा शुल्क (जीएसटी सहित) एवं धरोहर धनराशि के RTGS / NEFT के जमा करने के साक्ष्य स्वरूप यूटीआर संख्या, पे-इन-स्लिप रसीद (Copy of Issued Bank-Confirmation Mail) की मूल प्रति ई-निविदा में स-समय अपलोड करना अनिवार्य होगा। निविदा के द्वितीय भाग में दरें वेबसाईट पर भरनी होगी। निविदा प्रस्ताव उ0प्र0 सरकार की ई-टेण्डर वेबसाईट वेबसाइट https://etender.up.nic.in के माध्यम से खोली जाएगी। उपरोक्त निविदा प्रपत्र एवं सूचना https://etender.up.nic.in पर दिनांक 30.01.2020 को 12:00 बजे तक डाउन लोड किये जा सकते है, जिसका प्रथम भाग उसी दिन को 16:00 बजे अथवा बाद में खोला जायेगा। निविदाओं के प्रथम भाग हेतु वांछित अभिलेखों के मूल्यांकन/सम्बन्धित बैंक से जमा निविदा शुल्क/धरो. हर राशि की पुष्टि के बाद उपयुक्त पाई गयी निविदाओं के ही द्वितीय भाग खोले जायेगें। द्वितीय भाग के खुलने की सूचना ई-टेण्डर की वेबसाइट पर दी जाएगी। यदि निविदा खुलने की तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ता है तो निविदायें अगले कार्यदिवस में नियत समय पर खोली जाएगी। भविष्य में सम्बन्धित निविदा में यदि कोई संशोधन अथवा निविदा खोलने की तिथि में विस्तार होता है उसकी सूचना उ0प्र0 सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को एक अथवा समस्त निविदा प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त/विभक्त करने का अधिकार सुरक्षित है। निविदा का विवरण निम्नवत् है : **1. निविदा संख्या 115/वि.वि.म.(च.)/19-20:** वि0वि0ख0, सेस-प्रथम के तहत जमा योजना के तहत विभिन्न स्वीकृत पैकेजों के विरुद्ध प्रस्तावित कार्यो को कराने हेतु रनिंग अनुबंध करने हेतु। निविदा प्रपत्र 3540.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 25,000.00। **2. निविदा संख्या 116/वि.वि.म.(च.)/19-20:** वि0वि0ख0, सेस-द्वितीय के तहत जमा योजना के तहत विभिन्न स्वीकृत पैकेजों के विरूद्ध प्रस्तावित कार्यो को कराने हेतु रनिंग अनुबंध करने हेतु। निविदा प्रपत्र 3540.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 25,000.00। **3. निविदा संख्या 117/वि.वि.म.(च.)/19-20:** वि0वि0ख0, सेस-चतुर्थ के तहत जमा योजना के तहत विभिन्न स्वीकृत पैकेजों के विरूद्ध प्रस्तावित कार्यों को कराने हेतु रनिंग अनुबंध करने हेतु। निविदा प्रपत्र 3540.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 25,000.00। **अल्पकालिक निविदा संख्या 118/वि.वि.म.(च.)/19-20:** वि0वि0ख0, सेस-द्वितीय के तहत बिजनेस प्लान के अंतर्गत 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र सरोसा से पोषित 11 के0वी0 सांई मन्दिर एवं 11 के0वी0 पारा फीडर का लोड नये फीडर पर डालने का कार्य। निविदा प्रपत्र 3540.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 12,500.00। (निविदा खुलने की तिथि 17.01.2020)। **अधीक्षण अभियन्ता, वि0वि0म0 (च0), सिस गोमती-लेसा**। पत्रांक संख्या : 1381/वि0वि0म0(च0)/कैम्प/निविदा, दिनांक : 30.12.2019, **"राष्ट्र हित में बिजली बचायें"**

बैंक ऑफ बड़ौदा ने राजधानी में स्टार्ट अप शाखा का शुभारंभ किया

लखनऊ (पीएनएस)। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा 30 दिसंबर 2019 को एक और डेडिकेटेड स्टार्ट अप जोन का उद्घाटन विभूति खंड शाखा, गोमती नगर में बैंक के कार्यकारी निदेशक वी एस खीची के कर कमलों द्वारा किया गया। डेडिकेटेड स्टार्ट अप शाखाओं के माध्यम से स्टार्टअप को टेलर मेड उत्पादों और सेवाओं का एक समावेश प्रस्तुत किया जाएगा। अभी तक बैंक ने देश के प्रमुख स्टार्ट अप केंद्रों गुरुग्राम, दिल्ली नोएडा, बेगलुरू, चेन्नई, मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, पुणे, हैदराबाद, लखनऊ, चंडीगढ़ और कोलकाता में 13 समर्पित स्टार्टअप शाखाएं स्थापित की हैं। बैंक शीघ्र ही अपने स्टार्ट अप शाखाओं के नेटवर्क में इंदौर और कोच्चि को भी जोड़ेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा के लखनऊ अचल के महाप्रबंधक और अंचल प्रमुख डॉ राम जस यादव ने भी उदघाटन समारोह को संबोधित किया और कहा कि इससे भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट अप कार्यक्रम को और अधिक बढ़ावा मिलेगा और उत्तर प्रदेश राज्य के एमएसएमई के विकास में मदद मिलेगी।

बाल प्रतिनिधियों ने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को किया साकार

सीएमएस की मेजबानी में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय बाल शिविर का हुआ उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ की मेजबानी में आयोजित एक माह के 27वें अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर का भव्य उद्घाटन आज कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ। मुख्य अतिथि इन्द्रमणि त्रिपाठी, नगर आयुक्त, लखनऊ ने दीप प्रज्वलित कर अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर का विधिवत् उद्घाटन किया। इस अवसर पर ब्राजील, कनाडा, कोस्टारिका, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, इटली, मैक्सिको, नार्वे, स्वीडन, थाईलैंड, अमेरिका और भारत के बाल प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देशों के लोकगीतों एवं शिक्षात्मक-साँस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को साकार किया एवं विश्व एकता व विश्व शान्ति का संदेश सारे विश्व में प्रवाहित किया। विदित हो कि यह अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर 28 दिसम्बर 2019 से 24 जनवरी 2020 तक आयोजित किया जा रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि इन्द्रमणि त्रिपाठी, नगर आयुक्त, लखनऊ ने कहा कि विभिन्नता में एकता दर्शाता यह अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर वास्तव में सराहनीय है, जिसमें विभिन्न देशों के बच्चे साथ-साथ रह रहे हैं। यह शिविर वास्तव में मल्टी-लिंगुवल, मल्टी-कल्चरल एवं मल्टी-नेशनल आयोजन है, जिसके माध्यम से विभिन्न देशों के बच्चों के बीच गहरा आत्मीय रिश्ता कायम होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये नन्हें मेहमान पूरे विश्व को अपनी विश्वव्यापी सोच से आलोकित करेंगे। इससे पहले, अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर के उद्घाटन समारोह में 13 देशों से पधारे बाल प्रतिनिधियों ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व परिवार की झलक प्रस्तुत करते हुए अहसास दिलाया कि वह दिन अब दूर नहीं जब सम्पूर्ण पृथ्वी एक देश होगा और उस पर निवास करने वाली सम्पूर्ण मानवता उसके नागरिक। समारोह में विभिन्न देशों से पधारे बाल प्रतिभागियों ने साथ मिलकर नववर्ष का स्वागत किया एवं अत्यन्त ही मधुर स्वरों में सीआईएसवी गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। 'अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर' के उद्घाटन समारोह के उपरान्त आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में बाल शिविर के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी पत्रकारों को देते हुए सीआईएसवी इण्डिया के प्रेसीडेन्ट, सीएमएस संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर अपने आप में एक लघु विश्व की झलक है, जहां देश-विदेश के बच्चों को एक माह तक प्रेम, शान्ति, एकता, सहयोग और भाईचारे का प्रशिक्षण दिया जाता है। यहाँ विभिन्न देशों के बच्चे एक माह तक साथ-साथ रहकर दोस्ती व सद्भाव की जो शिक्षा प्राप्त करेंगे, वह पूरी जिन्दगी उनके साथ रहेगी।

नववर्ष पर सूबे में रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

● पुलिस पूरी सतर्कता बरते ताकि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए: डीजीपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी ओपी सिंह ने नववर्ष-2020 के अवसर पर प्रदेश में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था, गश्त, सुदृढ़ पुलिस प्रबंध और प्रभावी कार्रवाई करने के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। इस संबंध में डीजीपी ने सभी जोनल एडीजी, आईजी, रेंज के आईजी, डीआईजी और जिलों के पुलिस कप्तानों को परिपत्र जारी किया है।

नववर्ष 32 दिसंबर की रात आठ बजे से प्रारंभ होकर पहली जनवरी 2020 को देर रात्रि तक मनाया जाएगा। गत वर्षों की भांति नववर्ष को मनाने के लिए युवावर्ग अधिकांशतया होटलों, क्लबों तथा विभिन्न मनोरंजन गृहों आदि में समूहों के रूप में एकत्रित होकर पार्टियां आदि मनाते हैं। इस दौरान विवाद होने की सम्भावना बनी रहती है। ऐसे स्थानों पर प्रभावी पुलिस प्रबन्ध, यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर युवाओं द्वारा सड़कों पर मोटर साइकिल, चार पहिया वाहन तेज गति से चलाए जाते हैं। फलस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं आदि की प्रबल संभावना बनी रहती है। दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियन्त्रण के लिए शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की चेकिंग ब्रेथ एनेलाइजर के माध्यम से प्रभावी तौर पर सुनिश्चित की जाए तथा जो व्यक्ति शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पाए जाएं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। विशेष रूप से होटल, क्लब व मनोरंजन गृहों व ऐसे स्थान जहां पर नव वर्ष के सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ऐसे स्थानों तथा उसके आसपास सतर्क दृष्टि रखी जाए। महिलाओं से चेन स्नेचिंग आदि संभावित घटनाओं पर भी लगातार सतर्क व कड़ी दृष्टि रखी जाए। अपराधिक-अराजक तत्वों पर भी लगातार सतर्क दृष्टि रखी जाए ताकि इस अवसर का लाभ उठाकर अपराधी कोई अपराधिक घटना न घटित कर पाएं।

डीजीपी ने निर्देशित किया है कि नव वर्ष मनाए जाने के अवसर पर प्रत्येक बिन्दु पर पूर्ण सावधानी बरती जाए। 31 दिसंबर व पहली जनवरी 2020 को होटल, क्लब, मनोरंजन गृह तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था तथा अत्यधिक कड़ी सजगता-सतर्कता बरतें ताकि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए।

हुड़दंगियों से निपटने को 1090 पर कंट्रोल रूम स्थापित, एसएसपी ने लिया जायजा

लखनऊ। नव वर्ष को दृष्टिगत रखते हुए 1090 चौराहे पर कंट्रोल रूम की स्थापाना की गयी है ताकि नये वर्ष पर हुड़दंगियों पर नजर रखी जा सके और शांतिपूर्वक ढंग से नये वर्ष का लोग आनंद उठा सकें । एसएसपी कलानिधि नैथानी ने कहा कि कंट्रोल रूम के जरिये वाहनों की चेकिंग की जा रही है और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। चौराहों माल, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व अन्य पब्लिक प्लेस पर पड़ी वस्तुओं पर भी गौर किया जा रहा है। कहीं से कोई चूक न हो इसके लिये पुलिस सतर्क है। एसएसपी ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी क्योंकि ऐसा देखा गया है कि प्राय: ऐसे वाहनों से हादसे होते हैं ऐसे तत्वों के लिये ब्रेथ इनलाइजर की व्यवस्था की गयी है जिसके इस्तेमाल से शराब पीने की पुष्टि हो सकेगी। साथ ही नव वर्ष के अवसर पर कार्ड प्रदान कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

अतिक्रमण हटाने गए चौकी इंचार्ज से अभद्रता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव के भिठौली के पास अतिक्रमण हटाने गए चौकी इंचार्ज से अभद्रता का मामला सामने आया है। वहीं सूत्रों का कहना है चौकी इंचार्ज व दुकानदार के बीच हाथापाई भी हुई है। हालांकि चौकी इंचार्ज ने हाथापाई से इनकार किया है। फिलहाल चौकी इंचार्ज ने आरोपित का धारा-34 के तहत चालान करने के साथ ही तस्करा भी डाला है। अजीजनगर चौकी प्रभारी अखिलेश यादव ने बताया कि भिठौली क्रॉसिंग के पास सर्विस लेन पर अतिक्रमण होने से जाम लगने की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर हुई थी। इस पर वह सोमवार को टेंपो की रिपेयरिंग करने वाले यस वर्धन गुप्ता से दुकान हटाने के लिए कहने गया था। आरोप है कि यश वर्धन गुप्ता ने दुकान हटाने से इनकार कर दिया। जिस पर उसका धारा-34 के तहत चालान कर दिया गया। इससे नाराज होकर उसने अपने कुछ और साथियों को बुलाकर हंगामा करने लगा था। हालांकि कुछ संभ्रात लोगो के आने के बाद मामला शांत हो गया। हालांकि सूत्रों का कहना है कि चौकी इंचार्ज ने दुकानदार को थप्पड़ रशीद कर दिए थे। इससे दुकानदार ने भी दरोगा की पिटाई कर दी थी। इंस्पेक्टर मडियांव विपिन कुमार सिंह ने बताया कि हाथापाई का आरोप गलत है। आईजीआरएस की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

महर्षि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय फैकल्टी कार्यक्रम का समापन

लखनऊ। महर्षि सूचना प्राद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय फैकल्टी कार्यक्रम का समापन इदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविदालय लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ.मनोरमा सिंह के व्याख्यान से हुआ।

प्रो. सिंह ने बताया कि शिक्षा विकास की आधारशिला है एवं व्यक्तित्व विकास का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। यदि व्यक्ति के अन्दर शिक्षा प्राप्त करने की ललक है तो कोई भी चुनौती बाधा नहीं बन सकती। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षकों को निरन्तर अपने ज्ञान का नवीनीकरण करते रहना चाहिए जो विद्यार्थियों को नवीनतम और समसामयिक ज्ञान प्रदान करने के लिए वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नितान्त आवश्यक है विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. लोपी सम्मा ने कहाकि शिक्षक को एक शिक्षक की तरह लगना चाहिए, आचार विचार एवं व्यवहार में शिक्षा के गुण प्रदर्शित होने चाहिए। समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि भीमसेन सिंह ने कहा कि उच्च सिक्षा में शोध के लिए सरकार को अपना बजट बढ़ाना चाहिए।

FORM - 4
(PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF PERSON ACCUSED)
IN THE COURT OF THE ADDITIONAL SMALL CAUSES/ACMM COURT AT BANGALORE - MAYOHALL (SCCH-20)
C.C. No. 1419/2013
M/s METAHELIX LIFE SCIENCES LIMITED, PLOT NO. 3, KIADB, 4TH PHASE, BOMMASANDRA, BENGALURU - 560 099. ... COMPLAINANT
-V/s-
M/s FARMERS AGRO AGENCIES & ANOTHER ... ACCUSED
PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF PERSON ACCUSED
1. M/s FARMERS AGRO AGENCIES, KAILASH MARKET, PAYAGIPUR SULTANPUR UTTAR PRADESH - 228 001.
ALSO AT: M/s FARMERS AGRO AGENCIES C/o KRISHNA AGRO AGENCY (NEW FIRM NAME) KAILASHI MARKET, PAYAGIPUR CHORAHA, ALLAHABAD ROAD, SULTANPUR, UTTAR PRADESH.
2. MR. VINOD KUMAR PANDEY, PROPRIETOR, M/s FARMERS AGRO AGENCIES KAILASH MARKET, PAYAGIPUR SULTANPUR UTTAR PRADESH - 228 001.
ALSO AT: MR. VINOD KUMAR PANDEY, PROPRIETOR, M/s FARMERS AGRO AGENCIES, C/o KRISHNA AGRO AGENCY (NEW FIRM NAME) KAILASHI MARKET, PAYAGIPUR CHORAHA, ALLAHABAD ROAD SULTANPUR, UTTAR PRADESH
RESIDENCE ADDRESS: MR. VINOD KUMAR PANDEY VILLAGE, PANDEYPUR POST, BUDHAPUR TALUK, LAMBHUA DISTRICT, SULTANPUR, UTTAR PRADESH - 222 302 ... ACCUSED
WHEREAS, the Complainant has been made before me that, the Accused have committed(or suspected to have committed) the offense of punishable u/s 138 of the Negotiable Instruments Act, that it has been returned to a warrant of arrest thereupon issued that the above mentioned Accused cannot be found and whereas it has been shown to my satisfaction that the above mentioned Accused have absconded (or is concealing himself to avoid the service of the said warrant).
Proclamation is hereby made that the above mentioned Accused are required to appear at before this Court (or before me) answer the said complaint on the day 07.01.2020.
By order of the Court, Addl. Small Causes/ACMM Court, Member M.A.C.T Mayo Hall Unit, M.G. Road, Bangalore-01.
Dated: 21-12-2019

FORM - 4
(PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF PERSON ACCUSED)
IN THE COURT OF THE ADDITIONAL SMALL CAUSES/ACMM COURT AT BANGALORE - MAYOHALL (SCCH-20)
C.C. No. 19734/2014
M/s METAHELIX LIFE SCIENCES LIMITED, PLOT NO.3, KIADB, 4TH PHASE, BOMMASANDRA, BENGALURU - 560 099 ... COMPLAINANT
-V/s-
M/s AYUSH BEEJ BHANDAR & ANOTHER ... ACCUSED
PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF PERSON ACCUSED
1. M/s AYUSH BEEJ BHANDAR SUDHIYAMAU VILLAGE, RAMNAGAR BLOCK, RAMNAGAR, TEHSIL & CITY, BARABANKI DISTRICT, UTTARPRADESH-227 131.
2. MR. SURENDRA KUMAR VARMA PROPRIETOR AYUSH BEEJ BHANDAR, SUDHIYAMAU VILLAGE, RAMNAGAR BLOCK, RAMNAGAR, TEHSIL & CITY, BARABANKI DISTRICT, UTTARPRADESH-227 131 ... ACCUSED
WHEREAS, the Complainant has been made before me that, the Accused have committed (or suspected to have committed) the offense of punishable u/s 138 of the Negotiable Instruments Act, that it has been returned to a warrant of arrest thereupon issued that the above mentioned Accused cannot be found and whereas it has been shown to my satisfaction that the above mentioned Accused have absconded (or is concealing himself to avoid the service of the said warrant).
Proclamation is hereby made that the above mentioned Accused are required to appear before this Court (or before me) answer the said complaint on the day 07.01.2020.
By order of the Court, Addl. Small Causes/ACMM Court Member M.A.C.T. Mayo Hall Unit, M.G. Road, Bangalore- 01, Date: 21.12.2019

FORM - 4
(PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF PERSON ACCUSED)
IN THE COURT OF THE ADDITIONAL SMALL CAUSES/ACMM COURT AT BANGALORE - MAYOHALL (SCCH-20)
C.C. No. 19735/2014
M/s METAHELIX LIFE SCIENCES LIMITED, PLOT NO.3, KIADB, 4TH PHASE, BOMMASANDRA, BENGALURU - 560 099 ... COMPLAINANT
-V/s-
M/s AYUSH BEEJ BHANDAR & ANOTHER ... ACCUSED
PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF PERSON ACCUSED
1. M/s KISSAN SEVA KENDRA, VERMA MARKET, MEEL CHAURAHA, SIDDHAUR, VILLAGE & POST, BARABANKI DISTRICT, UTTARAPRADESH- 225 413.
2. MR. ASHWANI KUMAR SINGH, PROPRIETOR, M/s. KISSAN SEVA KENDRA, VERMA MARKET, MEEL CHAURAHHA, SIDDHAUR, VILLAGE & POST, BARABANKI DISTRICT, UTTARAPRADESH- 225 413 ... ACCUSED
WHEREAS, the Complainant has been made before me that, the Accused have committed (or suspected to have committed) the offense of punishable u/s 138 of the Negotiable Instruments Act, that it has been returned to a warrant of arrest thereupon issued that the above mentioned Accused cannot be found and whereas it has been shown to my satisfaction that the above mentioned Accused have absconded (or is concealing himself to avoid the service of the said warrant).
Proclamation is hereby made that the above mentioned Accused are required to appear before this Court (or before me) answer the said complaint on the day 07.01.2020.
By order of the Court, Addl. Small Causes/ACMM Court Member M.A.C.T. Mayo Hall Unit, M.G. Road, Bangalore- 01, Date: 21.12.2019

पन्द्रह फिट लम्बा अजगर मिलने से मचा हड़कंप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृष्णानगर थाना क्षेत्र स्थित डीआरएम आफिस के निकट सोमवार की सुबह पन्द्रह फिट लम्बा अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस व वन विभाग की टीम ने अजगर को सही सलामत पकड़कर भेजवा दिया। वहीं वन विभाग की टीम में आए पशु कल्याण अधिकारी प्रमोद कुमार पात्रा ने बताया कि उन्हें अजगर मिलने की सूचना कन्ट्रोल रूम से मिली थी। जिसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर अजगर को सही सलामत पकड़कर वन विभाग को सौंप दिया है। अजगर को पकड़ने में आरडीएसओ कर्मचारी सहित कृष्णानगर कोतवाली प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह, कान्स्टेबल सुनील राय सहित एचसी सुरेन्द्र सिंह, राम किशोर, निखिल कुमार, संजय सिंह, राहुल व कन्ट्रोल पुलिस से सर्वेश कुमार व सचिन त्रिपाठी मौजूद थे। वहीं पशु कल्याण अधिकारी प्रमोद कुमार पात्रा के मुताबिक पकड़े गए अजगर की लम्बाई करीब पन्द्रह फिट व वजन करीब बीस किलो है।

आठ माह की गर्भवती दहेज लोभियों की भेंट चढ़ी

● पुलिस ने ससुर व पति को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में दहेज लोभी भेड़ियों का एक ऐसा मामला आया कि सबके होश उड़ गये और एक आठ माह की गर्भवती दहेज लोभियों की भेंट चढ़ गई। मृतका की रोती हुई मां का आरोप है कि शादी के बाद से ही बेटी को दो लाख रुपयों के लिए ससुरालीजन प्रताड़ित कर रहे थे। खास बात यह कि पुलिस को सारी हकीकत मालूम थी लेकिन फिर भी कार्रवाई नहीं की और लीपापोती करती रही आखिर एक बेटी दहेज लोभियों की भेंट चढ़ गई। उधर सांठ गाठ में लिप्त पुलिस ने मौत की खबर सुनते ही उसके ससुर व पति को गिरफ्तार कर लिया। मामला पीजीआइ थानाक्षेत्र मामला है। यहां वृंदावन इलाके की निवासी सीमा पाल की गांधी नगर निवासी अनिल पाल उर्फ बबलू से 13 मई 2019 को हुई थी। मृतका सीमा की मां के मुताबिक शादी के बाद से ही 8 माह से गर्भवती बेटी सीमा को दहेज में दो लाख रुपये के लिए सुसरालीजन प्रताड़ित कर रहे थे। बेटी को खाना देना भी बंद कर दिया गया। साथ ही बेटी के गर्भ में लड़की होने का हवाला देते हुए दामाद ने चिकित्सा संबंधी उपचार से भी इन्कार कर दिया। सोमवार सुबह फोन कर बेटी के ससुरालियों ने बेटी के मौत की खबर दी। मृतका की मां ने दामाद अनिल पाल ससुर हरि प्रसाद पाल सास व देवर राजीव पाल प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने मामले में मृतका के पति व ससुर को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतका की मां ने लगाया पुलिस पर आरोप

मृतका सीमा ने रविवार को पीजीआइ थाने मदद की गुहार लगाई थी। मृतका की मां का आरोप है कि अगर पुलिस ने वक्त रहते मामले का संज्ञान लेते हुए कोई ठोस कदम उठाया होता तो बेटी आज जिंदा होती।

निराश्रित गोवंशों को अलाव दे रहे सहारा

मोहनलालगंज। बर्फीली ठंड से तड़पते निराश्रित गोवंश को अलाव से राहत देने की मुहिम ने रफ्तार पकड़ ली है। मीरखनगर और कांटा-करौंदी के बाद सोमवार को शिवढ़रा और सिसेण्डी में भी गोवंश आश्रय केन्द्र पर लकड़ियां गिराकर अलाव की व्यवस्था कराई गई । लिहाजा अलाव जलते ही ठण्ड से ठिठुर रहे बेजुबान उसके चारो तरफघेरकर खड़े नजर आए। उधर ठंड से लगातार दम तोड़ रहे गोवंश को बचाने के लिए अधिकारियो ने स्वयं निगरानी का जिम्मा संभाल लिया है । सोमवार को बीडीओ भोलानाथ कनौजिया ने सुबह से ही परेहटा, खुझौली, गढ़ा, उतरावां एकमालपुर बिचलिका समेत कई निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्रो का दौरा कर गोवंश को ठण्ड से बचाव के लिए किए जा रहे उपायो का जायजा लेकर फ्ट रहे तिरपालो को अविलम्ब बदलने और देर रात तक अलाव जलाए रखने की सख्त हिदायत दी।

भाजपा विधायक की अनियंत्रित कार ने कई गाड़ियों में मारी टक्कर

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित तेलीबाग बाजार में सोमवार की दोपहर बाद हजरतगंज जाते समय बीजेपी विधायक की अनियंत्रित फार्च्यूनर कार आगे चल रही कार से टक्कर मार दी। जिससे आगे चल रही और गाडियां आपस में टकरा गईं। टक्कर देख वहां राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। देखते ही देखते लम्बा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाम छुड़ाते हुए विधायक और अन्य वाहन चालकों के बीच समझौता कराकर मामला रफा-दफा कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक बांदा जनपद के बबेरु विधानसभा के बीजेपी के विधायक चन्द्रपाल कुशवाहा अपनी फॉर्च्यूनर कार (यूपी-32 जेआर-2641)से हजरतगंज जा रहे थे। तेलीबाग बाजार में अचानक आगे चल रही वैगनार कार (यूपी-78 बीजेड-7725)में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे आगे चल रही गाड़ियां आपस में टकरा गई और विधायक बाल-बाल बच गये। इस दौरान तेलीबाग हनुमान मन्दिर से लेकर शनिदेव चौराहे तक लम्बा जाम लग गया था।

प्रापर्टी डीलर हत्याकांड में लापरवाही उजागर, इंस्पेक्टर पीजीआई सस्पेंड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के पीजीआई इलाके में हुई प्रापर्टी डीलर प्रह्लाद पटेल की हत्या के मामले में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सरोज को कप्तान कलानिधि नैथानी ने किरकिरी होने पर सोमवार शाम निलम्बित कर दिया। यही नहीं चौकी इंचार्ज तेलीबाग आशुतोष पाण्डेय को लाइन हाजिर किया। पीजीआई कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक क्राइम ब्रांच में तैनात इंस्पेक्टर अंजनी कुमार पाण्डेय को बनाया है। यहीं नहीं उपनिरीक्षक महेश कुमार दुबे, अमित कुमार सिंह, वैभव कुमार सिंह, गीता सिंह, रविन्द्रनाथ व रमेश चन्द्र पाण्डेय की तैनाती की गयी है।

नाराज अधिवक्ताओं ने की हड़ताल

संवाददाता। मोहनलालगंज

अधिवक्ता और उनके परिजनों की लगातार हो रही हत्याओं से नाराज मोहनलालगंज बार एसोसिएशन ने सोमवार को कलमबन्द हड़ताल की। इस दौरान कोर्ट के कामकाज के अतिरिक्त रजिस्ट्री का कार्य भी ठप रहा। मोहनलालगंज तहसील में सोमवार को बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह चौहान और महामंत्री देवेश सिंह की अगुवाई में अधिवक्ताओ ने पीजीआई थानाक्षेत्र में अधिवक्ता पति की हत्या पर कड़ा आक्रोश जताया । बार भवन में बैठक कर रहे मोहनलालगंज के अधिवक्ताओं ने लगातार हो रही इस तरह की वारदातों की कड़े शब्दों में निन्दा कर पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी पर सवाल उठाए। विरोध जता रहे मोहनलालगंज के अधिवक्ताओ ने एक दिवसीय कलमबन्द हड़ताल का फैसला लेकर रजिस्ट्री का कामकाज भी नहीं किया।

हिस्ट्रीशीटर ने युवक को पीटा, एसएसपी की फटकार के बाद मुकदमा दर्ज

● एसएसआई की मिलीभगत से पीड़ित को बेहोशी की हालत में थाने में भी बंद करवाने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव इलाके के रहने वाले एक युवक ने चिन्हित भू.माफिया व हिस्ट्रीशीटर दोस्त मोहम्मद व उनके बेटे पर पुरानी रंजिश के चलते खंभा पकड़ा कर पीटने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप यह भी है कि बेहोशी की हालत में थाने ले जाने पर एसएसआई ने भी आरोपित का ही पक्ष लेते हुए उल्टे पीड़ित को ही लॉकअप में डाल दिया। रात भर लॉकअप में रहने के बाद अगले दिन उसके विरुद्ध शांतिभंग की कार्रवाई की गई। पीड़ित ने सोमवार को एसएसपी कलानिधि नैथानी से मिलकर गुहार लगाई। जिसके बाद एसएसपी ने इंस्पेक्टर मड़ियांव को फोन पर फटकार लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए।

मड़ियांव के बड़ा खोदान रहीमनगर डुड़ौली निवासी मो जमील के मुताबिक मोहिबुल्लापुर निवासी दोस्त मोहम्मद से उसकी पुरानी रंजिश है। दोस्त मोहम्मद मड़ियांव का हिस्ट्रीशीटर होने के साथ ही चिन्हित भू माफिया भी है। मो. जमील के मुताबिक 26 दिसंबर की रात करीब 9 बजे वह अपने घर जा रहा था। तभी बड़ा खोदान के आस आरोपित दोस्त मोहम्मद अपने बेटे गौस मोहम्मद व जहीर जुनैद समेत करीब 10 अज्ञात लोगों के साथ उसे रोक लिया और अपनी कार का शीशा तोड़ने का झूठा आरोप लगाते हुए गालीगलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपितों ने उसके सीने को खंभे से सटाकर कर दो लोगों ने उसके हाथ पकड़ लिए। इसके बाद दोस्त मोहम्मद व उनके बेटे समेत अन्य ने लोहे के रॉड व डंडों से उसकी जमकर पिटाई कर दी।

बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग निकले आरोपित: पीड़ित ने बताया कि उसके बेहोश होने पर आरोपित भाग निकले। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे परिवारीजन उसे लेकर मड़ियांव थाने गए। जहां आरोप है कि एसएसआई मो अहमद सिद्दीकी ने आरोपित का पक्ष लेते हुए पीड़ित की तहरीर फाड़ दी। इतना ही नहीं घायल का मेडिकल करवाने के बजाय उसे लॉकअप में डाल दिया गया। रात भर लॉकअप में रहने के बाद अगले दिन पीड़ित कोर्ट से निजी मुचलके पर छूटा।

एटीएम से चोर उड़ा ले गए बीस हजार की नकदी

लखनऊ। राजधानी पुलिस जहां एक तरफ बैंकों की चेकिंग के नाम पर फोटो खिंचवाती घूम रही है। वहीं दूसरी ओर बदमाश घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। एक ऐसा ही मामला कृष्णानगर थाना क्षेत्र का है। जहां बेखौफ हुए चोरों ने रात के अंधेरे में यूको बैंक परिसर में लगे एटीएम की कैश प्लेट को तोड़कर उसमें से लगभग 20 हजार की नकदी उड़ा ले गए। जिसकी जानकारी लगते ही बैंक मैनेजर ने पुलिस को सूचना देकर मुकदमा दर्ज कराया है। एसएसपी लखनऊ कलानिधि नैथानी के निर्देशानुशार आए दिन बैंकों के अंदर और बाहर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके बावजूद चोर पुलिस के अभियान का चुनौती दे रहे हैं। बीती रात यूको एटीएम को चोरों अपना निशाना बनाया और उसमें से लगभग 20,000 रुपए लेकर चोर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी की मदद से चोरों की तलाश कर रही है।

मृतक के परिजनों ने किया चिनहट थाने का घेराव, मुआवजे की मांग

● मछली विक्रेता की हत्या का मामला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीते रविवार को चिनहट तिराहा मछली मण्डी मल्हौर के पास मछली विक्रेता राकेश कश्यप की हत्या से नाराज परिनजों व स्थानीय निवासियों ने शव रखकर चिनहट थाने का घेराव किया। पुलिस की लापरवाही को लेकर जमकर नारेबाजी की और गिरफ्तार आरोपी का उनके हवाले करने समेत 50 लाख रुपए मुआवजा दिए जाने की मांग की। थाने के घेराव व प्रदर्शन की सूचना पाकर एसडीएम सदर सूर्यकांत त्रिपाठी, सीओ गोमतीनगर संतोष सिंह, पीएसी के जवान, कई थानों की पुलिस, स्थानीय पार्षद के पति अरूण राय समेत कई क्षेत्रीय व्यापारी, मछली व्यापारी, मुर्गा व्यापारी मौके पर पहुंचे। घंटो चले प्रदर्शन के बाद एसडीएम सदर सूर्यकांत त्रिपाठी के आश्वासन के बाद भी परिजन शांत नहीं हुए। इसके बाद स्थानीय नेताओं की मदद से एसडीएम सदर ने परिजनों को मुआवजा दिलाने व उनके साथ न्याय का भरोसा दिलाकर उन्हें शांत कराया। इस दौरान भीड़ का तितर-वितर करने के लिए पुलिसकर्मियों को हल्का-फुलका बल प्रयोग करना पड़ा।

दोपहर बाद बुद्धविहार कस्बा चिनहट निवासी निवासी मृतक 45 वर्षीय राकेश कश्यप का शव जब घर पहुंचा तो इस बीच सैकड़ों की संख्या में लोग घर पर मौजूद थे। शव देखते ही पत्नी मंजू कश्यप, बेटा शिवा व करन समेत स्थानीय निवासी भड़क उठे। उसके बाद सैकड़ों की संख्या में परिजन व स्थानीय निवासी चिनहट थाने का घेराव करने पहुंच गए। सैकड़ो की संख्या में महिलाएं व पुरूष नारेबाजी करने लगे। देखते देखते वहां हजारों की भीड़ जमा हो गई। घेराव प्रदर्शन देख पुलिस के हाथ-पांव फुल गए। सूचना मिलते ही एसडीएम सदर सूर्यकांत त्रिपाठी, सीओ गोमतीनगर संतोष कुमार सिंह, तीन थानों की पुलिस और पीएसी के जवान वहां पहुंच गए। काफी देर तक पुलिसकर्मियों व स्थानीय निवासियों के बीच गहमागहमी रही। इसी बीच पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। किसी तरह से पुलिस ने भीड़ का तितर-बितर किया। उसके बाद भी लोग नहीं माने। इसके बाद पार्षद पति अरूण राय, एसडीएम सदर सूर्यकांत त्रिपाठी के आशवासन पर परिजन शांत हुए। एसडीएम ने परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी मांग वह शासन स्तर पर पहुचाएंगे। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कराया गया। ज्ञात हो कि बीते रविवार को मछली विक्रेता राकेश कश्यम की मछली मण्डी मल्हौर रोड़ के पास झारखण्ड निवासी नवीन कुम्भकार ने धारदार हथियार से गर्दन रेत दिया था। नवीन की मृतक राकेश कश्यप से मछली खरीदने को लेकर कहासुनी हुई थी। उसके बाद वह वहां से चला गया। थोड़ी देर बाद आया और धारदार चाकू से पीछे से गर्दन रेत दिया। जिससे इलाज के दौरान राकेश कश्यप की मौत हो गई।

लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश

कुप्रशासन — प्रदेश को भ्रष्टाचार/कुप्रशासन मुक्त बनाने हेतु जनता से अपील — भ्रष्टाचार

मंत्रियों, विधायकों व अन्य लोकसेवकों के विरूद्ध भ्रष्टाचार, पद के दुरूपयोग व कुप्रशासन के सम्बन्ध में प्राप्त होने वाले परिवादों (अभिकथन/शिकायत) को ग्रहण करके लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के द्वारा उसका निराकरण कराते हुए उत्तरदायी मंत्रियों, विधायकों और लोकसेवकों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु संस्तुतियाँ सक्षम प्राधिकारी (मुख्यमंत्री/मुख्य सचिव) को प्रेषित की जाती है और वार्षिक प्रतिवेदन माननीय श्री राज्यपाल को प्रस्तुत किया जाता है।

अधिकारिता

उत्तर प्रदेश शासन के समस्त विभाग, सरकारी कम्पनियाँ, सहायक सरकारी कम्पनियाँ, निगम, सोसाइटीज व परिषदें (जो अधिसूचित की गई हों) से संबंधित परिवादों (अभिकथन/शिकायत) के मामलें तथा सेवानिवृत्त देयकों के भुगतान, मृतक आश्रित सेवायोजन, विकास प्राधिकरण एवं आवास विकास परिषद, निराश्रित एवं वृद्ध महिलाओं के पेंशन, अनुसूचित जाति व जनजातियों के आरक्षण (सेवा) संबंधी मामलें।

उत्तर प्रदेश राज्य के समस्त अधिकारीगण (धारा-22 में वर्णित न्यायाधीश/न्यायिक अधिकारी, महालेखाकार आदि को छोड़कर) एवं कर्मचारियों के साथ-साथ मंत्रीगण (मुख्यमंत्री को छोड़कर), विधायक, विधान परिषद सदस्य, महापौर महापालिका, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों तथा अध्यक्ष, जिला पंचायत (ग्राम प्रधान को छोड़कर) भी सम्मिलित हैं के विरूद्ध परिवाद (अभिकथन/शिकायत)। शासकीय लोक सेवकों के सेवानिवृत्त/सेवाकाल में मृत्यु से संबंधित देयकों के प्रकरण से संबंधित परिवाद जो कि शिकायत की श्रेणी में आते हैं प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

अभिकथन/शिकायत की प्रक्रिया

प्रदेश के लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त को अभिकथन तथा शिकायत सम्बन्धी परिवाद निर्धारित प्रपत्र पर तीन प्रतियों में (यथासंभव राजभाषा हिन्दी में) टंकित कराकर धारा-9(2) के अनुसार नोटरी शपथ पत्र एवं धारा-9(3) के अनुसार परिवाद, शपथ पत्र, संलग्नक/अनुलग्नक का सत्यापन परिवादी स्वयं के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करके एवं अभिकथन रूपी परिवादों में रू 2,000/- प्रतिभूति निर्धारित लेखा शीर्षक "8443 सिविल निक्षेप-00-103 प्रतिभूति निक्षेप-00-00" के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक अथवा कोषागार में चालान के माध्यम से जमा करके मूलप्रति सहित प्रस्तुत किया जा सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि प्राप्त परिवाद मिथ्या/फर्जी पाया जाता हैं तो ऐसे परिवादियों पर माननीय लोक आयुक्त द्वारा रू 50,000/- तक की धनराशि का हर्जाना लगाया जा सकता है एवं प्रतिभूति की धनराशि जब्त की जा सकती है।

नोट- राज्य सरकार द्वारा ई-पेमेन्ट से भुगतान किये जाने के कारण, परिवादी अपना राष्ट्रीयकृत बैंक का बचत खाता संख्या, बैंक व शाखा का नाम, जिला एवं आई0एफ0एस0सी0 कोड के साथ-साथ पासबुक की स्वप्रमाणित छायाप्रति, परिवाद दाखिल करते समय प्रतिभूति की धनराशि के मूल चालान के साथ उपलब्ध करायेंगे तभी उनको प्रतिभूति की धनराशि वापस किया जाना सम्भव होगा। परिवादी को अपना पूरा नाम, पता, मोबाइल नम्बर/ई-मेल के साथ अंकित करना चाहिए।

वर्तमान पता-टी0सी0-46/वी-1 विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 अथवा
पोस्ट बाक्स नम्बर-172, जी0पी0ओ0, लखनऊ, फैक्स नं0 - (0522) 2306647
फोन नं0 - (0522) 2728660, 2306717, 2728865, 2306088, 2306160 (पी0बी0 एक्स), 2306412
Web site - www.lokayukta.up.nic.in, E-mail :- lokayukta@hotmail.com

सचिव, लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पूर्व कांग्रेस विधायक के बेटे ने गोली मारकर की खुदकुशी

संवाददाता। ऊंचाहार

पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता कुँवर अजय पाल सिंह के बेटे और अरखा राजघराने इकलौते चिराग अर्णोराज सिंह (24) खुद को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम कराया है। ऊंचाहार क्षेत्र के अरखा गाँव निवासी पूर्व विधायक ने मामले की सूचना कोतवाली मे दी है जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। घटना रविवार रात करीब साढ़े बारह बजे की बताई जाती है। अरखा स्थित उनके आवास पर कांग्रेस नेता के बेटे ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर को उस समय अपने कब्जे मे ले लिया जब उनके पिता बाथरूम गए हुए थे उसने अपनी दायीं कनपटी पर गोली मार ली। फायर की आवाज सुनकर सो रहे परिजनो की आंख खुली और दौड़कर कमरे मे पहुंचे तो अर्णोराज सिंह खून से लथपथ पड़े हुए थे। तुरंत उनको सीएचसी लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनको जिला अस्पताल रेफर किया गया। परिजन उनको लेकर लखनऊ जा रहे थे लेकिन रास्ते मे उनकी मौत हो गयी। उसके बाद परिजन शव लेकर अरखा गांव लौट आए। सोमवार की सुबह जब यह खबर क्षेत्र मे फैली तो अरखा गांव मे हजारो की भीड़ जमा हो गयी। घटना की जानकारी होते ही कोठी में लोगो का तांता लग गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वही फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का मुआयना किया। पोस्टमार्टम के बाद शाम को शव को क्षेत्र के कोटरा बहादुर गंज गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इस बावत कोतवाल धर्मेंद्र दुबे ने दी गई तहरीर में घटना का कारण अवसादग्रस्त होना बताया है। कुंवर अर्णोराज सिंह घटना से एक दिन पूर्व ही बेशकीमती गाड़ी लेकर आये थे। बताया जाता है की ऐसी गाड़ियों का शौक था उन्हे। गाड़ी लेकर आने के बाद बदस्तूर पाठ्य पूजन किया गया लेकिन किसे पता था की अगले ही दिन कुंवर अपनों से ही सदा के लिये सो जाएंगे। विधायक के पुत्र की मौत की सूचना पर क्षेत्र मे शोक की लहर दौड़ पडी। उनके अंतिम संस्कार मे रघुराज प्रताप सिह उर्फ राजा भइया (सरेनी विधायक) व पूर्व विधायक समेत कई जनप्रतिनिध मौजूद थे ।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत, बेटा गंभीर

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

दुनियां किस्मत और खुदा दुश्मन हो जाए..तो परिणाम किस कदर भयानक हो सकते हैं इसका उदाहरण डलमऊ मोहल्ला खटीकाना कोतवाली के पास रहने वाले महबूब घोसी पर गुजरी है जिनके ऊपर कुदरत ने अपना कहर बरपाया है। गरीबी और मुफलिसी के बीच पूरा जीवन गुजारने वाले महबूब को जब बेटे और घर का सुख मिलने का समय आया तो ऊपर वाले ने अपना कहर ढा दिया। एक दिसम्बर को बेटे की शादी मे उत्सव मनाने वाले महबूब को क्या पता था एक महीने मे ही परिवार की खुशियों पर ग्रहण लग जाएगा। मामला डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के घोसियाना मोहल्ले की है जहां मजदूरी कर गुजर बसर करने वाले एक परिवार के दो सदस्य की मौत हो चुकी और तीसरा जिन्दगी और मौत के बीच फंसा हुआ है। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका. मामला डलमऊ कोतवाली का है जहां बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में सास-बहू की बंद कमरे में मौत हो गई वहीं बेटे की हालत गंभीर है। बाहर सो रहे महबूब की जब सुबह आँख खुली तो उसने पत्नी को जगाने के लिए दरवाजा खटखटाया नहीं खुलने पर महबूब नित्य क्रिया के लिए चला गया सोचा ठंड है सो रहे होंगे। लगभग एक बजे तक दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों ने आशंकाओं के बीच दरवाजे को तोड़ना शुरू कर दिया। दरवाजा तोड़कर देखा तो तीनों अचेत अवस्था में पड़े हुए थे। पड़ोसियों ने आनन-फानन सास बहू और बेटे को डलमऊ सीएचसी ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने सास बहू को मृत घोषित किया वहीं बेटे की हालत नाजुक होता देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के खटिकाना निवासिनी हसीना बानो (50) पत्नी महबूब, शब्बो बानो (25) पत्नी चांद व चांद (28) पुत्र महबूब रविवार की रात को सभी खाना पीना खाकर एक ही कमरे में सो गए थे। सोमवार को दोपहर तक जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया शोर-शराबे की आवाज सुनकर काफी लोग एकत्रित हो गए। किसी तरह कमरे का दरवाजा तोड़कर गंभीर अवस्था में सास बहू व बेटे को कमरे से बाहर निकाल कर आनन-फानन डलमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने सांस हसीना बानो बहू शब्बो को मृत घोषित किया। वही बेटे चांद की हालत नाजुक होता देख जिला अस्पताल पेपर कर दिया। जहां पर उसकी भी हालत लगातार नाजुक बनी हुई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। फिलहाल सास बहू की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई है कोतवाली पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। कोतवाली प्रभारी श्री राम ने बताया कि अभी तक इस घटना की किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं मिली है पोस्टमर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

गूढ़ा में गरीब, बेसहारा एवं वृद्धों को बांटे गए कम्बल

शिवगढ़ (रायबरेली)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत गूढ़ा में शासन की ओर से 15 गरीब बेसहारा, वृद्धों एवं जरूरतमंदों को कम्बल बांटे गए। तहसील प्रशासन की ओर से भेजे गए कम्बलों का वितरण कानूनगो व ग्राम प्रधान रामहेत रावत द्वारा किया गया। हांड़ कपाती ठंड में कम्बल पाकर गरीब,वृद्धों एवं असहायों के चेहरे खुशी खिल उठे। कम्बल पाकर ठंड से राहत महसूस करते हुए लाभार्थियों ने कानूनगो, प्रधान एवं शासन को खूब दुआएं दी। इस मौके पर ग्राम प्रधान रामहेत रावत ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की ओर से भेजे गए कम्बल लाभार्थियों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होंगे। इस मौके पर आशीष वर्मा,आशाराम वर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य अंकित सहित लोग मौजूद रहे।

पूर्व सीएमएस डॉ. शान्ती सिंह ने बरखापुर वार्ड में सैकड़ों गरीबों को कंबल बांटे

कम्बल पाकर खिल उठे जरूरमंदों के चेहरे

संवाददाता। रायबरेली

डॉ एसके मेमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में जिला महिला अस्पताल की पूर्व सीएमएस डॉ शान्ती सिंह ने बरखापुर वार्ड में सैकड़ों गरीबों को कंबल बांटे। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। सोसायटी द्वारा लगातार पिछले पंद्रह वर्षों से शहर में जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। सोसायटी की प्रमुख व जानी-मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शान्ती सिंह ने बताया कि हमारे आसपास बहुत से ऐसे गरीब व असहाय मिलेंगे जो भीषण ठंड में कांपते दिखेंगे। ऐसे लोगों को कड़कड़ाती ठंड से बचाने के लिए हमें सहयोग करना चाहिए। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी व जरूरतों के बीच किसी जरूरतमंद के लिए नेकी करना और उसका दुख- दर्द बांटना हमारे धर्म और संस्कृति का संदेश रहा है। उन्होंने कहा कि सोसायटी गरीबों व निराश्रितों की सेवा व सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगी। सोसायटी की स्थापना जिला अस्पताल के मशहूर बाल रोग विशेषज्ञ स्व. डॉ एस. के. सिंह की स्मृति में उनकी पत्नी डॉ शान्ती सिंह द्वारा की गई थी। कंबल वितरण कार्यक्रम में अजय कुमार मिश्र एडवोकेट, प्रेम नरायण मिश्र, दिवाकर सिंह, अमित कुमार सिंह, राममिलन, अंबुज आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रक ने मारी कार में टक्कर

खीरों, रायबरेली। थानाक्षेत्र के अंतर्गत खीरों-निहस्था संपर्क मार्ग पर किशुनखेड़ा के पास सीमेंट लदे तेज रफ्तार ट्रक ने एक अधिवक्ता की कार में जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार चालक अधिवक्ता हादसे में जख्मी हो गए। कार सवार उनके एक साथी बाल-बाल बचे। दुर्घटना के बाद लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पीआरवी 112 मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक व उसके चालक को हिरासत में ले लिया। मौके पर पहुंचे परिजन अधिवक्ता को इलाज के लिए सीएचसी ले गए। अधिवक्ता ने पुलिस को घटना की तहरीर दिया। न्यायालय उप जिलाधिकारी लालगंज में शासकीय अधिवक्ता का कार्य देख रहे शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी सुबह दस बजे के लगभग लालगंज जा रहे थे। खीरों-निहस्था संपर्क मार्ग पर किशुन खेड़ा के पास सामने से आ रहे सीमेंट लदे तेज रफ्तार ट्रक ने खाड़ेपुर बड़े नहर के पुल के पास कार में जोरदार टक्कर मार दिया। ट्रक की टक्कर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे। सूचना पर पहुंचे परिजन घायल अधिवक्ता को इलाज के लिए सीएचसी ले गए। कार पर सवार अधिवक्ता के साथी सर्वेश तिवारी बाल-बाल बचे। सूचना पर मौके पर पहुंची पीआरवी ने ट्रक व चालक को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। घायल अधिवक्ता ने पुलिस को घटना की तहरीर दिया। इंस्पेक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है, जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग महिला का शव सड़क पर पड़ा रहा

संवाददाता। ऊंचाहार

भीषण ठंड का शिकार एक दिव्यांग महिला हो गयी रात भर उसका शव सड़क पर पड़ा रहा मामले की जानकारी सुबह ग्रामीणो को हुई लेकिन महिला के शव का पोस्ट मार्टम नहीं कराया गया है । ऊंचाहार क्षेत्र के गाँव धौरहरा निवासी महिला रानी (35) पुत्री मंगल पटेल जन्म से दिव्यांग थी। उसकी शादी भी नहीं हुई थी। गांव मे वह अपनी बूढ़ी माँ पार्वती के साथ रहती थी। उसके पिता की मौत काफी पहले हो चुकी थी। वह मां-बाप की इकलौती संतान थी। ग्रामीण बताते है कि रविवार की शाम को वह गाँव से निकलकर रोहनिया ब्लाक मुख्यालय पर आयी थी शाम को किसी ने उसे बल्क परिसर मे लगे इंडिया मार्का हैंड पाइप मे पानी पीते देखा था। रोहनिया का ब्लाक मुख्यालय वीरान जगह पर बना हुआ है, इसलिए रात मे उस तरफ कोई आता जाता नहीं है। महिला के बारे मे किसी को कुछ भी पता नहीं था। रविवार की सुबह जब लोग ब्लाक मुख्यालय की ओर गए तो महिला का शव ब्लाक मुख्यालय के बाहर सड़क पर पड़ा हुआ था। महिला का शव देखकर क्षेत्र मे सनसनी फैल गयी। मामले की सूचना जिला पंचायत सदस्य श्रीराम पाल ने पुलिस वालेंटियर सोसल मीडिया ग्रुप मे दी। लकिन कोतवाली से मौके पर कोई नहीं पहुंचा। उसके बाद ग्रामीणो ने महिला के शव को उसके घर ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। ऊंचाहार के उपजिलाधिकारी केशव नाथ गुप्ता का कहना है कि मामले की उन्हे कोई जानकारी नहीं है क्षेत्रीय लेखपाल से रिपोर्ट मंगाई जाएगी।

नामजद अपराधी को भेजा जेल

लालगंज रायबरेली। लालगंज पुलिस ने धारा 376 के तहत दर्ज मुकदमा संख्या 580 के नामजद मुल्जिम को पकडकर जेल भेज दिया है।प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह ने बताया कि पूरे अचल सिंह मजरे देवगांव के राजकिशोर पुत्र महादेव के खिलाफथाना हाजा मे अपराध पंजीकृत था।अपराधी पुलिस से लुका छिपी कर रहा था।वर्तमान मे एसपी के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियो के खिलाफअभियान चलाया जा रहा है।मुखबिर खास की सूचना पर राजकिशोर को उसके गांव से ही पकडकर जेल भेज दिया गया है।साथ ही उसके खिलाफविधिक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

मकान की छत गिरी

महाराजगंज रायबरेली जानकारी के मुताबिक गांव निवासी शिवराम मौर्य की पत्नी संपति मौर्य 58 दोपहर बाद अपने कमरे में बैठकर खाना खा रही थी तभी कमरे की छत भहरा कर उसके ऊपर गिर पड़ी और वह मलबे में दब गई घर के मे मौजूद एक लडकी ने शोर मचाया तो आस पास पड़ोस के लोग मौके पर पहुचे और मलबा हटाकर घायल को बाहर निकाला तत्काल एंबुलेंस को सूचना भेज घायल संपति को सीएचसी पहुंचाया गया जहां डाक्टरो ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देखते हुए उसे रायबरेली जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया है पास पड़ोस के लोगों ने बताया

कर्मचारी करेंगे निगमीकरण का विरोध

संवाददाता। लालगंज रायबरेली

आधुनिक रेलकोच कारखाने के प्रस्तावित निगमीकरण के खिलाफ कर्मचारियों को आन्दोलन लगातार जारी है।स्थानीय स्तर से लेकर दिल्ली तक संघर्ष हो रहा है।रविवार की देर सायं रेलकोच के आवासीय परिसर मे बोलते हुये एमसीएफ बचाओ संयुक्त संघर्ष समिति के संयुक्त सचिव सुशील गुप्ता ने कहा कि इस समय पूरी भारतीय रेल में उथल पुथल मचा हुआ हैं।रेल कर्मचारी सड़कों पर हैं।देश भर में निगमीकरण का विरोध तेज हो गया हैं। हर जगह रेल कर्मचारियों मे गुस्सा हैं ,आक्रोश हैं।निगमीकरण के कारण नौकरी खतरे मे हैं। देश मे युवाओं का भविष्य असुरक्षित हैं देश की सम्पत्ति रेल को बेचा जा रहा हैं तो भला रेल कर्मचारी कहाँ जश्न मनायेंगे।संयोजक ऋतुराज शुक्ला ने कहा कि जिसका घर ही उजड़ रहा हो वो भला जश्न मानना तो दूर की बात हैं,इसके बारे मैं सोच भी नही सकता हैं।इसलिए इस बार संघर्ष समिति ने फैसला लिया हैं कि नये साल 2020 का जश्न नही मनायेंगे और एमसीएफ का निगमीकरण आखिरी सांस तक नही होने देंगे। संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी आदर्श सिंह बघेल ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ नए साल में पूरे देश मे निगमीकरण के खिलाफ3 जनवरी को चेतावनी दिवस मना रही है।वही एआईआरएफ ने भी नए साल में निगमीकरण एवम इंडियन रेलवे में हो रहे बदलाव के खिलाफ2 जनवरी से 7 जनवरी तक पूरे इंडियन रेलवे में विरोध सप्ताह मनाने का एलान किया है।एनएफआईआर ने भी नए साल में 8 से 10 जनवरी को पूरे इंडियन रेलवे में रेल बचाओ संगोष्ठी का ऐलान किया है । एसीएसटी के महामंत्री निर्मल देवनाथ ने कहा कि संयुक्त संघर्ष समिति के साथ साथ सभी यूनियन और एसोसिएशन ने फैसला लिया की इस बार कोई भी बैनर पोस्टर और होडिंग्स नव वर्ष मे नही लगायेंगे।संयुक्त संघर्ष समिति के सह कोषाध्यक्ष मनोज ओझा ने कहा कि लगेंगे तो सिर्फ निगमीकरण के विरोध के पोस्टर और और काले झंडे।संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी तेजपाल ने कहा कि हमारे एमसीएफके बहादुर साथियों और इंडियन रेल के कर्मचारियों तक अपनी बात पहुंचा कर अपील करूँगा कि वो भी नये साल का जश्न ना मनायें और हमारे आंदोलन को मजबूती प्रदान करें।कर्मचारी नेता मनोज साहू ने कहा कि मैं पूरे देश के रेल परिवार तक अपनी आवाज पहुंचा कर अपील करूँगा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में निगमीकरण के खिलाफ आवाज उठाये और पूरे देश के रेल कर्मचारी घर से निकले।साथ ही निगमीकरण का विरोध करे,नये साल का जश्न ना मनाये।इस अवसर पर रेलकोच के सैकडो कर्मचारी मौजूद रहे।

कूड़ा डंपिंग केंद्र का शुभारंभ

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

बछरावां में फायर ब्रिगेड स्टेशन के पास लालगंज रोड पर नगर पंचायत बछरावां के कूड़ा डंपिंग केंद्र का भूमि पूजन नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी व अधिशासी अधिकारी अजीत कुमार बागी के द्वारा संयुक्त रूप से संपन्न हुआ। इसके लिए शासन द्वारा पौने दो बीघा जमीन पूर्व में ही एलाट की गई थी। जिसको नगर पंचायत प्रशासन द्वारा हल्का लेखपाल से चिन्हित पूर्व में ही करा लिया गया था। उक्त कूड़ा डंपिंग केंद्र के लिए 33 लाख 67 हजार रुपए शासन द्वारा स्वीकृत हो चुके हैं। इस कूड़ा डंपिंग केंद्र में एमआरएफ मैटेरियल रिसाइकल फैकेल्टी द्वारा कूड़ा का निस्तारण किया जाएगा। जिसमें गीले कूड़े को कंपोस्ट खाद में परिवर्तित करके जमीन की उर्वरता बढ़ाने में प्रयोग किया जाएगा तथा ठोस सूखे कूड़े को अलग-अलग करके उपयोगी वस्तु में परिवर्तित किया जाएगा। वही अयोग्य सूखे कूड़े को बेचकर नगर पंचायत की आय में वृद्धि भी की जाएगी। वही इस संबंध में जब अधिशासी अधिकारी अजीत कुमार बागी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह कूड़ा डंपिंग केंद्र स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। यह भी बताया सार्वजनिक श्मशान की धनराशि भी स्वीकृत हो गई है शीघ्र ही उसका भी शुभारंभ किया जाएगा। वही इस संबंध में जब नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ राम जी से बात की गई तो उन्होंने बताया कूड़ा डंपिंग केंद्र से इधर-उधर कूड़ा नहीं जाएगा सीधे कूड़ा डंपिंग केंद्र में जाएगा। जिससे पर्यावरण प्रदूषित नहीं होगा। इस कूड़ा डंपिंग केंद्र के भूमि पूजन कार्यक्रम में नगर पंचायत बछरावां के वरिष्ठ लिपिक अशोक कुमार वर्मा सभासद सतीश कुमार व सभासद प्रतिनिधि ओम प्रकाश मन्सू धानुक, सौरभ कुमार, बंसी लाल, भिखारी लाल सहित समस्त नगर पंचायत बछरावां का स्टाफ उपस्थित रहा।

बन्जर भूमि पर हो रहा है अवैध कब्जा एवं निर्माण

लालगंज रायबरेली। लालगंज तहसील के सागरखेडा ग्राम पंचायत मे बंजर भूमि पर अवैद्य निर्माण कर सरकारी भूमि पर कब्जा किया जा रहा है।ग्रामीणो ने बताया कि पूरे बघरी मजरे सागरखेडा गांव मे भूमि संख्या 158 बन्जर दर्ज है जिसपर गांव के ही बृजमोहन त्रिवेदी निर्माण कर अपने कब्जे मे लेने के प्रयास मे जुटे हुये है।रविवार को उन्होने दस बिसवा बन्जर भूमि को ट्रैक्टर से जोतवाकर अपना हक जताने का प्रयास किया है।अब उसी भूमि पर निर्माण कर पूरी तरह सरकार की लाखों रूपये की जमीन कब्जाने के प्रयास मे लगे हुये है।उक्त लोगो ने पूर्व मे भी बन्जर जमीन पर कब्जा किया था।कोई कार्यवाही होने के चलते मनबढे लोगो ने फिर से बन्जर भूमि पर कब्जा करने का प्रयास शुरू कर दिया है,जबकि योगी सरकार के सख्त निर्देष हैकि तालाब और बन्जर भूमि पर किसी भी तरह का अवैद्य निर्माण न हो अन्यथा क्षेत्रीय लेखपाल की मिली भगत मानी जायेगी।ग्रामीणो ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बन्जर भूमि खाली कराये जाने की गुहार लगायी है।

गौरक्षा का लिया संकल्प, बछिया का किया निकासन, प्रीतिभोज का आयोजन

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

मानवीय दृष्टिकोण से सभी मनुष्य को गोसेवा करनी चाहिए क्योंकि सनातन संस्कृति के अनुसार गो, गंगा, गीता, गायत्री एवं गोपाल मनुष्य के प्राण है। इसलिए गोसेवा को ही नर सेवा माना गया है पर कुछ ऐसे लोग भी इस धरती पर हैं जो सेवा भाव को ही अपना धर्म समझते हुए गाय को अपने परिवार का एक सदस्य मानते हुए पूरे रीति-रिवाजों के साथ प्रसव के बाद निघासन संस्कार कर अपनी सेवा भाव को लोगों के सामने नजीर बनाकर पेश किया मामला ग्राम भीरा गोविन्द पुर के निवासी रमेश कुमार के घर का है जो की एक किसान है उन्होंने आज और पहले गो भक्ति की जो नजीर दुनिया के सामने रखी है वह महत्व की एक जीती जागती बानगी है जिसे सुनने वाला असहज हुए बिना नहीं रह सकता उनकी यह गौ माता से बछिया के जन्म उपरांत निकासन की व्यवस्था की जिसके बाकायदा अवसर पर प्रीत भोज का आयोजन किया ।हम सभी को गौ माता की सेवा भाव का रमेश कुमार जी से प्रेरणा लेनी चाहिए इस अवसर पर युवा समाजसेवी संजय शर्मा ने बताया कि हम लोगों ने ऐसी बातें कहीं सुनी थी पर प्रत्यक्ष प्रमाण देख कर आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा हम सभी लोग गौ रक्षक और गौ सेवा की वचनबद्धता के साथ ही प्रीतिभोज में शामिल हुए हैं एवं सभी लोग गौ रक्षा हेतु संकल्पित रहेंग

लावारिस बाइक में मिले देशी सुतली बम, मचा हड़कम्प

शिवगढ़(रायबरेली)। लावारिस बाइक में 2 देशी सुतली बम मिलने से गांव में हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक को अपने कब्जे में लेकर सुतली बमों को एकांत में बाल्टी के अंदर पानी में रखवा दिया है। जिसकी जांच के लिए बम निरोधक टीम बुलाई गई है। मामला शिवगढ़ थाना क्षेत्र के सूरजपुर गांव का है जहां रविवार को पूर्वाह्न 11 से देर रात तक लावारिस बाइक को खड़ी देखकर ग्रामीणों ने डायल 112 पुलिस एवं शिवगढ़ पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची पीआरवी 1750 एवं शिवगढ़ पुलिस ने पहुंचकर लावारिस बाइक की तलाशी ली तो बाइक में लगे डिग्गी बैग में 2 देशी सुतली बम मिले जिसकी खबर से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। रात में ही पुलिस ने बाइक को अपने कब्जे में ले लिया वहीं थाना परिसर के अंदर एकांत में बाल्टी के अंदर पानी में देशी सुतली बमों को रखवा दिया है। वहीं पुलिस बाइक मालिक का पता लगाने में जुड़ गई है। शिवगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार विद्यार्थी का कहना है कि बम निरोधक दस्ता बुलाया गया है जिसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

शार्ट सर्किट से हॉस्पिटल में लगी आग में फंसे मरीज मौत के मुंह से निकले

संवाददाता। शुक्लागंज,उन्नाव

● अस्पताल में मौजूद लगभग आधा सैकड़ा लोगों को मौत का मुंह दिखा गई रविवार की शाम ●कोतवाल गंगाघाट की लापरवाही, घटना के आधे घण्टे बाद पहुंचे ●पौन घंटे बाद आग बुझाने पहुंचे दमकल वाहन में नही था पानी ●सात नवजातों की जिंदगी खतरे से बाहर जच्चा भी सुरक्षित

नगर के राजधानी मार्ग स्थित सुषमा हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना रविवार देर शाम आठ बजे की है। आग की लपटों को देख अस्पताल व आसपास हड़कम्प मच गया। आग लगने से अस्पताल परिसर में धुंए का गुबार भर गया। जिससे वहां मौजूद मरीजों व उनके तीमारदारों का दम घुटने लगा। अस्पताल का स्टाफ मरीज व उनके तीमारदारो ने चिल्लाना शुरू कर दिया। लोगो ने गंगाघाट पुलिस को सूचना दी, लेकिन कुछ देर फोन नही उठा। सूचना देने के बाद भी गंगाघाट कोतवाल आधे घण्टे तक मौके पर नही पहुंचे। जिसके बाद राहगीरों व आसपास के दुकानदारों ने हिम्मत दिखाते हुए अस्पताल के शीशे तोड़ दिए और अंदर घुस गए, जिसके बाद आग पर पानी डालकर व कड़ी मशक्कत करने के बाद मरीजो व उनके तीमारदारों को बाहर निकाला। मरीजों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। हालांकि कोई भी मरीज हताहत नही हुआ है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक विक्रान्तवीर सिंह, एडीएम राकेश सिंह समेत सीओ सिटी यादवेंद्र यादव भारी पुलिस बल के साथ पहुंच गए। रविवार की रात नगर के सुषमा हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम में भर्ती मरीजों को मौत का चेहरा दिखाते हुए निकल गई। देर शाम 8 बजे अस्पताल के बेसमेंट में मौजूद इलेक्ट्रिक बॉक्स में शॉट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगने की भनक किसी को भी न हुई। थोड़ी देर में ही आग ने भयंकर रूप ले लिया और आग का धुआं अस्पताल परिसर में फैलने लगा। देखते देखते आग से उठे धुएं के गुबार ने पूरे अस्पताल परिसर को अपनी आगोश में ले लिया। अस्पताल में मौजूद बारह लोगो का स्टाफ समेत भर्ती आठ मरीजो व उनके तीमारदारों में हड़कम्प मच गया। सभी का दम घुटने लगा। शोर शराबे के सुनकर अस्पताल के आसपास के दुकानदार व राहगीर अस्पताल पहुंचे, तो उनमें से एक दुकानदार ने हिम्मत जुटाई और शीशा तोड़ अंदर घुस गया, जिसके बाद उसे देखते हुए कुछ लोग अंदर गए। कड़ी मशक्कत के बाद लगभग एक घण्टे में लोगो ने आग बुझाई। आनन फानन में लोगो ने सूझबूझ दिखाते हुए मरीजो, उनके बच्चो, तीमारदारों को बाहर निकाला। जिसके बाद अस्पताल के स्टाफ ने मरीजो को पास के निजी अस्पतालों में भर्ती करना शुरू कर दिया। लोगो ने आग लगने की सूचना गंगाघाट पुलिस को दी, जिसके आधे घण्टे बाद तक पुलिस नही पहुची। अस्पताल के तीसरी मंजिल पर अस्पताल के मालिक ओपी आर्या अपनी पत्नी डॉक्टर सुषमा आर्या, बेटे ऋषु व खाना बनाने वाली मीरा के साथ फंसे थे। आग लगने की सूचना पर पौन घण्टे की देरी से पहुचे दमकल वाहन को जब आग बुझाने के लिए खोला गया तो उसमें पानी ही न निकला , जिसके बाद दूसरा दमकल वाहन पहुचने के बाद जब बची हुई आग व धुएं को पूरी तरह से बुझाया गया तो तीसरी मंजिल पर फंसे अस्पताल संचालक को भी बाहर निकाला गया। आग लगने की सूचना पर एसपी, एडीएम, सीओ सिटी, उन्नाव कोतवाल दिनेश चंद्र मिश्रा समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुच गया। जहां अस्पताल के अंदर जाकर मामले की पड़ताल की। अस्पताल खाली कराने के बाद उसे बन्द कर दिया गया।

दिव्यांग विवि बनाकर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने किया सराहनीय कार्यः योगी

● प्रतिभा के विकास में बाधक नहीं बन सकती दिव्यांगताः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी का स्वागत करते जगदगुरू रामभद्राचार्य व अभिनंदन करते रामचंद्रदास।

चित्रकूट। धर्म नगरी चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा स्थापित विश्व के प्रथम दिव्यांग विवि जेआरएचयू के अष्टम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रहे उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान श्रीराम की तपोभूमि एवं आदिकाल से ऋषि मुनियो की साधना स्थली रही चित्रकूट की अपनी अलग ही महिमा है। इसी पावन भूमि से ही भगवान श्रीराम का का संकल्प साकार हुआ था। उन्होंने कहा कि देश -दुनिया के दिव्यांगों के अँधेरे जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए दिव्यांग विवि स्थापित करना अत्यंत सराहनीय कार्य है। जल्द ही विवि को प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांग जन कल्याण विभाग से जोड़ा जायेगा। निरन्तर आर्थिक सहायता मिलती रहे और जगद्गुरु की मंशानुरूप दिव्यांगों के शिक्षण कार्य में कोई बाधा नही आयेगी। देश-विदेश में रामकथा कर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने यह साबित कर दिया है कि दिव्यांगता कभी प्रतिभा के विकास में बाधक नही बन सकती।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के अष्टम दीक्षांत समारोह में शिरकत करने आये उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टॉपर छात्र -छात्राओं को उपाधियाँ वितरित करते हुए कहा कि आज का दिन बड़ा ही सौभाग्यशाली दिन कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टकोण से दुनिया में महत्वपूर्ण धर्म नगरी चित्रकूट आने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि संत लोक कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करता है। दुनिया में लोग केवल अपने और अपने परिवार के बारे में सोचते है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने दुनिया के लाखो दिव्यांगों के बारे में सोचा। दिव्यांगों के उत्थान के लिए विश्वविद्यालय स्थापित कर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने यह साबित करके दिखा दिया है। व्यक्तित्व और कृतित्व के माध्यम से जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने यह दिखा दिया है कि दिव्यांगता कभी प्रतिभा के विकास में रोड़ा नहीं बन सकती है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विवि दुनिया का सर्वोच्च शिक्षण संस्थान बने इसके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार हर संभव सहयोग करेगी। जगद्गुरु रामभद्राचार्य की परिकल्पना को साकार करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि जल्द ही इस विवि को दिव्यांग जन कल्याण विभाग से जोड़कर प्रति वर्ष आर्थिक सहायता दिलाने की व्यवस्था की जायेगी। जिससे दिव्यांगों के शिक्षण में किसी प्रकार की बाधा नहीं होगी। जगद्गुरु रामभद्राचार्य जैसे तपस्वी संत के सानिध्य में अध्ययन और अध्यापन कार्य करना बड़ा ही शौभाग्य का विषय है। मौसम की खराबी के कारण केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दीक्षांत समारोह में नहीं पाये। लेकिन उनका और केंद्र सरकार का सहयोग हमेशा इस दिव्यांग विश्वविद्यालय के उत्थान में रहेगा। विलक्षण प्रतिभाओ को देखा कर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांग शब्द को बदलकर दिव्यांग किया था। इसके अलावा सरकारी सेवा में भी दिव्यांगों को सामान भागेदारी देने का सराहनीय कार्य केंद्र की मोदी सरकार ने ही किया है। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु ने कभी अपनी चिंता नहीं की।

सस्ते दर पर सामान पाने की लालसा में गंवाए तीन लाख 70 हजार

बस्ती। सस्ते दर पर सामान पाने की लालसा में एक व्यक्ति ने तीन लाख 70 हजार रूपए गवां दिए। जालसाजो ने झांसा देकर अपने खाते में रूपए डलवा लिए, लेकिन जब सामान आपूर्ति करने की बारी आई तो आनाकानी करने लगे। धोखाधड़ी से रूपया हड़प लेने के मामले में कार्रवाई के लिए पीड़ित ने कोतवाली थाना की शरण ली। तीन के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का मुकदमा दर्ज किया है और विवेचना कर रही है। कोतवाली थाना क्षेत्र के खीरीघाट कौशल नगर निवासी अष्टभुजा श्रीवास्तव का आरोप है कि आजमगढ़ जनपद के सिधारी निवासी वीरेन्द्र कुमार, गोरखपुर जनपद निवासी अजय श्रीवास्तव, बस्ती कोतवाली के मड़वानगर ब्लाक रोड निवासी मुकेश आनन्द ने उसे विश्वास में लेकर षड़यंत्र किया। फर्म के माध्यम से सस्ते दर पर माल दिलाने के नाम पर तीन लाख 70 हजार रूपए अपने खाते में डलवा लिया और जब व्यापार के लिए आर्डर किए गए सामान की मांग की तो देने में आनाकानी कर रहे हैं।

जीआईसी ग्राउण्ड में झोपड़ी डाल बना लिया आशियाना, करने लगे खेती

● बस्ती महोत्सव के लिए परिसर का जायजा लेने पहुंचे डीएम तब हुआ खुलासा ●प्रधानाचार्य नहीं दे पाए कोई माकूल जवाब ●झोपड़ियों को हटवाने का दिया निर्देश

बस्ती। राजकीय इंटर कालेज परिसर में अवैध रूप से कुछ लोगो ने न केवल झोपड़ी डाल कर आशियाना बना लिया बल्कि कालेज की जमीन में खेती भी करने लगे। यह सब कुछ हो गया और जीआईसी के प्रिंसिपल को पता ही नहीं चला, न ही उनके द्वारा प्रशासन को इस बात की जानकारी ही दी गई। इसका खुलासा तब हुआ जब बस्ती महोत्सव कार्यक्रम के लिए डीएम आशुतोष निरंजन ने अधिकारियों के साथ जीआईसी ग्राउण्ड का निरीक्षण किया। वे इसे देख दंग रह गए। प्रधानाचार्य से पूछतांछ किया लेकिन वे इसका कोई माकूल जवाब नहीं दे पाए। एसडीएम सदर और प्रधानाचार्य को अवैध रूप से इंटर कालेज परिसर की जमीन पर बनी झोपड़ियों को तत्काल हटवाए जाने का निर्देश दिया। 'एक बस्ती श्रेष्ठ बस्ती' लोगों के साथ बस्ती महोत्सव 2020 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए डीएम कार्यक्रम स्थल जीआईसी ग्राउण्ड पहुंचे तो उन्हे कुछ लोगो द्वारा झोपड़ी डालकर रहने और खेती करने की जानकारी हुई। इससे पूर्व जीआईसी के प्रिंसिपल द्वारा इसकी कोई सूचना नहीं दी गई। महोत्सव के दौरान काफी भीड़ होने की सम्भावना को देखते हुए चहारदीवारी तोड़कर एक नया गेट लगवाने का निर्देश दिया। कहा एक गेट प्रवेश द्वार, दूसरा गेट निकास होगा। वाहन पार्किंग के लिए पुराने स्थल को ही चिन्हित किया गया। मुख्य मंच का भी मरम्मत कराने का निर्देश दिया। मुख्य पण्डाल के अलावा विभागों के प्रदर्शनी स्थल, पार्किंग एवं अन्य स्थलों का स्थान निर्धारण करने के बारे में अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान सीडीओ अरविन्द पाण्डेय, एडीएम रमेश चन्द्र, एसडीएम सदर श्रीप्रकाश शुक्ल व अन्य मौजूद रहें।

शिक्षक पर दबंगों ने किया हमला

करनैलगंज-गोंडा। अपने घर से विद्यालय जा रहे एक जूनियर हाई स्कूल के शिक्षक पर गांव के दबंग लोगों द्वारा हमला किए जाने के मामले में पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी सामने आ गए हैं। संघ के शिक्षकों ने शिक्षक पर हमला करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। थाना परसपुर क्षेत्र के ग्राम पूरे अजब निवासी शिक्षक जय प्रकाश पांडेय अपने विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरैया जा रहे थे। उसी बीच गांव के कुछ लोग नई पटाई गई सड़क को काटकर अपने खेत में मिला रहे थे। तथा मौके पर मौजूद उनके चाचा नर्सिंग पांडेय ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उनसे विवाद करने पर अड़ गए। उसी बीच शिक्षक जयप्रकाश ने दोनों का बीच-बचाव कराने का प्रयास किया तो गांव के दबंगों ने उनके ऊपर फरसे से वार कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। इस मामले में शिक्षक द्वारा परसपुर थाने में दी गई तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर शिक्षक पर हुए हमले के मामले में शिक्षक संघ के नेताओं ने कार्रवाई की मांग की है। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश सिंह, जिला कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, शिव गोपाल मिश्रा, नरेंद्र सिंह एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के देवेंद्र कुमार सिंह, विपिन कुमार, नागेंद्र मणि त्रिपाठी, बाबूलाल यादव, देवेंद्र कुमार आदि ने कार्रवाई की मांग की हैं। सभी शिक्षकों ने कहा कि यदि कार्रवाई नहीं की जाती है तो शिक्षक संघ आंदोलन के लिए बाध्य हो सकता है।

विदिशा में सराफा व्यापारी से लूट के शातिर बदमाश को पुलिस ने दबोचा

पुलिस की गिरफ्त में आया शातिर अपराधी

ललितपुर। मध्य प्रदेश के विदिशा के थाना प्योदा में सराफा व्यापारी को गोली मारकर लूट की घटना को अंजाम देने एवं पुलिस बल से मुठभेड़ के बाद फरार चल रहे शातिर बदमाश को ललितपुर पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस अधीक्षक कैप्टन मिर्जा मंजर बेग, एएसपी ए.के.विजेता के संयुक्त निर्देशन व सीओ तालबेहट के नेतृत्व में वांछित अपराधियों की धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने शातिर अपराधी को मुठभेड कर हिरासत में लिया है।

एसपी कैप्टन मिर्जा मंजर बेग ने बताया कि विगत 4 फरवरी 2019 को मध्य प्रदेश के जिला विदिशा के थाना प्योदा क्षेत्र में अपने साथियों के साथ सराफा व्यापारी रामेश्वर सोनी को गोली मारकर सोने-चांदी की लूट की थी। तब एसपी विदिशा द्वारा गिरफ्तार न होने के कारण इस पर विदिशा पुलिस द्वारा दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अपराधी की धरपकड़ अभियान के दौरान गश्त कर रही पुलिस टीम को मुखबिर से सुबह करीब साढ़े सात बजे सूचना मिली कि विदिशा के प्योदा में हुयी लूट का आरोपी भागने की फिराक में भट्टन नाला के पास सड़क पर खुलेआम घूम रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया, तभी बदमाश ने फायरिंग कर दी और मुठभेड के दौरान पुलिस ने उसे धर दबोचा। पकड़े गये बदमाश का नाम थाना पूराकलां क्षेत्र के ग्राम बलरगुवां क्षेत्र के निवासी किशन पाल उर्फ मंझले राजा पुत्र स्व. नत्थू सिंह बुन्देला बताया गया है। पकड़े गये बदमाश के पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा 315 बोर व दो जिन्दा कारतूस, एक खोखा कारतूस व चोरी की पायल चांदी की बरामद की है।

अवैध संबंधों के चलते हुई महिला की हत्या

संवाददाता। बाराबंकी

गत दिनों थाना रामनगर क्षेत्र के अंतर्गत हत्या कर घाघरा पुल के नीचे फेंकी गई एक अज्ञात महिला के शव की आज शिनाख्त हो गई स महिला अकबरी गेट थाना चौक लखनऊ की रहने वाली थी उसकी हत्या अवैध संबंधों के चलते उसके प्रेमी की पत्नी गला दबाकर की थी पुलिस ने घटना का अनावरण कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस अधीक्षक ने सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपए से पुरस्कृत करने की घोषणा की है। थाना रामनगर क्षेत्रान्तर्गत घाघरा पुल के नीचे 24 दिसंबर को एक अज्ञात महिला गिलास बालों में घड़ी मिली थी इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए थे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया था रिपोर्ट में मृत्यु का कारण गला दबाने से आयी चोटों से होना पाया गया। जिसके उपरान्त पीएम रिपोर्ट के आधार पर थाना रामनगर में मुअसं. 643/19 धारा 302,201 भादवि में तरमीम किया गया। जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक रामनगर द्वारा प्रारम्भ की गयी। अज्ञात शव की शिनाख्त निवासिनी अकबरी गेट थाना चौक जनपद लखनऊ के रुप में हुई। पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रामनगर श्री कृष्ण कुमार मिश्रा द्वारा विवेचना के क्रम में धारा 120 बी भादवि की बढोत्तरी कर आज मुखबिर की सूचना पर प्रकाश में आये अभियुक्त शहंशाह खान पुत्र स्व. करीम खान था आयशा खान उर्फ शिल्पी द्विवेदी पत्नी शहंशाह खान मूल पता हसरत टाउन बरौरा हुसैनबाडी बालागंज थाना ठाकुरगंज जनपद लखनऊ हाल पता केयर आफ सादाब हुसैन बरौरा हुसैनबाड़ी अलमास सिटी कालोनी बालागंज थाना ठाकुरगंज जनपद लखनऊ को रानी बाजार से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्त अफ्ताब की गिरफ्तारी शेष है। विवेचना से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्ता आयशा के पति के साथ मृतका के नाजायज सम्बन्ध थे। इसी बात को लेकर अभियुक्ता ने अपने परिवारिक मित्र अफ्ताब के साथ मिलकर मृतका को लखनऊ से गोण्डा ले जाते समय रास्ते में गला दबाकर मार दिया और उसके शव को घाघरा पुल के नीचे फेंककर चले गये।

बीएचयू में प्लाज्मा एवं रैंडम डोनर प्लेटलेट्स का प्रोसेसिंग चार्ज नहीं लिया जाएगाः प्रो. एसके माथुर

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

अब सर सुन्दरलाल चिकित्सालय एवं ट्रॉमा सेन्टर,ि चकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में भर्ती मरीजों से रक्त, फ्रेश फ्रोजेन प्लाजमा एवं रैण्डम डोनर प्लेटलेट्स का प्रोसेसिंग चार्ज नहीं लिया जाएगा। इन रक्त एवं अवयवों को बिना किसी शुल्क के रक्त कोश, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी शुरूआत मध्य रात्रि 31 दिसम्बर से होगी। वर्तमान में होल ब्लड/पीआरबीसी का शुल्क रु. 850.00 एवं फ्रेश फ्रोजेन प्लाजमा और रैण्डम डोनर प्लेटलेट्स का शुल्क रु. 400.00 है। यहां का रक्तकोष एचआइवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी की जांच फोर्थ जेनरेशन एलाइज़ा टेस्टिंग किट से करता है तथा मरीजों एवं रक्तदाता का एन्टीबॉडी स्क्रीनिंग भी करता है। यह जानकारी सोमवार को सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. शरद कुमार माथुर तथा ट्रामा सेन्टर के प्रोफेसर इन्चार्ज, प्रो. संजीव कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता में दी। यहां का रक्तकोश वर्ष में लगभग 5500 रक्त युनिट बिना चार्ज एवं प्रतिस्थापन के थैलिसिमिया, सिकिल सेल एनिमिया, हीमोफीलिया, एड्स, लावारिस, कैदी एवं गरीबी रेखा के नीचे के मरीजों को देता है। अब बिना शुल्क सुविधा इस चिकित्सालय के सारे भर्ती मरीजों को उपलब्ध होगी। निशुल्क सुविधा के फण्ड की उपलब्धता नेशनल हेल्थ मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा की जाएगी।

लुढ़का पारा, कड़ाके की ठंड और बर्फीली हवाओं ने बढ़ा दी गलन

● शीतलहरी और कोहरे से ठिठुर रहे शहरी, अब तक कइयों की मौत ●डीएम ने रैन बसेरों का किया निरीक्षण, इंतजाम बेहतर रखने के निर्देश ●नगर निगम की ओर से पर्याप्त संख्या में नहीं जलवाए जा रहे अलाव

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

बर्फीली हवाओं और हाड़ कंपा देने वाली ठंड और गलन ने आम जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। सोमवार को भी नीचे गिरते पारा की वजह से लोगों ने दिन ठिठुरन में ही व्यतीत किया। रिकार्डतोड़ ठंड से ठिठुरते लोगों के हाथ पांव सुन्न पड़ गए। कड़ाके की ठंड की वजह से नगर निगम ने राहत प्रदान करने के लिए अलाव की व्यवस्था तो की है, लेकिन कई इलाकों में तमाम मांग के बाद भी अलाव नहीं जलाए गए। जिससे लोगों को भीषण ठंड से जूझना पड़ रहा है। कोल्ड स्ट्रोक के कहर से अब तक पांच लोगों की मौत भी हो चुकी है। पिछले कई दिनों की कड़ाके की ठंड को लेकर स्कूल कालेज तो बंद हैं, उम्मीद है कि ठंड के चलते अभी और अवकाश होने की संभावना है। इस बार पड़ रही ठंड ने पिछले कई साल के रिकार्ड को तोड़ दिया है।

बढ़ते तापमान की वजह से रात में कोहरा और दिन में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रह रहा है। सोमवार को एक बार फिर इस मौसम में दिन के तापमान ने लुढ़कने का रिकार्ड तोड़ दिया। मौमस विज्ञानियों के मुताबिक ऐसी ठंड कम से कम ठंड तीन से चार दशक बाद देखने को मिल रही है। सामान्य परिस्थितियों में अधिकतम तापमान 12 से 14 डिग्री के बीच हो रहा है। जबकि सोमवार को अधिकतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। दिन भर धुंध छायी रही। सोमवार को तो सूर्य भगवान ने दर्शन ही नहीं दिए। बर्फीली हवाओं की वजह से शीतलहरी का प्रकोप भी लगातार बढ़ता ही जा रहा है। धुंध के प्रभाव से तापमान नीचे गिरता जा रहा है। विज्ञानियों का मानना है कि अभी यह मौसम बने रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ठंड फौरी तर पर भले ही परेशानी का कारण हो, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम बेहतर होने वाले हैं। उनका मानना है कि शिमला और मसूरी से ज्यादा ठंड इन दिनों प्रयाग में है। शाम होते ही घना कोहरा हो जाने के कारण ट्रेनों की लेट लतीफी भी बढ़ती जा रही है। ऐसे में यात्रियों का दिन ट्रेनों में ही बीत रहा है। लगभग सभी ट्रेनें लेट से गंतव्य को पहुंच रही हैं।

ठंड का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। भीषण सर्दी से मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ठंड को लेकर सड़कों पर रात बिता रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट किया जा रहा है। उधर डीएम भानुचन्द्र गोस्वामी, एडीएम वित्त एम पी सिंह ने रविवार रात में नगर आयुक्त रवि रंजन, मुख्य अभियंता सतीश कुमार, डूडा मिशन प्रबंधक राजकुमार द्विवेदी के साथ कई रैन बसेरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के साथ ही उन्होंने रैन बसेरों की व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सड़कों पर सो रहे लोगों को रैन बसेरे में शिफ्ट करवाया। उधर नगर निगम को भारी संख्या में जगह जगह अलाव जलाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने रैन बसेरों में गर्म पानी की व्यवस्था रखने के भी निर्देश दिए हैं। डीएम ने रात में स्थायी और अस्थायी रैन बसेरों का निरीक्षण किया। बाघम्बरी रोड रैन बसेरे में डीएम ने कई लोगों को स्वयं पहुंचाया। साथ ही दारागंज स्थित रैन बसेरे का हाल डीएम ने लिया। डीएम ने वहां पर कम्बल, तकिया आदि के बारे में वहां रह रहे लोगों से पूछा। उधर पिछले 24 घंटों के भीतर जिले में कोल्ड स्ट्रोक से पांच और लोगों की जानें चली गयीं। मेजा में दो, फूलपुर, नारीबारी और नैनी में एक एक मौतें हुईं हैं। करीब एक सप्ताह से जिले में पड़ रही ठंड की वजह से गरम कपड़ों की खपत भी बढ़ गयी। अब तो शहर में मफ्लर और दस्ताने भी नहीं मिल रहे हैं। बढ़ती ठंड में सिर्फ और सिर्फ रूम हीटर और ब्लोअर ही लोगों को राहत दे रहे हैं।

इस वर्ष का सिनेमा

आम आदमी में छुपा नायक

फिल्में अपने समय का आईना कही जाती हैं। लेकिन सालों से देश का मुख्यधारा मनोरंजन मीडिया केवल कल्पनायें व नायकत्व पेश कर रहा था, जबकि आम आदमी अवस्थापना की भूलभुलैया में अपना रास्ता नहीं तलाश पा रहा था। 2019 ऐसा वर्ष है जब सिनेमा में आम आदमी को सुपरमैन बना दिया गया। इस वर्ष नायकत्व का विखंडन कर उसे रहस्यमयता से दूर किया गया और उसका निर्णय केवल योग्यता के आधार पर होने लगा। आयुष्मान खुराना के सफल शो में आम लोगों को दिखाया गया जो अपनी प्रसन्नता स्वयं तलाशने में लगे थे। आम आदमी ने अपने बंधनों से मुक्ति पाई और विभिन्न रूपों में वह जनता के सामने आया। लेकिन यथार्थ को महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप बदला भी गया। चाहे अंधाधुन में अनोखी योजनायें बनाने वाला व्यक्ति हो या बेरोजगारी के कारण फोन सेक्स आपरेटर बना नौजवान, खुराना ने उसे नई दुनिया में व्यवस्थित होने का अवसर दिया। ऐसे में थोड़ा गंजेपन से फर्क नहीं पड़ता है। मुकाबला ऐसी व्यवस्था से है जहां ईमानदारी का कोई स्थान नहीं है। फिल्मों ने पहचान की भावना भी मजबूत की। गली ब्वाय का मुराद विद्रोही होने के बजाय देश में तिरंगा फैलाने वाला मुस्लिम प्रदर्शनकारी है। हालांकि, वह अपनी जड़ों को भूलना नहीं चाहता है। इसी प्रकार सांड की आंख में दो महिला निशानेबाज अनेक प्रकार के पूर्वाग्रहों से संघर्ष करती हैं। भारत के मंगलयान अभियान के आधार पर बनी मिशन मंगल की महिला के सपने अंतरिक्ष युग के हैं। दोनों मामलों में भाग्य को स्वीकार करने के बजाय उससे संघर्ष किया जाता है। इन प्रति-विमर्शों में कबीर सिंह की आक्रामकता नए जोश के साथ हमारे सामने है। हालांकि, विशिष्ट स्थितियां

स्वीकार करने के बजाय यह भय के कारण पैदा आधीनता है।

समाज और सत्ता की राजनीति फिल्मों में समान रूप से सामने आई है। बहुसंख्यकवादी विमर्श ने आक्रामक राष्ट्रवाद को जन्म दिया है जिसे उरी: सर्जिकल स्ट्राइक, केसरी तथा मणिकर्णिका: झांसी की रानी में प्रदर्शित किया गया है। गैर-कांग्रेसवाद का प्रचार द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर या द ताशकंद फाइल्स के रूप में सामने है। फिल्मों के माध्यम से प्रचार हमेशा तत्कालीन अवस्थापना की मौन स्वीकृति होती है। स्वतंत्र अभिव्यक्ति को प्रमुखता देने वाला समानान्तर सिनेमा अब राजनीतिक रूप से सही संदेश देने का प्रयास कर रहा है। सिनेमा में 'कला के लिए कला' की विभाजक रेखा धुंधली हो गई है और अब प्रचारात्मक सिनेमा पूरी ताकत से वापस लौट रहा है। वह सरकारी योजनाओं का प्रचार तक करने लगा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह 'उदारवादियों, बुद्धिजीवियों व स्वतंत्र विचारकों' को समाहित करने का प्रयास है जिनमें से अनेक अपने ज्ञात राजनीतिक विश्वासों पर फिर खड़े होने लगे हैं। पहली बार ध्रुवीकरण फिल्म उद्योग में प्रवेश कर रहा है। वह हिंदू विजेताओं की याद हमें दिलाना चाहता है। समावेशी मंत्रों व व्यापक आकर्षण के कारण बालीवुड भावनात्मक राजनीति का औजार बन गया है। उसके पास अपना रास्ता तय करने के लिए धन शक्ति है और वह इसका प्रयोग पहले की तरह उम्मीद व आदर्शवाद पैदा करने के लिए कर सकता है। लेकिन कलाकारों को ब्रांड अम्बैसडर, आदि के माध्यम से अधिकारियों के समक्ष झुकना नहीं चाहिए। विरोध को पूरी तरह खारिज करने का अर्थ डिजिटल स्तर तक पहुंचना है जो लीला व घोल सीरीज़ से स्पष्ट है। यहां हास्य की भूख कामिक्स के माध्यम से पूरी की जा रही है। हालांकि, सिनेमा के लिए डिजिटल विस्तार एक अच्छी खबर है जहां विषयवस्तु अभिव्यक्ति के नए नए तरीकों से पेश की जा रही है। यह रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक माध्यम है।

राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में प्रगति जरूरी

हमारे निकटस्थ पड़ोसी अपनी सुरक्षा व्यवस्था व सेनाओं का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहे हैं। ऐसे में भारत को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे का तेजी से विस्तार व सुदृढ़ीकरण करना होगा।

अनिल गुप्ता
लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक व एक साल से दूसरे साल तक हम भारतीय बेहतर स्थितियों की उम्मीद करते रहते हैं। हर साल अनेक नई उम्मीदों के साथ शुरू होता है, पर उसका अंत आमतौर से निराशाजनक होता है। लेकिन हाल ही में यह प्रवृत्ति बदली है। अब हमारे देश में ऐसी सरकार है जो केवल राष्ट्रीय मुद्दों को उछालने में ही विश्वास नहीं करती है, बल्कि मुद्दों के समाधान का प्रयास करते हुए अपने वादों पर चलती भी है, भले ही यह मामला चाहे जितना विवादास्पद ही क्यों न हो। उसका विश्वास 'समस्या टालने' में नहीं है। नया वर्ष शुरू होने जा रहा है और जनता को ऐसे परिवर्तनों की उम्मीद है जिनसे न केवल उनका जीवन बेहतर हो, बल्कि हमारा देश भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचे ताकि वह दुनिया में अपना उचित स्थान प्राप्त कर सके। सीमाओं पर तथा देश के भीतर सुरक्षित भारत अनेक भारतीयों की इच्छा है क्योंकि केवल सुरक्षित व संरक्षित राष्ट्र ही विकास पर ध्यान केन्द्रित कर सकता है जो जीवन में गुणात्मक परिवर्तन कर सकता है।

भारत महाशक्ति बनने के रास्ते पर चल रहा है। इसी कारण हमें राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक गठबंधन बनाने की दिशा में सावधानी से आगे बढ़ना होगा। हम दुनिया को वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ एकजुट करने में सफल हुए हैं, पर अभी दुनिया को इससे मुक्त करना है। मेरे विचार से देश-विदेश में आतंक के खिलाफ युद्ध 2020 में जारी रहेगा। दुनिया के स्तर पर स्थिति मजबूत करने के लिए हमें भारत को मजबूत सैनिक शक्ति बनाना होगा। हमें चीन व पाकिस्तान से पैदा होने वाले दुहरे खतरे से निपटने की तैयारी करनी होगी। इसके लिए हमें अपनी क्षमता का विस्तार करने के साथ उसे मजबूत करना होगा। निकट पड़ोस तथा देश के भीतर से पैदा होने वाले खतरे से निपटना हमारे निकट भविष्य में केन्द्रीय स्थान पर रहेगा। पाकिस्तान की नाभिकीय ब्लैकमेल को निष्प्रभावी बनाने के लिए हमें अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण के माध्यम से पाक सैनिक बलों पर अपनी परंपरागत श्रेष्ठता सुनिश्चित करनी होगी। प्रत्येक विकासशील देश के सामने विकास बनाम सुरक्षा का द्वंद्व मौजूद रहता है। लेकिन जिन देशों ने सुरक्षा से समझौता नहीं किया वे समय बीतने के साथ मजबूत हो गए। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए का सफल आधुनिकीकरण तथा उसकी असाधारण प्रगति हमारे सामने एक उदाहरण है। हमें अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए लगातार एक दशक तक सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी का कम से कम 2.5 से 3 प्रतिशत तक हिस्सा इस पर खर्च करना होगा।

मजबूत सेना के बिना कोई देश महाशक्ति होने का दावा नहीं कर सकता है। नई परंपरागत व गैर-परंपरागत चुनौतियों को देखते हुए वर्तमान कमियां दूर करने के साथ ही भावी आवश्यकताओं पर ध्यान देना होगा। हथियार खरीद व्यवस्था को सक्षम तथा जवाबदेह बनाना जरूरी है। हमें पड़ोस से उभरने वाली चुनौतियों से निपटने की तैयारी अवश्य करनी होगी। पड़ोस में किसी अस्थिरता का प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा। हमें अपनी क्षमता बढ़ा कर क्षेत्रीय स्तर पर व समुद्र में हस्तक्षेप योग्य बनना होगा। उभरती महाशक्ति के रूप में भारत को अनेक स्थितियों से निपटना पड़ सकता है जिसके लिए उसके पास अनेक विकल्प होने चाहिए। परंपरागत क्षेत्र से लेकर नाभिकीय क्षेत्र तक हमें बहुआयामी उपयुक्त प्रतिरोधक तैयार करने होंगे जिनसे हम संपूर्ण सैनिक शक्ति बन सकेंगे।

अपनी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के बावजूद पाकिस्तान तथा चीन उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि के प्रति सचेत हैं। ऐसे में वे भारत के खिलाफ एकजुट होकर युद्ध पर जोर दे सकते हैं। इसमें टैक्टिल युद्ध के साथ नुकसान पहुंचाने के अन्य तरीके भी शामिल हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय विवादों के रणनीतिक आयामों पर प्रभाव पड़ सकता है। अक्सर की जाने वाली इस प्रकार की कार्रवाइयों से युद्ध भड़कने का खतरा पैदा हो जाता है। किसी प्रकार के युद्ध की प्रतिक्रिया केवल सैनिक न होकर सामूहिक होती है। इसमें आर्थिक व राजनीतिक आयाम शामिल हं। इस प्रकार बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए हमें बहुआयामी कदम उठाने होंगे। हाइब्रिड युद्ध तथा नुकसान पहुंचाने के अन्य तरीकों या ग्रे-ज़ोन टकराव को समरूप माना जाता है, पर ऐसा नहीं है। दूसरी ओर भारत को खासकर पूर्वोत्तर क्षेत्र व अपने पड़ोस में चीन के 'असीमित युद्ध' की धमकी से भी निपटना होगा। दूसरी ओर हमें गैर-परंपरागत तरीकों तथा गैर-राज्य कारकों को शामिल कर हाइब्रिड युद्ध का खतरा है। यह खतरा उत्तरी व पश्चिमी सीमाओं पर अधिक गंभीर है।

जहां हाइब्रिड युद्ध रणनीतिक इरादे से किया गया ग्रे-ज़ोन टकराव है, वहीं ग्रे-ज़ोन टटराव टैक्टिकल व आपरेशन स्तर पर गतिविधियों वाला हाइब्रिड युद्ध है जिसका उद्देश्य हमारे देश को टुकड़ों में तोड़ना है। इस प्रकार 2020 मे सरकार को इन दोनों खतरों से निपटने के लिए रणनीतियां व प्रक्रियायें बनानी होंगी। चीफ आफ डिफेंस स्टाफ-सीडीएस की बहु-प्रतीक्षित नियुक्ति इस दिशा में पहला कदम है। न केवल चयन, बल्कि सीडीएस की अवधारणा नई है और इसे स्थाई बनने में कुछ समय लगेगा। भारतीय सशस्त्र सेनाओं का 'बदलाव' आसान नहीं होगा। सरकार को इस प्रक्रिया को गति देने के लिए साहसी निर्णय लेने होंगे। रक्षा मंत्रालय में नौकरशाही-नीत मंत्रालय तथा सशस्त्र बलों के बीच खाई चौड़ी हो गई है। यहां पेशेवर सलाहकार को आमतौर से नौकरशाह खारिज कर देते हैं। सरकार को यह स्थिति समाप्त करने के लिए साहसी कदम उठाने चाहिए। तीनो सेनाओं के प्रमुखों और सीडीएस के बीच पूर्ण संतुलन तथा पेशेवर योग्यता का सम्मान होना चाहिए। इसके पीछे 'समकक्षों में प्रथम' का विचार है। सीडीएस तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार-एनएसए के चार्टर में स्पष्ट विभाजक रेखा होनी चाहिए। इस विचार की सफलता के लिए राजनीतिक पदानुक्रम का पूरा समर्थन होना चाहिए जो अब तक नौकरशाही के पक्ष में झुका रहा है।

महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में अपना दावा पेश करने के लिए हमें सुनिश्चित करना होगा कि सेना के पास समुचित संसाधन हों तथा हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हितों व महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। हमें अपने सुरक्षा ढांचे में कमजोरियों की पहचान करने तथा उनको दूर करने की आवश्यकता है। इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धान्त बनाया जाना चाहिए जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा हो रही है। इस सिद्धान्त की अनुपस्थिति में सरकार के विभिन्न अंग व अन्य पक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने आ रहे खतरों व चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित प्रतिक्रिया नहीं कर पाते हैं। इस सिद्धान्त से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का विकास होगा। इससे सरकार में विभिन्न पक्षों को 'साधन व लक्ष्य' विश्लेषण में आसानी होगी तथा विभिन्न मंत्रालय अपने लिए लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे। उम्मीद है कि 2020 में बहु-प्रतीक्षित राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धान्त मूर्त स्वरूप धारण करेगा।

देश में आंतरिक सुरक्षा की स्थिति सामान्य होने की दिशा में बढ़ रही है। हाशिए पर पड़े कुछ चरमपंथी समूह सिर उठा रहे हैं जिससे शांति, सद्भावना व सांप्रदायिक सामंजस्य को खतरा पैदा हो सकता है। पापुलर फ्रंट आफ इंडिया-पीएफआई एक बड़ा खतरा बन रही है। उसकी राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया-एसडीपी आई को दक्षिणी राज्यों में काफी समर्थन प्राप्त है और अब वह पूर्वी राज्यों में भी अपना प्रभाव बढा रही है। पीएफआई तथा विभिन्न अवैध आप्रवासी संगठनों के बीच बढ़ते संबंध चिन्ता का एक और कारण है। दक्षिण भारत में बढ़ते उग्रवादीकरण में पीएफआई का बड़ा हाथ है।

जहां तक जम्मू कश्मीर का सवाल है, पाकिस्तान समस्यायें पैदा करना नहीं छोड़ेगा क्योंकि राज्य-प्रायोजित आतंकवाद उसकी नीति का हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना अकादमी देहरादून में पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के डीप स्टेट को समग्र रूप से परिभाषित किया। उन्होंने कहा था, 'राज्य नीति के रूप में आतंकवाद के समर्थन के साथ ही उस देश में अनेक गैर-राज्य कारक इतने शक्तिशाली हो गए हैं कि राज्य कारक उनके सामने केवल मुहरे बन कर रह गए हैं।' पाकिस्तान समस्यायें पैदा करना जारी रखेगा। इसके साथ ही राज्य में जमीनी स्तर कार्यकर्ताओं-ओजीडब्लू नेटवर्क काफी मजबूत है। आतंकवाद व उग्रवाद को समाप्त करने के लिए हमें इस पर नियंत्रण करना होगा। कश्मीर में पूरी स्थिति बहुत बुरी तरह उलट गई है। ओजीडब्लू इस व्यवस्था का बड़ा हिस्सा है, पर उसे पहचानना तथा अलग-थलग करना बहुत कठिन है। वे राज्य के सभी अंगों में घुसपैठ कर चुके हैं। उनमें से अधिकांश दोमुंहे चेहरे वाले हैं। समूह की आवश्यकता को देखते हुए वे कट्टर राष्ट्रवादी तथा उस परिवेश से अलग होने पर जिहादियों के कट्टर समर्थक बन जाते हैं। वे उसी हाथ को काटने की कला में माहिर हो गए हैं जो उनको भोजन देता है। वर्तमान समय में कश्मीर में व्याप्त तुलनात्मक शांति को सतही तौर से नहीं देखा जा सकता है। स्थाई शांति के लिए वर्ष 2020 में ओजीडब्लू को नेस्तनाबूद करना है क्योंकि अनुच्छेद 370 समाप्त करने का यही चरम लक्ष्य है।

तेजी से बढ़ता उपभोक्ता वस्तुओं का क्षेत्र

> बाजार की परिवर्तनशील गतिशीलता ऐसे बहुत से उत्पाद लेकर आती है जो उपभोक्ता की पसंद और ध्यानाकर्षण के लिए प्रतिस्पर्धारत होते हैं। 2020 में बाजार रुझानों पर दृष्टि डालनी होगी।

अमरिंदर सिंह
(लेखक एक फूड कम्पनी के निदेशक हैं)

भारत का तेजी से बढ़ता उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र में पिछले दो दशकों के दौरान उल्लेखनीय रूपांतरण हुआ है। इसे बढ़ते आय के स्तर, नगरीकरण एवं उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव के चलते बढ़ावा मिला है। सामान्यत:, विमुद्रीकरण तथा वस्तु एवं सेवाकर प्रणाली लागू होने के बाद उद्योग क्षेत्र भावना सकारात्मक और आशावादी रही है। ग्रामीण उपभोग ने आधुनिक खुदरा क्षेत्र के अगले पांच वर्षों में तीन गुना हो जाने के अनुमानों के साथ उद्योग की अपेक्षाओं को पीछे छोड़ दिया है। जीवन शैली पसंदों में महत्वपूर्ण बदलाव साथ ही साथ खर्च होने योग्य आय में अच्छी खासी बढ़ोतरी ने इस वृद्धि को बल प्रदान किया है।

बाजार की परिवर्तनशील गतिशीलता ऐसे बहुत से उत्पाद लेकर आती है जो उपभोक्ता की पसंद और ध्यानाकर्षण के लिए प्रतिस्पर्धारत होते हैं। 2020 में तेजी से बढ़ते उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र बाजार रुझानों पर दृष्टि डालनी होगी। डिजिटलीकरण का प्रभाव देखने को मिलता है। स्मार्टफोन एवं इंटरनेट का प्रचलन बढ़ने का परिणाम, खासकर ग्रामीण इलाकों में, लोगों को ई-वाणिज्य के माध्यम से दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक पहुंच आसान बना देगा। सरल मोबाइल भुगतान विकल्पों के उपलब्ध होने का परिणाम टियर-2 और टियर-3 शहरों से आने वाले आदेशों की संख्या में बढ़ोतरी के रूप में सामने आया है, जो लोगों को अपने दरवाजे पर समय से वस्तुएं उपलब्ध होने की सुविधा प्रदान करता है।

व्यापार अनेक रास्ते होने चाहिए। इससे खरीदारों को सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से खरीदारी करने में सुविधा होगी क्योंकि वे फेसबुक, यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर काफी समय बिताते हैं। इससे लोग खरीदारी के अनुभवों का आदोन-प्रदान भी कर सकते हैं। इससे ग्राहकों को मनोरंजन व खरीदारी दोनों का आनंद मिलेगा। फ्लिपकार्ट व अमेजन जैसे परम्परागत तरीकों से साथ ही ग्रोफर व बिग बास्केट के सुपर मार्केट ऐप भी बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। डी-2सी बिजनेस मॉडल भी बहुत लोकप्रिय है, जो सीधे विक्रेताओं व निर्माताओं से खरीद का अवसर देता है और उनमें कोई बिचौलिया भी नहीं होता। इस उद्देश्य से अनेक ई-वाणिज्य वेबसाइटें बन गई हैं जिनसे खरीदार काफी बचत भी कर सकते हैं।

इन दिनों प्रयोगकर्ताओं के बीच संवाद स्थापित करने के लिए उसी उत्पाद पर विस्तृत बातचीत व समीक्षा में महत्वपूर्ण रूप धारण किया है। अनेक ब्रांड अपना समुदाय बनाने के लिए मार्केटिंग रणनीतियां बना रहे हैं जहां वे उत्पाद में दिलचस्पी लेने वाले लोगों को समान सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक आयामों से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे संवाद थोड़ा व्यक्तिगत हो जाता है, पर, यही बात ग्राहकों की देखभाल करने वाले प्रतिनिधियों पर भी लागू होती है। अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों ने कुछ नए तरीके निकाले हैं, जिससे वे भारतीय बाजार की मांग पर उत्पाद तैयार कर रहे हैं। इसमें स्थानीय व घरेलू निर्माणकर्ताओं को शामिल किया गया है, जो गुणवत्ता से समझौता किए बिना सस्ते विकल्प सुझा रहे हैं, जबकि इसके साथ विदेशी ब्रांड प्रयोग करने का संतोष बना रहता है।

ग्राहकों का व्यवहार कोई स्थायी पैटर्न नहीं है, लेकिन वर्तमान समय में कुछ पैटर्न देखे जा सकते हैं, जिनसे हमारा ध्यान उन तरीकों की ओर जाता है जहां उपभोक्ता पैसे खर्च करते हैं। अतीत एवं वर्तमान के आंकड़ों की तुलना करने से उपभोक्ता व्यवहार की उन प्रवृत्तियों का कुछ अनुमान लगाया जा सकता है जो 2020 में प्रमुख होंगी। उनमें से एक ग्राहकों द्वारा फैमिली पैक व कांबो आफर पसंद करना है क्योंकि इससे किराने की दुकान तक जाने से मुक्ति मिलती है। ग्राहकों के व्यवहार के अन्य मानकों में शामिल है कि वे रैडी टू ईट स्नैक्स, वेलनेस उत्पाद, आर्गेनिक व प्रीमियम गुणवत्ता उत्पाद बहुत पसंद करते हैं। इन प्रवृत्तियों से संगति बनाए रखने के लिए प्रत्येक तेजी से बढ़ते उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र को सक्रिय कदम उठाने चाहिए ताकि बाजार में उनके ब्रांड की छवि बने व लंबे समय तक कायम रहे।

उपभोक्ताओं की पसंद के बारे में व्यापक रणनीतियां बनाना आवश्यक है क्योंकि आज के खरीदार अनेक सूचनाओं से लैंस हैं तथा उत्पाद खरीदने के निर्णय लेने में उनका प्रयोग करते हैं। इन दिनों उपभोक्ता उत्पाद के संघटक तत्वों, उसके कार्बन पाद चिन्ह व स्वास्थ्य लाभ आदि भी देखते हैं। उत्पादों की खरीद बिक्री के मामले में यह महत्वपूर्ण है। वर्तमान अत्यधिक दृश्य जगत में ग्राहक आकर्षक उत्पाद खरीदते हैं, और यदि पसंद आ जाए तो वे उसे दोबारा भी खरीदते हैं। इसलिए तेजी से बढ़ते उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र कम्पनियों को पैकेजिंग पर ध्यान देना चाहिए।

ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए डिजिटल रणनीति आवश्यक है, क्योंकि वे ब्रांडेड उत्पादों को वहां तलाश करते हैं। भारी मात्रा में आंकड़े उपलब्ध होने के कारण वर्तमान बाजार मांग का विश्लेषण करना तथा उनकी बिक्री के संबंध में आधिकारिक संकेत प्राप्त करना आवश्यक हो गया है। किसी ब्रांड या कम्पनी को बाजार में बने रहने के लिए गंभीर शोध की आवश्यकता होती है। वर्तमान प्रवृत्तियों की जानकारी रखने वाली कम्पनी को लाभ संबंधी निर्णय लेने में आसानी होती है। इससे वह उचित संख्या में उत्पाद तैयार कर सीधे खरीदारों के बाजार में प्रवेश कर सकती है, बशर्ते कि उसके उत्पादों की शेल्फ लाइफ बहुत लंबी न हो। आकड़ों से ग्राहकों के बारे में जानकारी प्राप्त करना तथा कम्पनियों का यह पूर्वानुमान लगाना आसान हो जाता है कि भविष्य में उपभोक्ताओं की प्रवृत्ति कैसी रहेगी और वे अपने प्रतिस्पर्धियों को कैसे पीछे धकेल सकेंगे।

आप की बात

उग्र धर्मवाद का परिणाम

भारतीय समाज में जिसका मूलमंत्र ही संतोषम् परमम् सुखम् है, उग्र धर्मवाद व धार्मिक वैमनस्यता की रागिनी ज्यादे दिन तक नहीं गाई जा सकती, न धार्मिक वैमनस्यता का पकौड़ा ज्यादे दिन तक तला जा सकता है, भारतीय समतामूलक समाज में धार्मिक व जातीय सह अस्तित्व का यहां ये आलम है कि यहां यह बात केवल बातों तक सीमित नहीं है, अपितु यह भारतीय जनमानस ने करके दिखाया है, मसलन यहां की सहृदय जनता ने यहां अनवरत रूप से आए हूंण, मंगोलों, तुर्कों, कबाइलियों, मध्य एशिया से आए, तातारों, पुर्तगालियों, ईसाईयों आदि सभी को अपने समाज में बढ़िया ढंग से रचा-बसा लिया है। आज भारतीय समाज में दुराग्रह पैदा करने के लिए जी-जान से ० कोशिश की जा रही है,जिसका एक छोटा सा प्रयोग 2002 में गुजरात राज्य रूपी प्रयोगशाला में गोधरा के माध्यम से किया गया था, उसी प्रयोग को आजकल संपूर्ण देश में लागू करने का भरपूर कोशिश की जा रही है, परन्तु इस कुकृत्यपूर्ण प्रयोग को झारखंड की जनता ने जोरदार तमाचा जड़कर इसके कुटिल खलनायकों को करारा जबाब दे दिया है। राम के नाम का सहारा लेकर ये कथित अनुयायी आज निरपराध लोगों की हत्याएं करने वाले लोग हैं।

– **निर्मल के शर्मा,** गाजियाबाद

इंटरनेट पर निर्भरता

उत्तर प्रदेश में नागरिकता संशोधन विधेयक को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रर्दशन के कारण कई शहरों में इंटरनेट सुविधा पर रोक लगा दी गई। कहते हैं कि जब किसी आदत की लत लग जाती है तो वह हमारे जीवन का एक हिस्सा बन जाती है ठीक वैसे ही आजकल इंटरनेट पर हम इतने निर्भर है कि वह हमारे जीवन का हिस्सा ही बन गया है। मानो इंटरनेट के बिना जीवन में स्थिरता सी आ गई हो। आखिर हो भी क्यों ना हमारे जीवन का हिस्सा हर छोटे से बड़े कार्य जैसे बिजली बिल, गैस बुकिंग, रेलवे टिकट, पैसे का लेन-देन ,लोकल कन्वेंस बुकिंग, मोबाईल टीवी रिचार्ज शापिंग आदि सभी कार्यो को हम सभी इस डिजिटल दुनिया में आनलाइन ही करने का प्रयास करते हैं। साथ ही पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया को सशक्त बनाने में किये गये प्रयासों ने इसको और संबल प्रदान किया है। इंटरनेट का बहुतायत उपयोग तो सोशल मीडिया की साइट्स फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्स एप, यूट्यूब, आदि में होता है। इन साइट्स के बिना तो जिंदगी अधूरी है। आजकल घर पर बैठे व्यक्ति से बात हो ना हो पर इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म के द्वारा सैकड़ों मील दूर बैठे व्यक्ति से प्रतिदिन बात करना हमारी आदत में आ चुका है। – **अभिनव दीक्षित**, बांगरमऊ, उन्नाव

यातायात अव्यवस्था

पिछले कई दिनों से सरिता विहार से वाया कालिंदी कुंज नोएडा आने जाने वालों के लिए भारी कठिनाई पैदा हो गई है। उनके लिए यह रूट बंद कर रखा है और हजारों वाहन चालकों को नोएडा जाने के लिए वाया आश्रम से डीएनडी रूट के माध्यम से जाना पड़ रहा है। इस तरह रास्ता बंद करने से पहले इसके परिणामों के बारे में विचार अवश्यक किया जाना चाहिए था। बिना सोचे समझे करने का परिणाम लोग भुगत रहे हैं। इससे यात्रियों को बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जिससे लोगों का समय, तेल और ऊर्जा व्यर्थ में नष्ट हो रही है । यह सब दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस को व्यवस्था सुधारने के लिए उचित कदम उठाने चाहिएं। सीएए एनआरसी के विरोध के नाम पर आमजनों के लिए कठिनाई पैदा करना समाज के वर्ग विशेष की दुराग्रह पूर्ण मनोदशा को दर्शाता है । कानून हाथ में लेकर धरना प्रदर्शन के नाम पर रोड ब्लाक करने वाले कठोर दंड के भागीदार हैं। कालिंदी कुंज रूट की यातायात व्यवस्था बाधित होने से आम आदमी हलाकान हैं।

–**युगल किशोर,** खांबी, फरीदाबाद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

नेता भीड़ से उभरते हैं। लेकिन वे नेता नहीं होते जो भीड़ को गलत दिशा में ले जाते हैं।

– **जनरल विपिन रावत**
सेना प्रमुख

जिस प्रकार नेता सेना को लड़ने का तरीका नहीं बता सकते हैं, उसी प्रकार सेना का काम राजनेताओं को उनकी दिशा बताना नहीं है।

– **पी. चिदम्बरम**
कांग्रेस नेता

देश में संविधान बचाने की भावना का प्रचार करना जरूरी है। इसके लिए हमें नौजवानों से संवाद स्थापित करना होगा।

– **सचिन पायलट**
राजस्थान के उप मुख्यमंत्री

भाजपा देश के वैध नागरिकों की नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही: ममता

● राजनीतिक दलों, नागरिक संस्थाओं से भाजपा के खिलाफ हाथ मिलाने का किया अनुरोध

भाषा। पुरुलिया

सोमवार को पुरुलिया जिले में संशोधित नागरिकता अधिनियम के खिलाफ एक रैली के दौरान बच्चों के साथ बातचीत करती पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर बरसते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजी ने सोमवार को राजनीतिक दलों और नागरिक संस्थाओं से देशभर में भगवा पाटी के खिलाफ हाथ मिलाने और उसे अलग-थलग करने का अनुरोध किया। कानून के खिलाफ पांच किलोमीटर लंबे विरोध मार्च के दौरान यहां एक रैली को संबोधित करते हुए बनजी ने आरोप लगाया कि भाजपा देश के वैध नागरिकों की नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) का अद्यतन नहीं होने देंगी जिसे पहले ही उनकी सरकार ने रोक रखा है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, मैं हर किसी से भाजपा के खिलाफ हाथ मिलाने और हर जगह उसे अलग-थलग करने की अपील करती हूं। राजनीतिक दलों, नागरिक संस्था समूहों और छात्र समुदाय को देशभर में विरोध करना चाहिए और पाटी (भाजपा) को अलग-थलग करना चाहिए। वे हमारी स्वतंत्रता छीनना चाहते हैं। हम सा नहीं होने देंगे। संशोधित कानून का विभिन्न जगह विरोध कर रहे छात्रों को समर्थन देते हुए उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा कि जो लोग 18 साल के हो चुके हैं और अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं, किसी सरकारी नीति या निर्णय के खिलाफ विरोध को लेकर उनकी आलोचना क्यों की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं (कानून का) विरोध कर रहे छात्रों को अपना समर्थन देती हूं। जब तक सीएए को वापस नहीं ले लिया जाता तब तक मैं अपना विरोध खत्म नहीं करूंगी। सिर्फ इतना पक्का कीजिए कि आपका नाम मतदाता सूची में हो। बाकी का काम मैं देख लूंगी। किसी को भी यह देश नहीं छोड़ना पड़ेगा। बनजी ने कहा कि जब तक वह जीवित हैं, किसी को भी देश नहीं छोड़ना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, आपकी (केंद्र) दिल्ली में चलती है। मत सोचिए कि राज्य (पश्चिम बंगाल) भी उसी लाइन पर चलेगा। हम बंगाल में न तो कभी सीएए लागू करेंगे और न ही कभी राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (एनपीआर) को लागू करेंगे। आप जो करना चाहो कर सकते हो। संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ 16 दिसंबर से पांच विरोध मार्च और दो रैलियां कर चुकीं बनजी ने कहा, जब तक मैं जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं किया जाएगा। किसी को भी देश या राज्य नहीं छोड़ना पड़ेगा। बंगाल में कोई निरोध केंद्र नहीं होगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तीन जनवरी को जोधपुर में रैली को संबोधित करेंगे

भाषा। जयपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन जनवरी को नागरिकता संशोधन कानून के प्रति लोगो में जागरूकता फैलाने के लिए जोधपुर में एक रैली को संबोधित करेंगे। राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून को लेकर प्रदेशभर में जन-जागरण अभियान के तहत रैलियां शुरू हो गई हैं और इसी क्रम में तीन जनवरी को जोधपुर में एक ब ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन जागरण अभियान के तहत केंद्रीय गृहमंत्री एवं भारतीय जनता पाटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की ब ी रैली को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 50 हजार से भी ज्यादा लोग शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि पाटी ने शाह की रैली के लिए जोधपुर को इसलिए चुना है क्योंकि जोधपुर और उसके आसपास पाकिस्तान से आए बडी संख्या में हिन्दू विस्थापित रहते है और वे सीएए के समर्थन के लिए इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर सीएए के समर्थन में अभियान चलाया

भाषा। नई दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के पक्ष में व्यापक समर्थन जुटाने के मकसद से भाजपा नेताओं ने सोमवार को सोशल मीडिया पर इसके समर्थन में अभियान चलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कानून के समर्थन में इस अभियान के तहत सोमवार को आध्यात्मिक गुरु सदगुरु जग्गी वासुदेव का एक वीडियो पोस्ट किया।

मोदी ने ट्वीट किया, सीएए से जुड़े पहलुओं की स्पष्ट व्याख्या तथा और भी चीजें सदगुरू से सुनिए। उन्होंने तिहासिक संदर्भ का हवाला दिया है और हमारी भाईचारे की संस्कृति का बेहतरीन तथा शानदार तरीके से उल्लेख किया है। इसके साथ ही उन्होंने निहित स्वार्थ वाले कुछ समूहों की गलत सूचनाओं को बेनकाब किया है। प्रधानमंत्री की निजी वेबसाइट के ट्विटर हैंडल पर भी एक संदेश पोस्ट किया गया है जिसमें कहा गया है कि सीएए उत्पीड़न का शिकार हुए शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए है और इसमें किसी की नागरिकता लेने की बात नहीं की गई है। यह संदेश इंडिया सपोर्ट्स सीएए नामक हैशटैग से पोस्ट किया गया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ट्वीट किया, तथ्यों का प्रसार करिए, झूठ का नहीं। पिछले छह वर्षों में 2830 पाकिस्तानी, 912 अफगान और 172 बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता दी गई। इनमें से कई उन देशों के बहुसंख्यक समुदाय से हैं। जावड़ेकर ने कई ट्वीट करके सीएए के विभिन्न पहलुओं का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री के उस कथन को उद्धृत किया कि इसका किसी भी भारतीय नागरिक पर विपरीत असर नहीं होगा। भाजपा नेता जय पांडा ने कहा कि इस कानून का किसी भारतीय नागरिक पर विपरीत असर नहीं होगा। भाजपा ने सीएए को लेकर जागरुकता के प्रसार के लिए देशभर में 10 दिन तक अभियान चलाने का लान किया था।

राष्ट्रद्रोही और मनुष्यता विहीन लोग ही सीएए का विरोध करेंगे : भाजपा विधायक

इंदौर (भाषा)। देश के अलग-अलग भागों में संशोधित नागरिकता कानून सीएएी के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहने के बीच मध्यप्रदेश की भाजपा विधायक उषा ठाकुर ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रद्रोही और संवेदनाओं एवं मनुष्यता से विहीन लोग ही इस कानून का का विरोध करेंगे। इंदौर जिले के महू विधानसभा विधानसभा क्षेत्र की प्रतिनिधि ठाकुर से जब सीएए को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बारे में पूछा गया तब उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, जिन्होंने इस संशोधन अधिनियम (सीएए) को न पढ़ा, न समझ और न जाना, वे ही लोग इसका विरोध कर रहे हैं, और मैं तो यह कहूंगी कि जो राष्ट्रद्रोही हैं, वे ही इस कानून का विरोध करेंगे। जिनकी संवेदनाएं मर चुकी हैं और जिनमें मनुष्यता नहीं है, वे ही लोग इसका विरोध करेंगे। मध्य प्रदेश में सीएए को लागू नहीं करने को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं की बयानबाजी पर प्रमुख विपक्षी दल की विधायक ने कहा, इस कानून को लागू न करना मुख्यमंत्री कमलनाथ के अधिकार क्षेत्र के बाहर की बात है। केंद्र सरकार को कानून बनाने का अधिकार है, जबकि इन कानूनों का पालन कराना राज्य सरकारों की संवैधानिक प्रतिबद्धता है।

हिरासत में चार महीने तक रखे जाने के बाद पांच कश्मीरी राजनीतिक नेता रिहा

भाषा। श्रीनगर

● अधिकारियों ने बताया कि नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के नेताओं को रिहा किया गया है

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने पिछले 148 दिनों से एहतियाती हिरासत में रखे गए पांच राजनीतिक नेताओं को सोमवार को एमएलए हॉस्टल से रिहा कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के नेताओं को रिहा किया गया है। अधिकारी इस बात को लेकर आश्वस्त हुए कि वे लोग अपनी रिहाई के बाद किसी आंदोलन में शामिल नहीं होंगे, ना ही कोई हड़ताल करेंगे। रिहा किए गए इन नेताओं में नेशनल कांफ्रेंस के इशफाक जब्बर और गुलाम नबी भट तथा पीडीपी के बशीर मीर, जहूर मीर और यासिर रेशी शामिल हैं।

रेशी पीडीपी के बागी नेता माने जाते हैं जिन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के खिलाफ बगावत कर दी थी। बाद में रेशी को पाटी के जिला प्रमुख पद से हटा दिया गया। नए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने 25 नवंबर को दो नेताओं - पीडीपी के दिलावर मीर और डेमोक्रेटिक पाटी नेशनलिस्ट के गुलाम हसन मीर - को रिहा किया था। गौरतलब है कि पांच अगस्त को केंद्र ने जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को हटाने और इस राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा की थी। उस दिन से कई नेताओं को उनके घरों से स्थानांतरित कर अन्यत्र ले जाया गया था।

राजनीतिक बंदियों को सेंटूर होटल में रखा गया था और उन्हें नवंबर के तीसरे सप्ताह में एमएलए हॉस्टल भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 34 राजनीतिक बंदियों को डल झील किनारे स्थित होटल से हॉस्टल ले जाया गया था। श्रीनगर में कड़ाके की ठंड की परिस्थितियों और होटल में तापमान नियंत्रित करने वाले उपयुक्त उपकरणों के अभाव के मद्देनजर सा किया गया।

पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों - फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को भी नजरबंद रखा गया। फारूक पर जन सुरक्षा कानून (पीएसए) की धाराएं लगाई गई हैं और उन्हें उनके आवास में ही रखा गया है जबकि उमर और महबूबा को शहर में अलग-अलग स्थानों पर रखा गया है। फारूक पर लगाए गए पीएसए की 15 दिसंबर को समीक्षा की गई थी तथा उन्हें और 90 दिन हिरासत में रखे जाने पर सहमति बनी थी।

सत्ता में आने पर मुस्लिम शरणार्थियों को भी नागरिकता देगी कांग्रेस : पवन खेड़ा

भाषा। शिमला

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा कि सत्ता में आने पर उनकी पाटी नागरिकता कानून में हाल में किए गए संशोधन में बदलाव करेगी और कानून के लाभार्थियों में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के मुस्लिम शरणार्थियों को भी शामिल करेगी। खेड़ा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) से वह गैर मुस्लिम शब्द को हटा देगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा सरकार देश में महिला सुरक्षा और सुरक्षा में कमी और आर्थिक मंदी जैसे वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सीएए लेकर आई।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को तेलंगाना के राजन्ना सिरकिला जिले में मनियर बैक वाटर में प्रार्थना की।

डीजीसीए ने ई-शासन परियोजना के पहले चरण की सेवाएं शुरू की, स्वतः जारी होगा सीपीएल

भाषा। नई दिल्ली

● इस कदम से प्रत्येक वर्ष पायलट बनना चाह रहे 700 से अधिक लोगों को लाभ होगा

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने सोमवार को ई-शासन (ई-जीसीए) परियोजना के पहले चरण की सेवाओं की शुरुआत की। इसके तहत कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएली अब स्वत: जारी होगा।

एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, स्वचालित रूप में सीपीएल-ए शुरू करने से इन लाइसेंसों को जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी और मैन्युअल हैंडलिंग और आवेदनों की प्रोसेसिंग खत्म हो जाएगी। इसमें कहा गया, इस कदम से प्रत्येक वर्ष पायलट बनना चाह रहे 700 से अधिक लोगों को लाभ होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के ई-शासन (ई-जीसीए) के पहले चरण की सेवाओं की शुरुआत सोमवार को नागर विमानन मंत्रालय में सचिव प्रदीप सिंह खरौला ने की। इस अवसर पर डीजीसीए के प्रमुख अरूण कुमार और नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसकी शुरुआत के साथ ही फ्लाइट रेडियो टेलीफोनी परेटर्स लाइसेंस (एफआरटीओएल) के साथ कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल-ए) और इंस्ट्रूमेंट रेटिंग स्वचालित हो गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, आवेदनकर्ता अब खुद का पंजीकरण करने के बाद अपनी उड़ान का विवरण डीजीसीए के पोर्टल के जरिए विस्तार से भर सकेंगे। चीफ फ्लाइट इंस्ट्रक्टर उप मुख्य फ्लाइट इंस्ट्रक्टर द्वारा उड़ान विवरण का सत्यापन कर देने के बाद आवेदनकर्ता सीपीएल-ए नलाइन जारी करने के लिए अपने आवेदनों को डीजीसीए के पास नलाइन जमा कर सकते हैं। इसके तहत आवेदन की जांच होने के बाद डीजीसीए क्यूआर कोड के साथ प्लास्टिक कार्ड के रूप में लाइसेंस जारी करेगा।

सीपीएल-ए जारी करने के अलावा महत्वाकांक्षी पायलटों के लिए वर्ग में नवीन चिकित्सा आकलन ई-जीसीए के जरिए किया जाएगा। इससे महत्वाकांक्षी पायलटों को चिकित्सा आकलन प्रमाण पत्र समय से दिया जा सकेगा। ई-जीसीए परियोजना सेवा प्रदाता के रूप में टीसीएस और परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में पीडब्ल्यूसी के साथ लागू की जा रही है। अगले चरणों में डीजीसीए की अन्य सेवाएं भी स्वचालित हो जाएंगी। इस परियोजना से डीजीसीए की विभिन्न सेवाओं की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी तथा डीजीसीए के सभी कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित होगी। ई-जीसीए परियोजना के वर्ष 2020 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

क्विक न्यूज

तमिलनाडु में जाली मुद्रा रैकेट का पर्दाफाश

कोयंबटूर (भाषा)। जाली मुद्रा के निर्माण और वितरण से संबंधित एक रैकेट का यहां पर्दाफाश हुआ है तथा आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि आरोपियों में द्रमुक का एक कार्यकर्ता भी शामिल है। गोपनीय सूचना के आधार पर अन्नूर यूनियन के सचिव और पूर्व द्रमुक विधायक एलांगो के पुत्र ई आनंदन के वडवली स्थित घर पर शनिवार को तलाशी ली गई। सूत्रों ने बताया कि आनंदन की अनुपस्थिति में उनके घर से एक हजार रुपए के बंद हो चुके नोट बरामद हुए। उन्होंने कहा कि जांच करने पर पता चला कि प्रतिबंधित एक हजार रुपए के नोट पर रखे थे और से 100 नोटों का बंडल बनाने के लिए उनके नीचे गुलाबी रंग का कागज रखा गया था। पुलिस के मुताबिक से 934 बंडल मिले। आवास से इन बंडलों के अतिरिक्त रुपए गिनने वाली मशीन, गुलाबी पाउडर का पैकेट, एक एअरगन और पेलेट जैसी चीजें भी बरामद हुई। उन्होंने कहा कि आनंदन और उनके दो सहयोगियों शेख और रशीद के खिलाफ मामले दर्ज किए गए है। आरोपियों को पक ने के लिए पुलिस के एक विशेष दल का गठन किया गया है।

नगालैंड विधानसभा के अध्यक्ष विखो-ओय योशू का निधन

कोहिमा (भाषा)। नगालैंड विधानसभा के अध्यक्ष विखो-ओ-योशू का मुंबई के एक अस्पताल में सोमवार को निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह पिछले कई महीनों से पेफ्फड़ों के कैंसर से पीड़ित थे। वह 67 वर्ष के थे। इस साल के शुरू में नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के नेता योशू के पेफ्फड़ों के कैंसर से पीड़ित होने का पता चला जिसके बाद से उनका मुंबई के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनके परिवार में उनकी पत्नी तथा 10 बच्चे है। योशू कोहिमा जिले की दक्षिणी अंगामी-। निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। साल 2008 और 2013 में वह नगा पीपल्स फ्रंट (एनडीएफ) के टिकट पर जीते और कई विभागों में सलाहकार और संसदीय सचिव के तौर पर सेवा दी। वह 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले एनडीपीपी में शामिल हो गए। वह दक्षिणी अंगामी-। सीट से 2018 में लगातार तीसरी बार जीते और राज्य विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए।

ड्रग विवाद के बीच गोवा के मंत्री ने कहा, राज्य ने सनबर्न से 250 करोड़ रुपए कमाए

भाषा। पणजी

गोवा में सनबर्न महोत्सव के दौरान बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के इस्तेमाल के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच पर्यटन मंत्री मनोहर अजगांवकर ने सोमवार को दावा किया कि राज्य ने इस इलेक्ट्रॉनिक नृत्य संगीत महोत्सव से 250 करोड़ रुपए कमाए और इसे वर्ष में दो बार आयोजित किया जाना चाहिए।

मंत्री ने शुक्रवार से रविवार तक चले महोत्सव के इस साल के संस्करण के दौरान तीन लोगों की मौत के मामले की विस्तृत जांच का भी वादा किया। इससे पहले शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के रहने वाले दो लोगों की अस्पताल में मौत हो गई। उन्हें उत्तरी गोवा के वेगाटोर समुद्र तट पर सनबर्न कार्यक्रम स्थल के द्वार पर खड़े होने के दौरान बेचैनी के बाद अस्पताल में भती कराया गया था। रविवार रात, बेंगलुरु के एक आगंतुक ने महोत्सव स्थल पर "अत्यधिक बेचैनी" की शिकायत की, जिसकी मापुसा के एक अस्पताल में भती कराए जाने के कुछ ही मिनट बाद मौत हो गई।

पुलिस ने इस मामले पर कहा कि वे पोस्टमॉर्टम रिपोर्टों की प्रतीक्षा कर रही है। वहीं विपक्षी कांग्रेस ने दावा किया कि इन मौतों का कारण "मादक पदार्थों का अत्यधिक सेवनै हो सकता है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री प्रमोद कुमार सावंत पर गोवा में मादक पदार्थों की समस्या से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। वहीं पर्यटन मंत्री अजगांवकर ने मौतों की विस्तृत जांच का आश्वासन देते हुए सोमवार को कहा कि, सनबर्न महोत्सव में किसी प्रकार के मादक पदार्थ नहीं बेचे गए।

उन्होंने कहा, हमने यह सुनिश्चित किया था कि जो कोई भी महोत्सव में शामिल हो उसकी सघन तलाशी ली जाए। मंत्री ने दावा किया, लोगों ने (महोत्सव में) संगीत का आनंद लिया। कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और तीन दिन के दौरान अकेले सनबर्न महोत्सव के चलते 250 करोड़ रुपए की कमाई हुई। आसपास के सभी होटल खचाखच भरे रहे। उन्होंने कहा कि विभिन्न पर्यटन वर्गों ने दक्षिण गोवा में सनबर्न महोत्सव का दूसरा संस्करण आयोजित करने की मांग की है ताकि वहां की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले।

अमृतसर में अपनी कार्यशाला में नए साल के लिए विशेष रूप से बनाई गई पतंगों को प्रदर्शित करते जगमोहन कनौजिया

एडवा सम्मेलन में सदस्यों ने साम्प्रदायिक राजनीति से लड़ने का संकल्प लिया

भाषा। मुंबई

मुंबई में सोमवार को आयोजित अल इंडिया डेमोक्रेटिक वुमेन एसोशिएसन (एडवा) के 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने हिंदुत्व समूहों की महिला विरोधी एवं साम्प्रदायिक राजनीति के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया। सम्मेलन में नरेंद्र मोदी सरकार की सांप्रदायिक और मनुवादी विचारधारा का विरोध करते हुए यह दावा किया गया कि लंबे समय के संघर्ष के बाद महिलाओं ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उसे पलटा जा रहा है। इस सम्मेलन में राजग सरकार द्वारा महिलाओं और विशेष रूप से अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा में तेजी से आई वृद्धि के बारे में चर्चा की गई।

मेडिकल कॉलेजों में अब निजी क्षेत्र, प्रवासी भारतीय डॉक्टर भी पढ़ा सकेंगे

भाषा। नई दिल्ली

एमबीबीएस और स्नातकोत्तर के छात्रों को पढ़ाने के लिए मेडिकल कॉलेज अब अंशकालिक आधार पर प्रवासी भारतीयों सहित निजी क्षेत्र के डॉक्टरों की नियुक्ति भी कर सकेंगे। यह बात एक सरकारी अधिसूचना में कही गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नए नियम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्सी, पीजीआई चंडीगढ़ और पुडुचेरी स्थित जेआईपीएमईआर पर लागू नहीं होंगे, जिनकी स्थापना संसद से पारित कानूनों के तहत की गई है। चिकित्सा शिक्षा नियामक भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) की शक्तियां प्राप्त संचालन मंडल (बीओजी) का निर्णय निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षकों की कमी को दूर करने पर केंद्रित है।

पुराना नियम निजी डॉक्टरों को मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने की अनुमति नहीं देता था। बीओजी ने अब चिकित्सा संस्थानों में शिक्षकों के लिए न्यूनतम योज्ञता पर मौजूदा नियमों में संशोधन कर एक नया खंड शामिल किया है। चिकित्सा संस्थान (संशोधनी नियम 2019 में शिक्षकों के लिए न्यूनतम योज्ञता से संबंधित नियमों के अनुसार अंशकालिक आधार पर नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों को विजिटिंग फैकल्टी कहा जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि चिकित्सा संस्थानों में भारतीय समुदाय के समावेश को प्रोत्साहित करने के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में प्रवासी भारतीयों की नियुक्ति भी की जा सकती है।

मुसलमानों के संवैधानिक अधिकार सुरक्षित : नकवी

● नकवी का कहना है कि मुसलमानों को किसी कानून से चिंता करने जरूरत नहीं हैं

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का कहना है कि मुसलमानों को किसी कानून से चिंता करने जरूरत नहीं हैं क्योंकि उनके सामाजिक, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने रविवार को इस बात पर जोर भी दिया कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर कुछ राजनीतिक दलों की ओर से चलाया जा रहा फजी प्रचार बेनकाब होगा और सच्चाई की जीत होगी।

नकवी ने मुस्लिम समुदाय को भरोसा दिलाने वाली बात से वक्त की है जब देश के कई हिस्सों में सीएए और एनआरसी को लेकर विरोध हो रहा है तथा कई राजनीतिक दल एवं समूह यह आरोप लगा रहे हैं कि सीएए मुस्लिम विरोधी है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, भारत में मुसलमान मजबूरी में नहीं, बल्कि अपनी प्रतिबद्धता के साथ रह रहे हैं। उनके सामाजिक, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने यह भी कहा, भारत और भारतीयों के डीएनए में सहिष्णुता और सौहार्द रचा-बसा है। नकवी ने कहा, जिस प्रधानमंत्री ने गरीबों को घर दिया हो और उनके घरों तक रोशनी पहुंचाई हो, वह गरीबों को कैसे बेघर कर सकता है?

मुस्लिम समुदाय ने 2019 में सिर्फ सीएए, एनआरसी और एनपीआर के कारण ही नहीं, बल्कि तीन तलाक विरोधी कानून को लेकर खुद को चर्चा के केंद्र में पाया। बहरहाल, इस साल अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के कई कार्यों एवं योजनाओं की भी चर्चा हुई। साल 2019 में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए मंत्रालय ने कई कदम उठाए। 80 लाख छात्रों को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्तियां और 1.25 लाख से अधिक युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने 3 लाख गरीब, जरूरतमंद ल कियों को बेगम हजरत महल स्कॉलरशिप अलग से दी। मदरसों को मुख्यधारा की शिक्षा से जो ने के कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों के 750 से अधिक मदरसा शिक्षकों को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा मुख्यधारा की शिक्षा की ट्रेनिंग दी गई, जिनमें ब ी संख्या में महिला शिक्षक शामिल हैं। मंत्रालय ने अगले 5 वर्षों में 100 से ज्यादा हुनर हाट आयोजित करने का निर्णय लिया है जिसके माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के दस्तकारों, शिल्पकारों, पारम्परिक खानसामों को रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएंगे।

मोदी सरकार-2 के पहले 6 महीनों में ही प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत देश भर में 100 कॉमन सर्विस सेंटर स्वीकृत किए गए हैं जो जरूरतमंदों के लिए सिंगल-विंडो सहायता केंद्र की तरह काम करेंगे। इन सेंटर में आम लोगों को केंद्र-राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी भारत पूरी दुनिया का सा पहला देश बन गया है जहा हज 2020 सौ प्रतिशत डिजिटल प्रक्रिया से हो रहा है।

उकसावे नहीं, शांति को प्राथमिकता मिलनी चाहिए: नकवी

नई दिल्ली (भाषा)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की पाकिस्तानी जाने वाली टिप्पणी को लेकर ख हुए विवाद की पृष्ठभूमि में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि हर स्तर पर उकसावा नहीं, बल्कि शांति प्राथमिकता होनी चाहिए। नकवी ने कहा कि अगर यह वीडियो सही है तो उचित कार्रवाई होनी चाहिए। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में पुलिस अधिकारी कथित तौर पर यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करने वाले पाकिस्तान जा सकते हैं। नकवी ने कहा, सीएए के बारे में कोई गलत प्रचार नहीं होना चाहिए और उकसावे वाली कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, किसी भी स्तर पर उकसावा नहीं, बल्कि शांति प्राथमिकता होनी चाहिए। नकवी ने गत शनिवार को कहा था कि अगर वीडियो सही है तो पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। नकवी ने रविवार को कहा कि मुसलमानों को किसी कानून से चिंता करने जरूरत नहीं हैं क्योंकि उनके सामाजिक, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार सुरक्षित हैं।

मुंबई के लालबाग में वर्ष 2019 की महत्वपूर्ण घटनाओं के चित्रों के साथ बाल कलाकारों ने तस्वीरें खिंचवाईं

पश्चिमी राजस्थान में टिड्डी हमले से हुए फसलों के नुकसान की गिरदावरी शुरू की जाएगी : गहलोत

जयपुर (भाषा)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के पश्चिमी हिस्से में टिड्डियों के हमले से हुए फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए शीघ्र गिरदावरी (सर्वेक्षण) शुरू करने की सोमवार को घोषणा की। गहलोत ने सोमवार को धनौआ क्षेत्र का दौरा किया और अधिकारियों के साथ एक बैठक की। उन्होंने ने किसानो के साथ मिलकर टिड्डियों के हमले से हुए फसलों के नुकसान की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, फसलों को हुए नुकसान के आंकलन के लिए मैंने गिरदावरी शुरू करने के आज निर्देश दिए।

केरल में गिरजाघर ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल, नमाज अदा करने के लिए खोले दरवाजे

भाषा। कोच्चि

केरल के कोथामंगलम के निकट एक गिरजाघर ने सांप्रदायिक सौहार्द की तिहासिक मिसाल पेश करते हुए अपने दरवाजे सीएए विरोधी प्रदर्शनों में भाग ले रहे सैकड़ों मुसलमानों के लिए खोल दिए ताकि वे नमाज अदा कर सकें। नमाज पढ़ाने वाले केरल के मुसलमानों के प्रभावशाली धर्मगुरू सैयद मुनव्वर अली शहाब थांगल ने बताया, कोथामंगलम में प्राचीन गिरजाघर के अधिकारियों ने जब हमें मगरिब की नमाज अदा करने के लिए जगह दी तो मैंने भारत की वास्तविक आत्मा को महसूस किया।

अल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस एआईपीसीसी की केरल शाखा द्वारा आयोजित सेक्यूलर मार्च जब चेरिया पल्ली नाम से मशहूर गिरजाघर के निकट पहुंचा तो मगरिब सूर्यास्त के ठीक बाद होने वाली नमाजी की नमाज पढ़ने के लिए कहा गया। एआईपीसी नेता मैथ्यू कुझलनादन ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोगों को नमाज पढ़ने में देरी न हो, इसके लिए गिरजाघर के प्राधिकारियों से संपर्क किया गया और उसने गिरजाघर के परिसर में नमाज अदा करने का अनुरोध किया गया।

उन्होंने कहा कि गिरजाघर के प्राधिकारियों ने तुरंत दरवाजे खोलकर अपने मुसलमान भाईयों का खुले दिल से स्वागत किया। गिरजाघर के मुख्य पादरी ने नमाज के लिए चटाइयों और माइक का इंतजाम किया। अल इंडिया मुस्लिम लीग (आईयूएमएस) पर नियंत्रण रखने वाले पनक्कड़ थांगल परिवार के सदस्य सैयद मुनव्वर अली शहाब थांगल ने कहा, गिरजाघर के प्राधिकारियों ने जो शिष्टाचार दिखाया - उसने हमारे बीच एक अलग तरह की भावना पैदा की - इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमने धर्मनिरपेक्षता और भारत की आत्मा को महसूस किया।

जासूसी रैकेट पकड़े जाने के बाद नेवी ने रोका स्मार्ट फोन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● नौसेना प्रतिष्ठानों, युद्धक पोतों आदि पर इस्तेमाल प्रतिबंधित, सात नाविकों की गिरफ्तारी के बाद उठाया गया कदम

हाल ही में जासूसी रैकेट का भंडाफोड़ होने तथा सात नाविकों की गिरफ्तारी के बाद नौसेना ने अपने कर्मचारियों पर नौसेना प्रतिष्ठानों, युद्धक पोतों पर फेसबुक के साथ साथ स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। गिरफ्तार किए गए नाविकों को फंसाने के लिए हनी ट्रैप का इस्तेमाल किया गया और बाद में संवेदनशील जानकारियां देने के लिए सोशल मीडिया के जरिये उन्हें कथित तौर पर ब्लैकमेल किया गया था। इस घटना के मद्देनजर नौसेना ने ऐसा सख्त कदम उठाने का फैसला किया।

नौसेना के सूत्रों ने सोमवार को कहा 'नौसेना कर्मियों के स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया के उपयोग पर पहले से भी निर्देश थे। नए निर्देश में कहा गया है कि वे नौसेना प्रतिष्ठानों और नौसेना प्लेटफार्मों पर स्मार्ट फोन का उपयोग नहीं करेंगे।' इसके अलावा मैसेजिंग ऐप पर जल्द ही निर्देश जारी किए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि ताजा आदेश सूचना की सुरक्षा के मद्देनजर है और इसमें हाल ही में विशाखापट्नम में सात नाविकों की घटना पर विचार करते हुए यह फैसला किया गया है। उन्होंने कहा 'हम जानते हैं कि इससे थोड़ी परेशानी होगी लेकिन यह फैसला व्यापक राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिया गया है। नौसेना खुफिया इकाई और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ आंध्र प्रदेश पुलिस ने हाल ही में एक हवाला ऑपरेटर के साथ सात नाविकों को गिरफ्तार किया था।

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ आंदोलनरत संगठन ने कहा: मंदिर खुलने पर कड़ी सतर्कता बरतेंगे

भाषा। नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर में मकर संक्रांति पूजा को लेकर मीटिंग के दौरान पुलिसकर्मी

सबरीमला मंदिर के कपाट खोले जाने से एक दिन पहले सोमवार को एक संगठन ने कहा कि किसी भी प्रकार से धार्मिक भावना आहत न हो यह सुनिश्चित करने के लिए वह मंदिर और उसके आसपास कड़ी चौकसी बरतेगा। केरल में स्थित प्रसिद्ध सरबीमला मंदिर को मकरविलक्कू उत्सव के लिए मंगलवार को खोला जाएगा। अखिल भारतीय सबरीमला कार्य परिषद (एआईएसएसी) मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं को प्रवेश की अनुमति के खिलाफ आंदोलनरत है। एआईएसएसी ने सोमवार को इस बात पर राहत जताई कि हाल में (27 दिसंबर को) सम्पन्न हुए मंडलम उत्सव में भगवान अयप्पा के मंदिर में रजस्वला (10 वर्ष से 50 वर्ष) आयुवर्ग की किसी महिला ने प्रवेश नहीं किया। एआईएसएसी के महासचिव एस जे आर कुमार ने कहा कि परिषद को उम्मीद है कि उस मंदिर की पवित्रता, परम्पराओं, अनुष्ठानों और रस्मों की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी जहां प्रतिष्ठापित भगवान एक ब्रह्मचारी योगी है। कुमार ने कोच्चि से फोन पर पीटीआई भाषा से कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए मंदिर परिसर में और इसके आस पास सतर्कता बरतना जारी रखेंगे कि तीर्थयात्रियों की भावनाएं एवं धार्मिक आस्थाएं किसी भी प्रकार आहत नहीं हों। उन्होंने प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की पांच दिसंबर की इस टिप्पणी पर खुशी जताई कि सभी आयुवर्ग की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति देने के संबंध में 2018 में दिया गया उच्चतम न्यायालय का फैसला अंतिम शब्द नहीं है और मामले को वृहद पीठ को सौंपा गया है।

चंबल के बीहड़ अब भैंस चोरी के लिए हो रहे कुख्यात

भोपाल (भाषा)। कभी दस्यु समस्या के लिए कुख्यात रहे चंबल के बीहड़ अब भैंस चोरी के लिए कुख्यात हो रहे हैं। पहले जहां डकैत फिरौती के लिए लोगों का अपहरण करते थे, वहीं अब फिरौती के लिए पशु चोर भैंस चुराने की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। मध्य प्रदेश के चंबल क्षेत्र में चोरी की भैंस को वापस करने के बदले जो फिरौती वसूली जाती है, उसे स्थानीय भाषा में पनिहाई कहा जाता है। चंबल के मुरैना जिले में पुलिस ने इस साल भैंस चोरी के 23 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार कुछ भैंस चोरों के पास लाइसेंसी बंदूक तक हैं। उनका कहना है कि कई भैंस चोरों का तो राजनीतिक गलियारों में भी दबदबा है। मुरैना जिले में इस साल भैंस चोरी के 23 मामले दर्ज हुए हैं जो पिछले साल इस अवधि में दर्ज मामलों से छह अधिक हैं।

पेज एक का शेष

प्रियंका ने...

लिए अग्रिम सुरक्षा इंतजाम किए गए थे और राज्य सरकार के अधिकारियों को इस बारे में बताया गया था। बल ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी जहां रुकीं थीं, वहां सुबह आठ बजे उत्तर प्रदेश पुलिस के सीओ मिलने पहुंचे तो कांग्रेस नेता के निजी कर्मचारियों ने उन्हें उस दिन के कार्यक्रम की विस्तृत सूचना नहीं दी। बल ने कहा कि प्रियंका गांधी की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई, हालांकि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एसआर दारापुरी के घर जाने के लिए जब उन्होंने दोपहिया वाहन की सवारी की तो उस दौरान कम से कम तीन सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हुआ। इसमें कहा गया कि यात्रा के दौरान उन्होंने बिना निजी सुरक्षा अधिकारी के उस वाहन का इस्तेमाल किया जो बुलेट रोधी नहीं था। इस बयान के अनुसार प्रियंका ने स्कूटी पर लिफ्ट ली, वह स्कूटी पर पीछे बैठ कर चली गइ', जबकि सुरक्षा अवरोध के बावजूद, बल ने कांग्रेस नेता को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई। उसने कहा, सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति को सुरक्षा में सी चूक की जानकारी दे दी गई है और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा बंदोबस्त सुनिश्चित करने की सलाह भी दी गई है। प्रियंका गांधी 28 दिसंबर को लखन में थीं और उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने उनके सुरक्षा कर्मियों को धमकियां दीं तथा उन्हें आगे न जाने की चेतावनी दी गई।

प्रियंका का वार...

प्रियंका ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवा धारण किया है। यह भगवा आपका नहीं है। यह भगवा हिन्दुस्तान की धार्मिक आत्धयात्मिक परंपरा का है। यह हिन्दू धर्म का चिन्ह है। उस धर्म में रंज, हिंसा और बदले की भावना की कोई जगह नहीं है। प्रियंका ने कहा यह कृष्ण भगवान का देश है जो करुणा के प्रतीक हैं। भगवान राम करुणा के प्रतीक हैं। शिव जी की बारात में सब नाचते हैं। इस देश की आत्मा में हिंसा, बदला, रंज इन चीजों की जगह नहीं है। जैसे कृष्ण ने अर्जुन को प्रवचन दिया। महाभारत के युद्ध में जब वह महान योद्धा युद्ध के मैदान में खड़े थे तब कृष्ण ने रंज और बदले की बात नहीं की। उन्होंने करुणा और सत्य की बात उभारी। प्रियंका ने आरोप लगाया कुछ दिनों से हम सब और पूरा प्रदेश देख रहा है कि प्रदेश सरकार, प्रशासन और पुलिस द्वारा कई जगह अराजकता फैलाई गई है। उन्होंने जो कदम उठाए हैं उनका न्यायिक या लीगल आधार नहीं है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि आज सुबह उनकी पार्टी की तरफ से राज्यपाल को एक चिट्ठी भेजी गई है। जिसमें विस्तार से पूरी जानकारी दी गयी है। प्रियंका ने बिजनौर हिंसा में मारे गए 21 वर्षीय अनस और 22 वर्षीय सुलेमान का उल्लेख करते हुए परिजनों की ओर से बताए गए पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। यह भी कहा कि पुलिस ने इनके परिवार को धमकाया कि आप एफआईआर दर्ज करोगे तो आपके ऊपर और मुकदमे होंगे। उन्होंने लखनऊ पुलिस द्वारा जेल भेजे गए रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी एसआर दारापुरी और कांग्रेस प्रवक्ता सदफ जाफर के मामलों का भी उल्लेख किया। दोनों को निर्दोष बताते हुए कहा कि इन्हें ऐसी लिस्ट में डाला गया जिसमें 48 लोगों के नाम है जिन पर गंभीर धाराओं के केस लगाये गए हैं जबकि दारापुरी अपने घर पर थे और सदफ जाफ र वीडियो बना रहीं थीं और तीसरे दीपक कबीर सदफ जाफर के बारे में थाने में पूछने गए और उन्हें अरेस्ट कर लिया गया और उन्हें भी 48 लोगों की लिस्ट में डाल दिया गया और गंभीर धाराएं लगा दी गयीं। इसी तरह से वाराणसी में भी कई बच्चे बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के और दूसरी यूनिवर्सिटी के हैं शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे उन्होने कोई हिंसा नहीं की, उनको भी उठाकर जेल में डाला गया है। अपनी सुरक्षा को लेकर हुए सवाल पर पह बोलीं, मेरी सुरक्षा का सवाल एक बड़ा सवाल नहीं है। यह छोटा सवाल है, जिस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। आज हम प्रदेश की आम जनता की सुरक्षा का सवाल उठा रहे हैं।

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर भाजपा के जागरूकता अभियान के बारे में प्रतिक्रिया पूछी गई तो उन्होंने कहा यह जागरूकता अभियान नहीं, झूठों का अभियान है। जिस तरह नोटबंदी ने सबको प्रताड़ित किया, उसी तरह नागरिकता कानून ने भी प्रताड़ित किया है। इस सवाल पर कि क्या लोगों के पास वैध नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं होना चाहिए, प्रियंका ने कहा एनआरसी वैध नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। एनआरसी का इससे कोई ताल्लुक नहीं हे। ये बहाना है एनआरसीलागू करने का। कांग्रेस के सारे मुख्यमंत्रियों ने कह दिया है कि उनके प्रदेश में एनआरसी नहीं लागू होगा। अन्य पार्टियों ने भी कह दिया है। जनता ही यह लागू नहीं होने देगी। महिलाओं पर अत्याचार को लेकर किए गए सवाल पर प्रियंका ने कहा कि महिलाओं पर जब जब अत्याचार हो रहा है, तब तब कांग्रेस आवाज उठा रही है, चाहे वह उन्नाव का मामला हो, शाहजहांपुर और मैनपुरी का मामला हो। सार्वजनिक संपत्ति को जलाया जाना कितना उचित है ? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा पहले तो स्पष्ट होना चाहिए कि किसने जलाया ? सबसे पहले जांच होनी चाहिए। तब पूरी तरह कार्रवाई करें। बिना जांच के आप इस तरह की कार्रवाई कैसे कर सकते हैं जो सरकार कर रही है।

भाजपा का पलटवार...

खुश होने वाला नहीं है और न ही भगवा को छोड़ने वाला है। आप जितनी गाली देंगी, उतना ही हमारा आत्मबल बढ़ता जाएगा गांधी ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा था कि बदला लेने की बात करने वाले योगी ने उस हिन्दू धर्म के चिन्ह यानी भगवा को धारण किया है जिसमें हिंसा और बदले की भावना की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के बदला लेने के बयान पर पुलिस प्रशासन कायम है। इस देश के इतिहास में शायद पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने सा बयान दिया। शर्मा ने एक सवाल पर कहा कि मुख्यमंत्री ने बदले में शब्द का प्रयोग किया था मगर उनका मतलब हिंसा में तोड़ी गई सरकारी सम्पत्ति के बदले में उसके दोषियों की सम्पत्ति बेचकर भरपाई करने से था।

हिन्दी भाषा...

डॉ. मनमोहन सहगल को लोहिया साहित्य, डॉ. बदरी नाथ कपूर को हिन्दी गौरव, भगवान सिंह को महात्मा गांधी, साहित्य डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय को पं दीनदयाल उपाध्याय साहित्य सम्मान, डॉ. कमल कुमार को अवन्तीबाई साहित्य, मणिपुर हिन्दी परिषद इंफाल के महासचिव डॉ. अरिबम्ब ब्रज कुमार शर्मा को राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन, डॉ. उदय नारायण गंगू को प्रवासी भारतीय हिन्दी भूषण, तथा डॉ. बंडार मेणिके विजेतुंग को हिन्दी विदेश प्रसार सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय साहित्य सम्मान से सम्मानित डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय द्वारा रचित पुस्तक सांस्कृतिक विचार की अविराम भारतीय यात्रा का विमोचन किया। ज्ञातव्य है कि हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित डॉ बदरी नाथ कपूर अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम में प्रतिभाग नहीं कर सके। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, जलशक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह, हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त तथा निदेशक श्रीकान्त मिश्र सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

दिल्ली में सदी ...

मौसम वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि आज दिन का तापमान अपने औसत से लगभग आधा था। सर्दी के सितम को देखते हुए मौसम विभाग ने साढ़े तीन बजे ट्वीट कर कहा कि पिछले 119 साल में आज सबसे सर्द दिन रहने का अनुमान है, क्योंकि दोपहर ढाई बजे सफदरजंग में तापमान 9.4 और पालम में 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को सुबह घने और उसके बाद पूरे दिन हल्के कोहरे की चादर राजधानी के ऊपर छायी रही। सुबह साढ़े आठ बजे पालम और सफदरजंग में दृश्यता जीरो रही। शहर में औसत न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी एक से तीन जनवरी तक हिमालीय क्षेत्र में बारिश होने की संभावना है। दो तारीख को ओले भी पड़ सकते हैं। हरियाणा और पंजाब में भी सोमवार को कई जगहों पर तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। पंजाब में फरीदकोट सबसे सर्द स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से छह डिग्री नीचे 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा में रोहतक 1.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र जेनामणि ने बताया कि 1976 में छह दिन शीतलहर चली थी। इसके बाद नब्बे के दशक के आखिर में यह सामान्य बात हो गई। यदि कोहरे और हल्के बादल छाएंगे तो निश्चित ही दिन ठंडे होंगे क्योंकि दिन में सूरज की रोशनी जमीन तक नहीं आती। मंगलवार को अधिकतम तापमान 12 और न्यूनतम 3 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। साथ ही नया साल हल्की बारिश के साथ आएगा।

ठंड का कहर ...

को राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरना पड़ा। वहीं लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एक उड़ान रद्द कर दी गई। जबकि लखनऊ से वाया जम्मू होते हुए श्रीनगर जाने वाली इंडिगो की उड़ान काफी विलंब से जम्मू के बजाय सीधे श्रीनगर को रवाना हो सकी। वहीं कई ट्रेन भी घंटों देर से चलीं और अपन गंतव्य को पहुंचीं।

कोल्ड डायरिया, ब्रेन स्ट्रोक, हार्टअटैक की चपेट से हो रही मौतों का सिलसिला जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक गलन से दिल दिमाग की नसें सिकुड़ रहीं हैं। ब्रेन स्ट्रोक भी सबसे बड़ी समस्या है। महोबा, हमीरपुर, इटावा, कानपुर देहात में सर्दी से 2-2 जबकि बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, हरदोई में एक-एक मौत हुई। कड़कड़ाती ठंड बुजुर्गों के लिए जान लेवा बन गई। एटा में अलग-अलग जगह सर्दी से बीमार पड़े तीन लोगों की मौत हो गई। परिवारीजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार इस बार दिसंबर के मध्य में ही देश के पश्चिमी हिस्से में दो पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय रहे। इसके कारण जम्मू, कश्मीर, हिमाचल सहित पश्चिम के राज्यों में जमकर बर्फबारी हुई जिससे उधर से आने वाली हवा ने उत्तर प्रदेश को प्रभावित किया। एक पश्चिमी विक्षोभ 31 दिसंबर की रात से बिहार के ऊपर से गुजरने वाला है इस कारण तापमान में थोड़ी वृद्धि होगी। साथ ही एक जनवरी की रात से यूपी के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। इसका प्रभाव 4 जनवरी तक रहेगा। फिर इसका प्रभाव खत्म होते ही 5 जनवरी से फिर कड़ाके की ठंड पड़ेगी। मंगलवार को हवा का रुख भी बदलेगा और यह पुरवाई हो जाएगी। अभी पछुआ चल रही है, जो अपने साथ ठंड ला रही है।

जनरल बिपिन...

नियंत्रण रेखा, चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा और पूर्वोत्तर में विभिन्न संचालनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुके थे। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पिछले मंगलवार को सीडीएस का पद बनाए जाने को मंजूरी दी थी जो तीनों सेनाओं से जुड़े सभी मामलों में रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार के तौर पर काम करेगा।

उद्धव मंत्रिमंडल...

अनिल देशमुख को भी मंत्रालय में जगह दी गई है। ये दोनों पूर्व की कांग्रेस-एनसीपी सरकार में मंत्री थे। 2014 के विधानसभा चुनाव में दोनों हार गए थे लेकिन इस साल अक्टूबर में हुए चुनाव में उन्हें जीत हासिल हुई। एनसीपी नेता और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप वाल्से पाटिल, विधान परिषद में विपक्ष के पूर्व नेता धनंजय मुंडे और विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी नेता शरद पवार मौजूद थे। भाजपा नेताओं और शिवसेना के सांसद संजय राउत ने मंत्रिपरिषद के विस्तार के समारोह में हिस्सा नहीं लिया। एक भाजपा नेता ने कहा, इस सरकार ने महाराष्ट्र के किसानों की अपेक्षाएं पूरी नहीं की हैं। हमारी इस समारोह में भाग लेने की इच्छा नहीं हुई। एक अन्य भाजपा नेता ने कहा, जब उद्धव ठाकरे ने पिछले महीने शिवाजी पार्क में शपथ ग्रहण की थी तब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस समेत राज्य भाजपा के नेताओं ने उसमें शिरकत की थी। कैबिनेट के विस्तार के हर कार्यक्रम में शामिल होना आवश्यक नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि संजय राउत ने उनके भाई और शिवसेना के विधायक सुनील राउत को मंत्रिपरिषद में जगह नहीं दिए जाने के कारण समारोह में शिरकत नहीं की। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की सरकार का गठन 28 नवंबर को हुआ था। ठाकरे के साथ कांग्रेस के बालासाहेब थोराट, नितिन राउत और शिवसेना के एकनाथ शिंदे और सुभाष देसाई तथा एनसीपी के जयंत पाटिल और छगन भुजबल ने उसी दिन शपथ ले ली थी। महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा 43 मंत्री हो सकते हैं।

जातिगत व्यवस्था खत्म करना समय की जरूरतः वेंकैया

भाषा। वरकला (केरल)

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को कहा कि आर्थिक और तकनीकी मोर्चे पर देश ने महत्वपूर्ण कामयाबी अर्जित की है लेकिन जाति, समुदाय और लिंग के आधार पर भेदभाव के बढ़ते मामले बड़ी चिंता का कारण हैं। उन्होंने कहा कि जातिगत भेदभाव खत्म किया जाना समय की जरूरत है। राज्य की राजधानी से 45 किलोमीटर दूर शिवगिरि मठ में 87वें शिवगिरि श्रद्धालु सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि देश से जाति व्यवस्था खत्म होनी चाहिए और भविष्य का भारत जाति विहीन तथा वर्ग विहीन होना चाहिए। उन्होंने गिरजाघरों, मस्जिदों और मंदिरों के प्रमुखों से जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करने के लिए काम करने को कहा। नायडू ने कहा कि मठ के संस्थापक श्री नारायण गुरु महान संत और क्रांतिकारी मानवतावदी थे, जिन्होंने जाति व्यवस्था और अन्य विभाजनकारी प्रवृत्ति को खारिज किया। उन्होंने कहा कि भारत को आर्थिक और तकनीकी मोर्चे पर महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है लेकिन देश में कुछ से हिस्से हैं जहां सामाजिक बुराइयां विद्यमान हैं।उपराष्ट्रपति ने कहा, हम अशांति के समय में रह रहे हैं। जाति, समुदाय और लिंग के आधार पर भेदभाव बढ़ना बड़ी चिंता का कारण है। हम सबको आत्म विश्लेषण करना होगा और व्यावहारिक कदम उठाना होगा।

नायडू ने कहा कि खासकर सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों के संदर्भ में गुरु की सीख आज के समय में भी प्रासंगिक है। वार्षिक शिवगिरि तीर्थयात्रा पर उन्होंने कहा कि हर साल श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या साफ संकेत है कि गुरु के अनुयायियों के लिए शिवगिरि पूजा-अर्चना का शीर्ष केंद्र बन गया है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी और राज्य के मंत्री के सुरेंद्रन समेत अन्य लोग इस अवसर पर मौजूद थे।

आयरलैंड के पीएम नए साल का जश्न गोवा में मनाएंगे

भाषा। पणजी

आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर नए साल का उत्सव मनाने के लिए गोवा पहुंच गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह भारत की निजी यात्रा पर हैं और उत्तरी गोवा जिले में एक रिसॉर्ट में रुकेंगे।उन्होंने बताया कि रिसॉर्ट के आस-पास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

अधिकारी ने कहा, प्रधानमंत्री वराडकर पूरी तरह से निजी यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा के दौरान किसी तरह के आधिकारिक कार्यक्रम की योजना नहीं है। वह अपने परिवार के साथ एक जनवरी तक गोवा में रहेंगे। अधिकारी ने बताया कि वह एक जनवरी को दोपहर बाद डैबोलिम हवाईअड्डे से अपने देश के लिए रवाना हो जाएंगे। रविवार को वराडकर अपने परिवार के सदस्यों के साथ महाराष्ट्र के सिंधदुर्ग जिले में स्थित अपने पैतृक गांव वराड गए थे।

वराडकर जून 2017 में आयरलैंड के प्रधानमंत्री बने थे।

जम्मू में गुरु गोविंद सिंह के जन्मदिन पर सिख समुदाय ने निकाला नगर कीर्तन

जदयू को 2020 के विधानसभा चुनाव में अधिक सीटों पर लड़ना चाहिए : प्रशांत

भाषा। पटना

संशोधित नागरिकता कानून और एनआरसी को लेकर भाजपा के खिलाफ लगातार आक्रोश जाहिर करने के बाद जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर का कहना है कि बिहार में राजग की वरिष्ठ साझेदार होने के नाते उनकी पाटी को आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के मुकाबले अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। दोनों दलों ने इस साल लोकसभा चुनाव में बराबर बराबर सीटों पर चुनाव लड़ा था। किशोर ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा, मेरे अनुसार लोकसभा चुनाव का फार्मूला विधानसभा चुनाव में दोहराया नहीं जा सकता।

वहीं भाजपा ने किशोर के इस बयान पर निराशा जाहिर की है। पाटी बिहार में अपना पलड़ा भारी रखने की जुगत में है और नीतीश कुमार से खुद को कम आंकने के लिए कहीं से भी तैयार नहीं है।

राज्य में भाजपा के प्रवक्ता निखिल आनंद ने कहा, भाजपा शिष्टाचार, अनुशासन बनाए रखने और से सार्वजनिक बयान नहीं देने में यकीन रखती है जो सिर्फ खबरों के लिहाज से दिए जाएं। आनंद ने कहा 2020 के विधानसभा चुनावों के संबंध में राजग के सभी फैसले हमारे शीर्ष नेतृत्व के बीच होने वाली चर्चा के विषय हैं। किशोर ने कहा कि जदयू अपेक्षाकृत बड़ी पाटी है जिसके करीब 70 विधायक हैं जबकि भाजपा के पास करीब 50 विधायक हैं। उन्होंने कहा यही नहीं, विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार को राजग का चेहरा बनाकर लड़ा जाना है। जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किशोर ने कहा, अगर हम 2010 के विधानसभा चुनाव को देखें जिसमें जदयू और भाजपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था तो यह अनुपात।:1.4 था। अगर इसमें इस बार मामूली बदलाव भी हो, तो भी यह नहीं हो सकता कि दोनों दल बराबर सीटों पर चुनाव लड़ें।

राजस्थान सरकार ने राजस्थान माल एवं सेवा कर संशोधन अध्यादेश जारी किया

जयपुर (भाषा)। राजस्थान सरकार ने सोमवार को राजस्थान माल एवं सेवा कर संशोधनी अध्यादेश, 2019 जारी किया है। एक सरकारी बयान के अनुसार अध्यादेश से राज्य में माल एवं सेवा कर प्रणाली लागू करने में सुगमता होगी। यह संशोधन। जनवरी 2020 से प्रभावी होगा। बयान के अनुसार। जुलाई, 2017 को पूरे देश में गुड्स एंड टैक्स जीएसटी लागू होने एवं जीएसटी परिषद से मंजूर होने के बाद केन्द्र सरकार ने उद्यमियों को रिटर्न दाखिल करने के सम्बध में होने वाली असुविधाओं को देखते हुए माल एवं सेवा कर संशोधनी विधेयक, 2019 लोकसभा में पारित किया था। केन्द्र सरकार के संशोधन विधेयक के अनुरूप ही राज्यो में भी संशोधन विधेयक पारित किया जाना है।

कर्नाटक की एक इंच भी जमीन देने का सवाल पैदा नहीं होता : एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के उनके समकक्ष उद्धव ठाकरे राजनीतिक लाभ के लिए बेलगाम सीमा मुद्दे को फिर से उठा रहे हैं और राज्य की एक इंच भी जमीन नहीं दी जाएगी।

एदियुरप्पा ने कहा, यह महाजन रिपोर्ट में ही तय हो गया था कि महाराष्ट्र के पास क्या रहेगा और कर्नाटक के पास क्या रहेगा। राजनीतिक लाभ के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इसकी निंदा करता हूं। एक भी इंच जमीन देने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री मराठी और कन्नड़ भाषा बोलने वाले लोगों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। एदियुरप्पा ने कहा, हमारे लोगों को शांति और भाईचारा बनाए रखना चाहिए तथा कर्नाटक की एक इंच भी जमीन देने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। किसी ने बयान दे दिया तो इसको लेकर संशय पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं अपने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। बेलगाम पर महाराष्ट्र अपना दावा करता है जहां मराठी भाषी लोगों की खासी आबादी रहती है लेकिन यह जिला अभी कर्नाटक में आता है। बेलगाम विवाद को देखते हुए रविवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से कर्नाटक जाने वाली बस सेवा भी निलंबित कर दी गई थी लेकिन अब उसे बहाल कर दिया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस महीने की शुरुआत में दो मंत्रियों छगन भुजबल और एकनाथ शिंदे को कर्नाटक सरकार के साथ सीमा विवाद से संबंधित मामलों पर बातचीत तेज करने के सरकार के प्रयासों को देखने के लिए समन्वयक बनाया था।

नक्सलियों ने पूर्व सरपंच को मारी गोली, घायल

बीजापुर (भाषा)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने पूर्व सरपंच को गोली मार दी। घायल पूर्व सरपंच को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यहां बताया कि जिले के चिहका गांव के पूर्व सरपंच बोटी लेकाम को नक्सलियों ने गोली मार दी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि बीते रविवार की रात को हथियारबंद नक्सली लेकाम के घर पहुंचे और उसे घर से बाहर निकालकर गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी जब ग्रामीणों को मिली तब लेकाम को बीजापुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लेकाम के पैर में गोली मारी गई है तथा उसकी हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने लेकाम पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाया है।

कुच्छ (कांगला पोर्ट) में एक कैमिकल फैक्ट्री के गोदाम में लगी आग को बुझाते अग्निशमन कर्मी

सभी राज्यों को सीएए लागू करना होगा: मेघवाल

भाषा। कोच्चि

संशोधित नागरिकता कानून सीएए के खिलाफ अधिकतर गैर भाजपा राज्यों के विरोध के बीच केंद्र ने सोमवार को कहा कि राज्यों को कानून लागू करना होगा क्योंकि संसद ने इसे मंजूरी दी है। संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सीएए पर केंद्र के साथ भाजपा के दृष्टिकोण से अवगत कराने के लिए बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में कहा, संविधान के तहत राज्यों को इसे सीएए लागू करना है।

उनके बयान के एक दिन पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा विभिन्न राजनतिक दलों और सामाजिक धार्मिक संगठनों की बैठक में विवादास्पद कानून के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन करने का फैसला किया गया। केरल और पश्चिम बंगाल सहित कुछ गैर भाजपा शासित राज्य सरकारों के कानून को लागू नहीं करने के फैसले से जुड़े सवालों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगर कोई सरकार कहती है कि वह इसे लागू नहीं करेगी तो यह संविधान के अनुसार नहीं है, चाहे वह पश्चिम बंगाल , केरल, राजस्थान या मध्यप्रदेश की सरकार हो। यह संसद द्वारा पारित कानून है। राज्यों को इसे अपनाना होगा। यह राष्ट्र हित में है।

सीएए के खिलाफ एक जनवरी को कोच्चि में मुस्लिम संगठनों की बड़ी रैली के बारे में ध्यान दिलाने पर मंत्री ने कहा, मैं ना केवल केरल बल्कि समूचे देश के मुस्लिम समुदाय से कहना चाहता हूं कि चिंता करने की कोई बात नहीं है।

वर्ष 2019: कर्नाटक में फिर खिला भाजपा का कमल

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक में भाजपा का कमल मुरझने के एक साल के भीतर ही 2019 में एक बार फिर खिल गया जब उसके कद्दावर नेता बी एस एदियुरप्पा ने कई दिनों तक चली राजनीतिक उठापटक के बाद दो साल में भगवा पार्टी की दूसरी बार सरकार बनाई। इस साल कर्नाटक को बेंगलुरु में स्थित इसरो के चंद्रयान-2 मिशन के लगभग सफल होने, इंफोसिस विवाद और अरबपति उद्योगपति वी जी सिद्धार्थ समेत कई चर्चित हस्तियों की मौत के कारण याद किया जाएगा।

राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए जोरशोर से चले प्रचार अभियान के साथ शुरू हुए इस साल का अंत सत्तारूढ़ भाजपा के लिए सुखद नहीं हुआ। मेंगलुरु में सीएए विरोधी प्रदर्शन के हिंसक होने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। लोकसभा चुनाव में भाजपा की लहर के आगे पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को भी हार का स्वाद चखना पड़ा। भाजपा ने 28 सीटों में से विपक्ष के लिए केवल दो सीटें छोड़ी।

देवेगौड़ा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, के एच मुनियप्पा और वीरप्पा मोइली को लोकसभा चुनाव में शिकस्त मिली। संसदीय चुनावों में हार के बाद आंतरिक मतभेदों के चलते राज्य की तत्कालीन जर्दएसी-कांग्रेस सरकार गिर गई। गठबंधन सरकार का पहला विकेट चिंचोली से कांग्रेस विधायक उमेश जाधव के रूप में गिरा। उन्होंने भाजपा में शामिल होने के लिए मार्च में इस्तीफा दे दिया और गुलबर्ग से कांग्रेस के दिग्गज नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को हराकर लोकसभा सांसद बने। जुलाई में गठबंधन सरकार की परेशानियां तब बढ़ गई जब उसके 14 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया और बाद में यह संख्या बढ़कर 17 हो गई।इसके बाद मुख्यमंत्री कुमारस्वामी विधानसभा में विश्वास मत हार गए जिसके साथ ही एदियुरप्पा सरकार का मार्ग प्रशस्त हो गया। एदियुरप्पा ने सदन में बहुमत साबित किया। हालांकि गठबंधन सरकार गिरने के जिम्मेदार 17 कांग्रेस-जर्दएसी विधायकों को तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने दलबदल रोधी कानून के तहत अयोज्ञ घोषित कर दिया।

बहरहाल, अयोज्ञ करार दिए विधायकों ने इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी और उनमें से 13 ने सवीच्च अदालत की व्यवस्था के बाद भाजपा के टिकट पर, पांच दिसंबर को संपन्न उपचुनाव लड़ा।

इनमें से 11 की जीत के साथ ही एदियुरप्पा ने सरकार के टिके रहने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। 2019 में बाढ़ ने राज्य में तबाही मचाई।

गहलोत हैं मानसिक अवसाद से ग्रस्तः सतीश पूनिया

जयपुर (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर व्यक्तिगत हमला करते हुए सोमवार को कहा कि वह मानसिक अवसाद से ग्रस्त हैं और उनके पास आरएसएस, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नामों की माला जपने एवं उनके बारे में अनर्गल बयानबाजी करने के अलावा दूसरा कोई काम नहीं है। पूनिया ने कहा, कांग्रेस दो टुक ों में बंटी हुई है, जिससे मुख्यमंत्री कुर्सी जाने के डर से आशंकित है। वह सुबह से लेकर शाम तक कुर्सी को बचाने की तिकड़मों से असंतुलित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में राज्य में कोई विकास कार्य नहीं हुआ और मुख्यमंत्री अपनी असफलता को छुपाने के लिए एवं जनता का ध्यान भटकाने के लिए आरएसएस और भाजपा के विरूद्ध बयानबाजी कर रही है।

संशोधित नागरिकता कानून देश के लिए भेदभावपूर्ण और खतरनाकः अमरिंदर

भाषा। लुधियाना

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने यहां सोमवार को कहा कि संशोधित नागरिकता कानून सीएएी देश के लिए भेदभावपूर्ण और खतरनाक है। उन्होंने दोहराया कि पंजाब में सीएए को लागू नहीं किया जाएगा। सिंह ने यहां विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को खतरनाक कानून के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनकी पाटी इस कानून के खिलाफ पूरी ताकत से ल गी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के भेदभावपूर्ण और खतरनाक प्रयासों के खिलाफ भारतीयों को एकजुट होना चाहिए।उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता आशा कुमारी और सुनील जाख भी थे। सिंह ने कहा, मेरी सरकार पंजाब में सीएए को लागू नहीं करेगी और कांग्रेस इसके खिलाफ पूरी ताकत से ल गी।

इंदौर में सीएए, एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन

इंदौर (मध्यप्रदेश)। संशोधित नागरिकता अधिनियम सीएए और संभावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी एनआरसीी के खिलाफ सोमवार को यहां मुस्लिम बहुल इलाकों में विरोध प्रदर्शन किए गए। खजराना, बम्बई बाजार, आजाद नगर और कुछ अन्य इलाकों में हुए इन प्रदर्शनों में सैक ों लोग शामिल हुए। इनमें मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ अन्य धर्मों के विद्वानों और संतों ने भी हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तिरंगा और सीएए-एनआरसी विरोधी संदेश लिखी तख्तियां थाम रखी थीं। वे हिंदुस्तान जिंदाबाद और संविधान बचाओ के नारे भी लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि केंद्र सरकार सीएए को फौरन वापस ले और एनआरसी को कभी लागू नहीं किया जाए। उन्होंने अपनी मांगों के संबंध में पुलिस और प्रशासन के अफसरों को ज्ञापन भी सौंपे।अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन स्थलों पर सावधानी के तौर पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

पलामू में गोमांस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

मेदिनीनगर (भाषा)। पुलिस ने पलामू जिले के पाटन थानान्तर्गत कांके गांव से 22 वषीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से गोमांस बरामद किया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान शरीफ आलम के रूप में हुई है पाटन थानाधिकारी महाबीर इक्का ने बताया कि रविवार को स्थानीय लोगोंने पांकी थाना क्षेत्र के गढ़ गांव से गोमांस के साथ कांके आ रहे आलम को पक कर पुलिस को सौंप दिया।

कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान बाल कलाकारों से मिलते पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ व उनकी पत्नी स्वदेश धनखड़

अमेरिका ने इराक, सीरिया में ईरान समर्थित समूह के खिलाफ हमले किए

एएफपी। बगदाद

अमेरिका ने इराक में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के खिलाफ हवाई हमले किए जिसमें 15 लड़ाके मारे गए। यह हमला तब किया गया है जब दो दिन पहले एक रॉकेट हमले में अमेरिका का एक असैन्य ठेकेदार मारा गया था।

इराक के एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि रविवार को हुए हमले से कुछ घंटे पहले इराक की राजधानी के समीप स्थित अमेरिकी बलों के एक अड्डे के नजदीक चार रॉकेट गिरे। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। तेहरान समर्थित हाशेद अल-शाबी अर्द्धसैन्य बल के एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी इराक में अमेरिका के हमलों में 15 लड़ाके मारे गए। पेंटागन के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया, कताइब हिजबुल्ला के इराकी अड्डों पर हमलों के जवाब में गठबंधन बलों, अमेरिकी सेना ने इराक और सीरिया में हिजबुल्ला के ठिकानों के खिलाफ सटीक रक्षात्मक हमले किए।

सोमालिया की राजधानी में हुए भयंकर बम विस्फोट के बाद विस्फोट स्थल का जायजा लेते पुलिसकर्मी

सोमालिया विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़ कर 81 हुई : सरकार

मोगादिशू (एएफपी)। सोमालिया की राजधानी में हुए भयंकर बम विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़ कर 81 पर पहुंच गई है। सरकार के एक प्रवक्ता ने लापता लोगों की तलाश जारी रहने के बीच सोमवार को यह जानकारी दी। मोगादिशू के भीड़-भाड़ वाले चौराहे पर शनिवार को हुआ विस्फोट पिछले दो वर्षों में देश में हुआ सबसे घातक विस्फोट था।

अब तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल्लाही मोहम्मद ने इसके लिए इस्लामी संगठन अल शबाब को जिम्मेदार ठहराया है। यह संगठन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन प्राप्त सरकार को गिराने की दशकों की कोशिश के तहत कार बम विस्फोट एवं अन्य हमलों को अंजाम देता रहा है। सोमालिया के सूचना मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल मुख्तार ने कहा, मृतकों की कुल संख्या फिलहाल 81 है। दो घायलों ने भी दम तोड़ दिया।

मुख्तार ने कहा कि दम तोड़ने वाले इन घायलों में तुर्की के सैन्य विमान के जरिए रविवार को तुर्की ले जाया गया व्यक्ति भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है जहां बचाव अभियान तीसरे दिन भी जारी है। हमले के बाद से करीब 24-25 लोग लापता लोगों की सूची में शामिल किए गए थे लेकिन 12 लोगों का पता चल गया-इनमें से पांच मरे हुए मिले और बाकी की पहचान नहीं हो पाई है। शनिवार के विस्फोट में करीब 125 लोग घायल हो गए थे।

चीन में जेल में बंद प्रोटेस्टेंट पादरी को नौ साल की सजा

बीजिंग (भाषा)। चीन की एक अदालत ने एक अनाधिकारिक प्रोटेस्टेंट गिरजाघर के जेल में बंद पादरी को शासन के खिलाफ जुर्म के मामले में सोमवार को नौ साल की सजा सुनाई। आधिकारिक अदालती वेबसाइट पर की गई घोषणा के अनुसार, चीन के दक्षिण-पश्चिम चेंगदू शहर की एक अदालत ने पादरी वांग ई को अवैध कारोबार करने का भी दोषी ठहराया। पिछले साल सरकार ने वांग ई के अली रेन कोवेनेंट चर्च पर कार्रवाई की थी। अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान दिसंबर 2018 में वांग को हिरासत में लिया था। इस दौरान उसके भूमिगत चर्च के कई सदस्य लापता हो गए थे। चीन की आधिकारिक रूप से नास्तिक सरकार अपने नियंत्रण के बाहर किसी भी संगठन की गतिविधियों को लेकर चौकन्ना रहती है। चीन में ईसाई समुदाय के लोग अनाधिकारिक/ भूमिगत गिरजाघरों और सरकार से मान्यताप्राप्त गिरजाघरों के बीच बंटे हुए हैं। सरकार से स्वीकृति वाले गिरजाघरों में कम्यूनिस्ट पार्टी के गीत भी बजाए जाते हैं।

तालिबान ने उत्तरी अफगानिस्तान में हमला किया, सुरक्षा बल के 14 सदस्यों की मौत

एपी। काबुल

तालिबान ने उत्तरी अफगानिस्तान में सुबह होने से पहले सोमवार को सरकार समर्थित मिलिशिया के परिसर पर हमला किया जिसमें अफगान सुरक्षा बलों के 14 सदस्यों की मौत हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। तालिबान ने फौरन हमले की जिम्मेदारी ले ली। इस हमले से कुछ घंटे पहले तालिबान ने बताया था कि उनके काउंसिल के नेताओं के बीच अस्थाई देशव्यापी संघर्ष विराम पर सहमति बनी है। यह स्पष्ट नहीं था कि संघर्ष विराम कब से प्रभावी होगा।

गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल मारूफ अजेर ने बताया कि जौज़जान प्रांत में हुए हमले में मारे गए 14 लोगों में से 13 सरकार समर्थित मिलिशिया के सदस्य थे और एक पुलिसकर्मी था।उन्होंने बताया कि हमले में पांच अन्य मिलिशिया सदस्य जख्मी हो गए और दो लापता हैं। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बल बाद में इलाके में पहुंच पाए और अब यह परिसर पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है। इस बीच, अमेरिकी सेना ने अफगान सुरक्षा बलों के साथ सैन्य अभियानों की रातभर की रिपोर्ट में कहा कि देशभर में तालिबान के 30 लड़ाके मारे गए और कई अन्य आतंकवादियों को हिरासत में लिया गया है। तालिबान ने हाल के दिनों में उत्तरी अफगानिस्तान में अपने हमले तेज कर दिए हैं।

अफगानिस्तान में संघर्ष विराम की योजना नहीं : तालिबान

काबुल (एएफपी)। तालिबान ने अफगानिस्तान में किसी भी तरह के संघर्ष विराम पर सहमत होने संबंधी खबरों को सोमवार को खारिज कर दिया। तालिबान ने एक बयान में कहा, कई समाचार संस्थान पिछले कुछ दिनों में संघर्ष विराम के बारे में गलत खबरें जारी कर रहे है - तथ्य यह है कि अफगानिस्तान इस्लामी अमीरात की संघर्ष विराम की कोई योजना नहीं है। इस तरह के संभावित समझैते की अफवाहें है जिससे लगभग 18 वर्षों से युद्ध प्रभावित इस देश में हिंसा में कमी आएगी। अफगानिस्तान में हिंसा समाप्त करने के लिए अमेरिका-तालिबान वार्ता फिर शुरू होने के बीच विद्रोहियों का यह बयान आया है। विद्रोहियों के हमलों को लेकर इस वर्ष की शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता को रद्द कर दिया था। अमेरिका और अफगान सरकार ने लंबे समय तक तालिबान के साथ संघर्ष विराम का आह्वान किया था। हालांकि विद्रोहियों ने कई बार कहा है कि अमेरिकी सैनिकों की देश से वापसी होने के बाद ही कोई संभावित संघर्ष विराम होगा।

टेक्सास में एक गिरजाघर में गोलीबारी में दो लोगों की मौत, हमलावर भी मारा गया

भाषा। ह्यूस्टन

अमेरिका में टेक्सास राज्य के व्हाइट सेटलमेंट शहर के एक गिरजाघर में एक बंदूकधारी ने लोगों पर गोलियां चलाई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। हालांकि बाद में प्रार्थना सभा के एक सशस्त्र सदस्य ने हमलावर को गोली मार दी। यह घटना रविवार को सुबह की प्रार्थना के दौरान करीब 11 बजकर 50 मिनट पर हुई। इस प्रार्थना सभा की सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार, बंदूकधारी ने व्हाइट सेटलमेंट में वेस्ट फ्रीवे चर्च फ क्राइस्ट में पिस्तौल निकाली और गोलीबारी शुरू कर दी।

पुलिस ने बताया कि घटना में दो लोगों की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई। वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि बंदूकधारी खड़ा हुआ है और पास ही खड़े एक व्यक्ति से बात कर रहा है जिसने एक दूसरे व्यक्ति की ओर इशारा किया। इसके बाद बंदूकधारी ने उस व्यक्ति पर गोली चलाई। फिर बंदूकधारी ने उस व्यक्ति पर भी गोली चलाई जिससे उसने बात की थी। हालांकि इसके बाद सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम करने वाले एक व्यक्ति ने बंदूक से हमलावर पर गोली चलाई जिससे वह तुरंत नीचे गिर गया। अधिकारियों ने इस घटना के पीछे के मकसद के बारे में जानकारी नहीं दी है।

व्हाइट सेटलमेंट, टेक्सास के चर्च में रविवार को गोलीबारी के बाद एक बुजुर्ग दंपति मसीह के वेस्ट फ्रीवे चर्च से बाहर आते हुए

सीएए के समर्थन में न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकियों का कार्यक्रम

भाषा। न्यूयॉर्क

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के प्रति समर्थन जताने के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम किए और सीएए को भारत सरकार की तरफ से उठाया गया तिहासिक कदम करार दिया। सीएए के मुताबिक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और इसाई समुदाय के जो लोग धार्मिक प्रताड़ना के चलते पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 तक भारत आ गए हैं, उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी। भारतीय-अमेरिकियों का एक समूह रविवार को टाइम्स स्क्वॉयर पर एकत्र हुआ। उनके हाथ में पोस्टर थे और वे सीएए और नरेंद्र मोदी सरकार के समर्थन में नारे लगा रहे थे। इन पोस्टरों पर लिखा था, सीएए मानवाधिकारों के बारे में है, हम सम्मान के साथ जीने के अल्पसंख्यकों के अधिकार का समर्थन करते हैं, प्रवासी भारतीय सीएए का समर्थन करते हैं और सीएए पारदशी एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया से पारित किया गया है। उन्होंने हम मोदी का समर्थन करते हैं और हम सीएए का समर्थन करते हैं जैसे नारे लगाए। इस समर्थन रैली में ओवरसीज फ्रेंड्स अफ बीजेपी-यूएसए (ओएफबीजेपी) के अध्यक्ष कृष्णा रेड्डी अनुगुला और संगठन के अन्य सदस्य शामिल थे। वहीं लॉन्ग आइलैंड में शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने नए कानून के प्रति अपना समर्थन जताया। अमेरिकन इंडियन पब्लिक अफेयर्स कमिटी के अध्यक्ष जगदीप सेवहानी के कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के दोबारा सत्ता में आने के बाद यह कानून लाना एक तिहासिक फैसला है। साथ ही उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने के मोदी सरकार के फैसले की भी तारीफ की। सेवहानी ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय को सीएए के बारे में जानकारी देने लिए अमेरिकी सांसदों एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों से संपर्क करना चाहिए।

सोमालिया में अमेरिकी हवाई हमले में चार आतंकवादी मारे गए : अफ्रीकॉम

वाशिंगटन (एएफपी)। अमेरिकी सेना ने अफ्रीकी देश सोमालिया में सक्रिय अल शबाब के आतंकवादियों पर रविवार को हवाई हमला किया। अमेरिकी अफ्रीका कमान (अफ्रीकॉम) ने बताया कि इन हमलों में चार आतंकवादी मारे गए। अफ्रीकॉम ने एक बयान में कहा, सोमालिया की संघीय सरकार के समन्वय में अमेरिकी अफ्रीका कमान ने दो स्थानों कुनयो बारो और कालियोव बारो क्षेत्र में अल शबाब आतंकवादियों को निशाना बनाते हुए 29 दिसंबर को हमले किए।इसमें कहा गया कि कुनयो बारो में हवाई हमले में दो आतंकवादी मारे गए और दो वाहन नष्ट हो गए वहीं कलियो बारो में दो अन्य आतंकवादी मारे गए।

अमेरिका ने रूस को किया आतकी हमलों के प्रति अलर्ट, पुतिन ने दिया ट्रंप को धन्यवाद

मॉस्को (एपी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देश में नववर्ष के मौके पर आतंकी हमलों की योजना को नाकाम करने में मदद के लिए रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया। क्रेमलिन ने अपनी वेबसाइट पर एक संक्षिप्त बयान में कहा कि ट्रंप ने रूस में आतंकी हमलों की आशंका के मद्देनजर विशेष सेवाओं के जरिए जानकारी मुहैया कराई, जिसके लिए पुतिन ने उन्हें धन्यवाद दिया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने संघीय सुरक्षा सेवा के हवाले से कहा अमेरिका की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर रूसी सुरक्षाबलों ने दो रूसियों को हिरासत में लिया, जो आगामी छुट्टियों के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में आतंकी हमलों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सुरक्षा सेवा ने कहा कि उसे अमेरिकी सहयोगियों से इसकी जानकारी मिली थी। सेवा के अनुसार संदिग्धों के पास से जो सामग्री बरामद हुई है, उससे इस बात की पुष्टि होती है कि वे आतंकी हमलों की तैयारी कर रहे थे।

श्रीलंका की अदालत ने स्विस दूतावास की स्थानीय महिला कर्मचारी को जमानत दी

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका की एक अदालत ने स्विट्जरलैंड के दूतावास की स्थानीय महिला कर्मचारी को सोमवार को जमानत दे दी जो अपने अपहरण को लेकर झूठी शिकायत करने के विवाद और देश में अशांति पैदा करने की कोशिश के केंद्र में रही थी। गार्नियर बैनिस्टर फ्रांसिस को अपराध जांच शाखा (सीआईडी) ने 16 दिसंबर को गिरफ्तार कर कोलंबो की मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया था जहां से उसे 30 दिसंबर तक की रिमांड में भेज दिया गया था। सीआईडी को झूठे बयान देने के आरोप में उसे हिरासत में भेजा गया। अदालत ने सोमवार को उसे रिहा कर दिया। फ्रांसिस ने दावा किया था कि कुछ अज्ञात लोगों ने 25 नवंबर को उसे अगवा कर लिया था और उसे छोड़ने से पहले उसके साथ मारपीट की गई थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने एक यूक्रेनियन कैदी को यूक्रेन, कीव, के बाहर बॉरिस्पिल हवाई अड्डे पर एक कैदी के आदान-प्रदान के बाद बधाई दी। पूर्वी यूक्रेन में यूक्रेनी बलों और रूस समर्थित विद्रोहियों ने अपने पांच साल के युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से एक चाल में 200 कैदियों का आदान-प्रदान किया

पाकिस्तान में धुंध से लोग परेशान

लाहौर (एएफपी)। दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित देशों में से एक पाकिस्तान में सदी के इस मौसम में धुंध से लोग परेशान हैं और इस संकट से राहत के लिए हवा को शुद्ध करने वाला नवनिर्मित इंडोर फॉरेस्ट एयर प्यूरीफायर खरीद रहे हैं। खराब वायु गुणवत्ता से परेशान हसन जैदी को अपना घरेलू उपकरण बनाने में छह महीने लगे। इसे बनाते हुए जैदी ने यह भी ध्यान में रखा कि यह एयर प्यूरीफायर किफायती हो। सदी के इस मौसम में 31 वर्षीय इंजीनियर जैदी अब तक करीब 500 यूनिट बेच चुके हैं। इंडोर फॉरेस्ट का मूल्य 16,000 रुपए है। नकदी संकट से जूझ रहे इस देश में जैदी का इंडोर प्यूरीफायर आयातित प्यूरीफायरों की अपेक्षा काफी सस्ता है। दूसरे देशों से मंगवाने पर एयर प्यूरीफायर की कीमत दो से तीन गुना अधिक होती है। पत्रिका द लैन्सेट में छपे अध्ययन के मुताबिक, 2015 में पाकिस्तान में वायु प्रदूषण की वजह से 135,000 लोगों की जान जा चुकी है। बीते पांच साल में पाकिस्तान में वायु प्रदूषण ने बहुत कहर ढाया है। यह देश वायु प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक है।

2019 में भारत अमेरिका साझेदारी तेजी से आगे बढ़ी

भाषा। वाशिंगटन

रक्षा प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर भारत और अमेरिका द्वारा अहम करार करने और मई में चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दूसरे से रिकार्ड चार भेंटवार्ता करने के साथ ही वर्ष 2019 में दुनिया के सबसे बड़े इन दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी तेजी से आगे बढ़ी।

रणनीतिक साझेदारी की मजबूती साल के आखिर में दूसरी टू प्लस टू वार्ता के समापन पर जारी किए गए भारत और अमेरिका के संयुक्त बयान में परिलक्षित हुई। यह निश्चित रूप से वर्ष 2019 की अहम घटना है। वाशिंगटन में दिसंबर में दूसरी टू प्लस टू बैठक में दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर हस्ताक्षर किए। इस बैठक में दोनों देशों के रक्षा एवं विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। सभी संबंधों को व्यापार के नजरिए से देखने वाले ट्रंप के लिए सुकून की बात यह है कि द्विपक्षीय व्यापार में भी तेजी आई और सामने आ रहे साल की दूसरी छमाही के अनुमानित आंकड़ों से आगामी समय में व्यापार घाटे में कमी आने का अनुमान है। बीते साल में भारत ने अमेरिका से अत्याधुनिक सैन्य उपरकणों की खरीद के लिए अरबों डॉलर का आर्डर दिया, सेना के तीनों अंगों की भागीदारी वाला सैन्य अभ्यास टाईगर ट्रिम्फ शुरू किया और रक्षा प्रौद्योगिकी एवं व्यापार पहल की गति तेज की। यह सैन्य अभ्यास अब हर साल होगा।

हिंद प्रशांत में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग नई ंचाई तक पहुंचा। दोनों देशों हिंद प्रशांत क्षेत्र में यह सुनिश्चित करने के लिए समान सोच वाले अन्य साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं कि संसाधन संपन्न इस क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता हो और शांति रहे। इस क्षेत्र में चीन अपना पैर पसारने में जुटा है। अमेरिका खुश है कि भले ही शुरू मे भारत अनिच्छुक रहा हो लेकिन अब वह अनौपचारिक परामर्श तंत्र क्वाड को संस्थागत रूप देने में मदद कर रहा है। उसमें अन्य दो देश जापान और आस्ट्रेलिया हैं। अमेरिका ने मालदीव पर भारत के इस रूख का भी समर्थन किया कि कोई तीसरा देश उसके अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करे। इस साल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के मोर्चे पर दोनों देशों के बीच अप्रत्याशित सहयोग नजर आया। जब फरवरी में पुलवामा में नृशंस आतंकवादी हमले में 40 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए तो अमेरिका यह कहने वाला पहला देश था कि भारत को आत्मरक्षा का अधिकार है। जब भारत में आमचुनाव का दौर था, तब भी अमेरिका ने ब्रिटेन और फ्रांस जैसे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया कि चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा जैश ए मोहम्मद को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की राह से वीटो रूपी अवरोध हटा ले। हालांकि अमेरिका ने कश्मीर में इंटरनेट पर रोक लगाने, नेताओं को बंदी बनाने पर चिंता जरूर प्रकट की लेकिन उसने भारत को इस संबंध में गैर लोकतांत्रिक देशों के साथ रखने से इनकार कर दिया। हाउडी मोदी एक तिहासिक कार्यक्रम रहा जहां मोदी के साथ ट्रंप ने भी भारतीय मूल के करीब 50,000 अमेरिकियों को संबोधित किया।

नेपाल-भारत संबंध 2019 में मजबूत रहे

भाषा। काठमांडू

नेपाल के साथ भारत के संबंध 2019 में मजबूत रहे और इस दौरान उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय यात्राओं तथा सहयोग से इसे और बल मिला। इस देश में चीन ने अपना भारी निवेश के बीच भारत के साथ र्जा सहयोग में दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन का उद्घाटन भी इसमें शामिल है।

नेपाल अपने भौगोलिक, तिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों के कारण भारत की विदेश नीति में एक विशेष महत्व रखता है। दोनों देशों के लोग विवाह और पारिवारिक संबंधों के माध्यम से घनिष्ठ संबंध बनाए रखते हैं, जिन्हें रोटी-बेटी का रिश्तो भोजन और परिवार का संबंधी भी कहा जाता है।

भारत और चीन के बीच स्थित इस हिमालई राष्ट्र ने कई वर्षों तक राजनीतिक अस्थिरता का दौर देखा, जिसके बाद दिसंबर 2017 में हुए तिहासिक चुनावों में चीन समर्थक वामपंथी गठबंधन सत्ता में आया। इस साल की शुरुआत नेपाल द्वारा 2000 रुपए, 500 रुपए और 200 रुपए की भारतीय मुद्रा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के साथ हुई। इस फैसले का सबसे अधिक असर भारतीय पर्यटकों पर हुआ। नेपाल में भारतीय मुद्रा बहुतायत से इस्तेमाल होती थी।

हालांकि, इन फैसलों का आपसी गर्मजोशी पर बहुत असर नहीं पड़ा और द्विपक्षीय संबंध मजबूत बने रहे। नेपाल-भारत के संयुक्त सचिव स्तर की वार्ता फरवरी में पोखरा में हुई, जहां शीर्ष अधिकारियों ने द्विपक्षीय व्यापार और पारगमन संधि की समीक्षा की। विदेश सचिव विजय गोखले ने मार्च में प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से काठमांडू में भेंट की और रेलवे तथा जलमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने भूकंप के बाद आवासीय परियोजनाओं के पुनर्निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में प्रगति की समीक्षा की।

भारत ने पुनर्निर्माण परियोजनाओं के लिए 25 करोड़ डॉलर की सहायता देने का वादा किया। भारत ने भूंकप में क्षतिग्रस्त हुए मकानों को फिर से बनाने के लिए 1.6 अरब रुपए की आर्थिक सहायता दी। प्रधानमंत्री ओली ने मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोबारा सत्ता में वापसी पर उन्हें बधाई दी और शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। दोनों देशों ने 69 किलोमीटर लंबी मोतिहारी-अम्लेखगंज तेल पाइपलाइन परियोजना का सितंबर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। भारत के 324 करोड़ रुपए की सहायता से इस पाइपलाइन का निर्माण हुआ है।इस साल नेपाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के अवसर पर एक स्मारक सिक्का जारी किया। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी गई। इस साल एक हिमालई अभियान में आठ भारतीय नागरिकों सहित 17 पर्वतारोहियों की मृत्यु हो गई।

स्कूल छोड़ने में ग्रेटा को नहीं मिला था पिता का समर्थन

भाषा। लंदन

ग्रेटा थनबर्ग भले ही आज जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक मुहिम में एक प्रमुख चेहरा बन गई हों, लेकिन 16 वर्षीय स्वीडिश किशोरी को तीन-चार साल अवसाद का सामना करना पड़ा और पर्यावरण के प्रति अपनी सक्रियता के लिए स्कूल छोड़ने में उसे अपने पिता का कोई समर्थन नहीं मिला था। हालांकि, ग्रेटा के इस साहसिक फैसले ने पर्यावरण के मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने के उनके अभियान में लाखों लोगों को शामिल कर दिया।

ग्रेटा के पिता स्वांते थनबर्ग ने बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें लगा था कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मुहिम में अग्रिम पंक्ति से अभियान छेड़ना उनकी बेटी के लिए खराब आइडिया हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपनी बेटी की मुहिम को लेकर उसके स्कूल छोड़ने के कदम के समर्थक नहीं रहे थे। इसी प्रसारण के दौरान प्रसारणर्ता डेविड एटेनबोरो ने ग्रेटा से कहा कि उसने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ दुनिया में अलख जगा दी और वह उपलब्धि हासिल की जिसे हासिल करने में हममें से कई लोग 20 बरसों से नाकाम रहे थे।

ग्रेटा को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया। ग्रेटा के पिता ने कहा कि उनकी बेटी ने फिर से स्कूल जाना शुरू करने से पहले तीन-चार साल अवसाद का सामना किया। उसके पिता ने बताया, उसने बात करना बंद कर दिया था - यह एक मातापिता के लिए बहुत बुरा समय था। उसके पिता ने उसके स्वस्थ होने के लिए स्वीडन स्थित अपने घर में ग्रेटा और उसकी छोटी बहन के साथ अधिक वक्त बिताया।

ओपेरा गायिका एवं ग्रेटा की मां मेलेना एर्नमैन ने अपना कांट्रैक्ट रद्द कर दिया ताकि पूरा परिवार एक साथ समय बिता सके। अगले कुछ साल तक उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की और शोध किए। ग्रेटा के पिता ने कहा कि अपनी सक्रियता के चलते ग्रेटा बहुत खुश रहने लगी और उसके जीवन में बदलाव आ गया।

तुर्की ने आईएस के 70 संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया

इस्तांबुल (एएफपी)। तुर्की ने सोमवार को देशभर में छापेमारी कर इस्लामिक स्टेट के 70 संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु ने यह खबर दी है। खबर के मुताबिक, 33 लोगों को अंकारा से गिरफ्तार किया गया, जो सभी इराकी हैं। वहीं अन्य संदिग्धों को बतमान, कैसरी और अजना प्रांतों से हिरासत में लिया गया। हालिया कुछ महीनों में तुर्की ने आईएस चरमपंथियों के खिलाफ छापेमारी तेज कर दी है और उन्हें मूल देशों में वापस भेजने के प्रयासों ने भी जोर पकड़ लिया है। पिछले सप्ताह इस्तांबुल से 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आईएस ने 2015 और 2016 में तुर्की में कई हमले किए थे।

चार श्रम संहिताओं के साथ 2020 रहेगा सुधारों का वर्ष

भाषा। नई दिल्ली

● श्रम कानून प्रभावी तरह से लागू हो इसके लिए श्रम मंत्रालय अगले महीने संतुष्ट पोर्टल लाने पर भी विचार कर रहा है

साल 2020 में 44 से अधिक केंद्रीय श्रम कानूनों के चार संहिताओं में समाहित होने की उम्मीद है। निवेश आकर्षित करने और आर्थिक नरमी से निपटने के लिए सरकार के श्रम बाजार के संबंधी प्रस्तावित कदमों से नया साल श्रम सुधारों का साल हो सकता है। श्रम कानून प्रभावी तरह से लागू हो इसके लिए श्रम मंत्रालय अगले महीने संतुष्टे पोर्टल लाने पर भी विचार कर रहा है। सरकार को 2020 में वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक एवं व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल की दशाओं को लेकर चार संहिताओं के लागू होने की संभावना है। इससे कारोबार करने में आसानी और श्रमिकों के हित की रक्षा होगी।

श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि साल 2020 श्रम सुधारों का वर्ष रहेगा। चारों संहिताओं के 2020 में हकीकत में तब्दील होने की उम्मीद है। इन संहिताओं से कर्मचारियों और नियोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी। हमने श्रमिकों के साथ-साथ कर्मचारियों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर के छह साल के निचले स्तर पर चले जाने के बीच ए श्रम सुधार काफी अहमियत रखते हैं। खुदरा मुद्रास्फीति या उपभोक्ता मूल्य आधारित सूचकांक 'सीपीआइ नवंबर महीने में 40 महीने के 'चे स्तर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई। गंगवार ने कहा कि यूनियनों और नियोक्ताओं के साथ कई त्रिपक्षीय बैठकों के बाद हमने चारों संहिताओं को लोकसभा में पेश किया। इसके अलावा सभी संहिताओं को समीक्षा के लिए स्थाई समिति के पास भेजा है। दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की सिफारिशों के मुताबिक, मंत्रालय कानून के प्रावधानों को सरल और तर्कसंगत बनाने के लिए 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को संहिता में परिवर्तित कर रहा है। संसद ने वेतन संहिता को मंजूरी दे दी है।

संहिता के तहत नियमों को तैयार करने के बाद कानून लागू किया जाएगा। शेष तीनों संहिताओं को श्रम पर संसद की स्थाई समिति के पास भेजा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों और श्रमिकों की शिकायतों के समाधान के साथ ही जमीनी स्तर पर श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हमारी योजना एक नया पोर्टल 'संतुष्ट' पेश करने की है। इस पोर्टल के अगले महीने पेश होने की उम्मीद है। यह एक आंतरिक प्रदर्शन निगरानी प्रकोष्ठ होगा। जिसमें पांच-छह अधिकारी होंगे। यह कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) जैसी सामाजिक सुरक्षा निकायों के प्रदर्शन की निगरानी करेगा। संगठित क्षेत्र से इतर सरकार ने 2019 में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना पेश की। इस योजना के तहत रिक्शा चालक, मोची, घरेलू नौकर समेत अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 3000 रुपए मासिक की न्यूनतम पेंशन मिलेगी। योजना के पोर्टल के मुताबिक, असंगठित क्षेत्र के करीब 40 लाख कर्मचारी इस योजना के तहत नामांकन करा चुके हैं। 2020 में यह देखना है कि इससे कितने और लोग जुड़ते हैं। सरकार असंगठित क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों को जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करेंगी क्योंकि देश में इस क्षेत्र में 40 करोड़ से ज्यादा लोग काम करते हैं।

सरकार हुवावेई को भी देगी 5जी के परीक्षण के लिए स्पेक्ट्रमः प्रसाद

नई दिल्ली। सरकार ने हुवावेई सहित नेटवर्क उपकरण प्रदादाताओं और दूरसंचार सेवा कंपनियों को परीक्षण के लिए 5जी स्पेक्ट्रम देने का फैसला किया है। दूरसंचार मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा, हमने सभी कंपनियों को परीक्षण के लिए 5जी स्पेक्ट्रम देने का फैसला किया है। प्रसाद ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि इस बारे में सैद्धान्तिक तौर पर फैसला ले लिया गया है। उन्होंने कहा, 5जी भविष्य है, यह रफ्तार है। हम 5जी में नए नवोन्मेषण को प्रोत्साहन देंगे। सूत्रों ने बताया कि हुवावेई सहित सभी आपरेटर और वेंडर इस परीक्षण में शामिल किए जाएंगे।

सरकार 2020 में एक लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाएगी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने अगले साल प्याज का एक लाख टन का बफर स्टॉक बनाने का निर्णय किया है। हाल में प्याज के दाम में उछाल तथा आगे सी स्थिति से बचने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह कहा।

सरकार ने चालू वर्ष में प्याज का 56,000 टन का बफर स्टॉक तैयार किया था लेकिन यह बढ़ती कीमत को थामने में नाकाम रहा। प्याज के दाम अभी भी ज्यादातर शहरों में 100 रुपए किलो से पर चल रहे हैं। परिणामस्वरूप, सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की एमएमटीसी के जरिए प्याज आयात के लिए विवश होना पड़ा है। अधिकारी ने कहा, गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हाल में मंत्री समूह की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। यह निर्णय किया गया है कि अगले साल के लिए करीब एक लाख टन का बफर स्टॉक सृजित किया जाएगा। सरकार की तरफ से बफर स्टॉक रखने वाली संस्था नाफेड 'भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन परिसंघी अगले साल यह जिम्मेदारी निभाएगा। नाफेड मार्च-जुलाई के दौरान खी मौसम में उत्पादित होने वाले प्याज की खरीदारी करेगा। इस प्याज का जीवनकाल अधिक होता है।

खरीफ मौसम में उत्पादक क्षेत्रों में देर तक मानसूनी बारिश और बाद में बेमौसम भारी बारिश के कारण इस साल प्याज के उत्पादन में 26 प्रतिशत गिरावट आई है। इसका असर कीमत पर पड़ा है। सरकार ने प्याज के दाम में तेजी पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाएं हैं। इसमें निर्यात पर पाबंदी, व्यापारियों पर भंडार सीमा के अलावा बफर स्टॉक और आयात के जरिए सस्ती दर पर प्याज की बिक्री शामिल हैं।सरकार के पास जो बफर स्टॉक था, वह समाप्त हो चुका हैं। सस्ती दर पर ग्राहकों को उपलब्ध कराने के लिए अब आयातित प्याज की बिक्री की जा रही है।

बीएसएनएल ने नवंबर के वेतन आपूर्तिकर्ताओं का 1,700 करोड़ रुपए का किया भुगतान

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पी के पुरवार ने सोमवार को कहा कि कंपनी ने विभिन्न सामानों की आपूर्ति करने वालों (वेंडर) तथा ठेकेदारों के ।,700 करोड़ रुपए के बकाए का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों का नवंबर महीने का वेतन भी दे दिया है। पुरवार ने कहा, बीएसएनएल के वेंडरों और ठेकेदारों को ।,700 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके उपक्रम पर कुल मिलाकर कर्जदाताओं के 10,000 करोड़ रुपए बकाया हैं। पुरवार ने कहा, कर्मचारियों के नवंबर महीने का वेतन भी जारी कर दिया गया है। कंपनी का मासिक वेतन खर्च करीब 800 करोड़ रुपए बनता है। इस साल अक्टूबर में सरकार ने बीएसएनएल और एमटीएनएल को पटरी पर लाने के लिए 69,000 करोड़ रुपए के पुनरूद्धार पैकेज को मंजूरी दे दी। इसमें घाटे में चल रही दो कंपनियों का विलय, उनकी संपत्ति को भुनाना तथा कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना देना ताकि इकाई दो साल में लाभ में आ जाए। दोनों कंपनियों ने वीआरएस योजना शुरू की और उसके लगभग 92 हजार कर्मचारियों ने यह विकल्प चुना।

एमएसएमई क्षेत्र में 2020 में आएगा बड़ा बदलाव

भाषा। नई दिल्ली

● अर्थव्यवस्था में देगा बड़ा योगदान

देश का सूक्ष्म, लघु एवं मझेला उपक्रम 'एमएसएमई' क्षेत्र 2020 में बड़े बदलाव के लिए तैयार है। विशेषज्ञों का कहना है कि अलीबाबा जैसे ई-मार्केटप्लेस, लोगों को लुभाने वाले खादी उत्पादों और उद्यमियों को डिजिटल डाटा आधारित रेटिंग्स आदि कर्ज की सुविधा से नए साल में दस क्षेत्र में कई नए बदलाव दिखेंगे। एमएसएमई क्षेत्र का देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान रहता है। इस क्षेत्र के लिए कर्ज की सुविधा में बड़े सुधारों और नीतिगत हस्तक्षेप की मांग उठती रही है। इस क्षेत्र में कारोबार सुगमता की स्थिति में सुधार तथा प्रौद्योगिकी उन्नयन से रोजगार के नए अवसरों के सृजन की बड़ी संभावनाएं हैं। इससे आयात की जरूरत को भी कम किया जा सके।

देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान 29 प्रतिशत का है, जबकि देश के निर्यात में इस क्षेत्र का हिस्सा 48 प्रतिशत है। केंद्र सरकार ने 2024 तक देश की अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। से में केंद्र का उम्मीद है कि इसमें एमएसएमई क्षेत्र का हिस्सा 2,000 अरब डॉलर रहेगा। नितिन गडकरी की अगुवाई वाले एमएसएमई मंत्रालय ने उस समय क्षेत्र में पांच करोड़ अतिरिक्त रोजगार के अवसरों के सृजन का लक्ष्य भी रखा है। इन दो महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पाने के लिए एक तेजतर्रार नीतिगत रूपरेखा की जरूरत है। गडकरी ने हाल में कहा था कि सरकार जल्द एमएसएमई की परिभाषा में बदलाव को अंतिम रूप देगी। विशेषज्ञें का मानना है कि यह क्षेत्र के लिए एक बड़ा सुधार होगा। एमएसएमई को संयंत्र और मशीनरी में निवेश के बजाय सालाना कारोबार के आधार पर वगीकृत करने से कारोबार सुगमता की स्थिति भी बेहतर हो सकेगी। हालांकि, एमएसएमई क्षेत्र को सस्ता कर्ज उपलब्ध कराना आज भी एक बड़ी चुनौती है। क्रेडिटवॉच की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी 'सीईओ मेघना सूर्यकुमार ने कहा कि देश में पांच करोड़ लघु एवं मझेले उपक्रम हैं, जिनकी समक्ष नकदी का संकट है। भरोसे की कमी और गारंटी के लिए कुछ उपलब्ध नहीं करा पाने की वजह से इनमें से सिर्फ 15 प्रतिशत की औपचारिक ण तक पहुंच है। खादी एवं ग्रामोद्योग खंड (केवीआईसी) एमएसएमई की वृद्धि में प्रमुख योगदान देगा। केवीआईसी के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने भरोसा जताया कि यह क्षेत्र 2020 में एक लाख करोड़ रुपए के कारोबार के आंकड़े को पार कर जाएगा जिससे उल्लेखनीय रूप से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। सक्सेना ने कहा कि 2020 तक चार लाख लाभार्थियों को केवीआईसी की विभिन्न योजनाएं के तहत रोजगार मिलेगा। इनमें 20,000 को हनी मिशन, ।,20,000 को कुम्हार सशक्तीकरण कार्यक्रम, 75,000 को चमड़ा कारीगरों के सशक्तीकरण और ।,97,000 को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत इन योजनाओं का लाभ मिलेगा।

घरेलू, वैश्विक मोर्चे पर संकेतकों के अभाव में सेंसेक्स, निफ्टी स्थिर

भाषा। मुंबई,

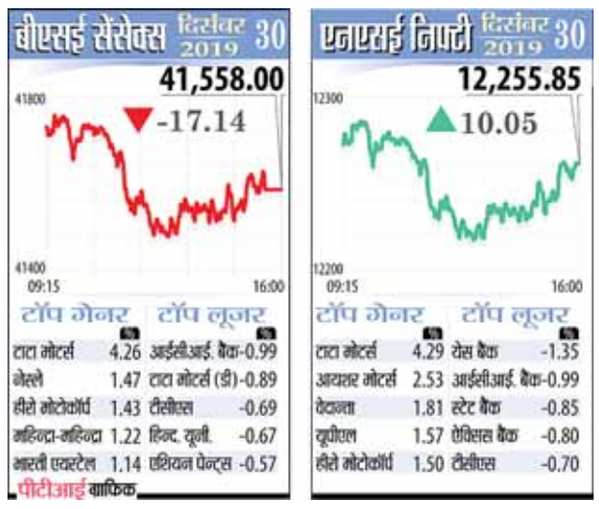

घरेलू के अलावा वैश्विक मोर्चे पर संकेतकों के अभाव में सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार स्थिर रुख के साथ बंद हुए। साल की समाप्ति से पहले छुट्टियों के बीच निवेशक बाजार में अधिक गतिविधियां नहीं कर रहे हैं।

बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान करीब 260 अंक के दायरे में घट बढ़ के बाद अंत में 17.14 अंक या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,558 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 41,714.73 अंक के उच्चस्तर तक गया। इसने 41,453.38 अंक का निचला स्तर भी छुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 10.05 अंक या 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 12,255.85 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे अधिक 0.99 प्रतिशत टूटा। एसबीआई, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स और एक्सिस बैंक भी नुकसान में रहे।वहीं दूसरी ओर नेस्ले इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.75 प्रतिशत तक के लाभ में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार सीमित दायरे में रहा। ताजा संकेतकों के अभाव में निवेशक प्रभावित हुए और उन्होंने बड़े शेयरों को लेकर सतर्कता का रुख अपनाया। लेकिन मिड और स्मॉलकैप में पूंजी का प्रवाह हुआ जिससे उनका प्रदर्शन व्यापक बाजार रुख से बेहतर रहा।

विश्लेषकों ने कहा कि बाजार में घरेलू मोर्चे से किसी बड़ी खबर का अभाव रहा। आगामी दिनों में निवेशकों की निगाह वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों तथा जीडीपी आंकड़ों पर रहेगी। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। वहीं जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में कारोबार कर रहे थे। अंतर बैंक विदेश विनिमय बाजार में रुपया चार पैसे की बढ़त के साथ 71.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। ब्रेंट वायदा मामूली बढ़त के साथ 66.94 डॉलर प्रति बैरल पर था।

भारतीय स्टेट बैंक ने कर्जों के लिए मानक ब्याज में 0.25 प्रतिशत की कमी की

भाषा। मुंबई

देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कर्ज के लिए बाह्य मानकों पर आधारित अपनी ब्याज दर 'ईबीआरी को 0.25 प्रतिशत कम कर 7.80 प्रतिशत करने की सोमवार को घोषणा की। अभी यह दर 8.05 प्रतिशत थी। नई दर पहली जनवरी 2020 से प्रभावी होगी। बैंक के इस निर्णय से उसके आवास ण पर ब्याज कम हो जाएगा और उससे ईबीआर के आधार पर कर्ज लेने वाले सूक्ष्म, लघु और मझेले उद्यमों पर भी ब्याज के बोझ में प्रति सैकड़ा 25 पैसे की कमी हो जाएगी। बैंक नए आवास रिण वार्षिक 7.90 प्रतिशत की दर से पेश करेगा। अब तक यह दर 8.15 प्रतिशत थी।भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने पहली अक्टूबर 2019 से ईबीआर आधारित ब्याज की व्यवस्था लागू की है। बैंक ने इसके तहत। अक्टूबर 2016 से सूक्षम, लघु और मझेले उद्यमों, आवास खरीदारों तथा खुदरा ग्राहकों के लिए परिवर्तनशील दर पर लिए गए कर्जों का ब्याज रिजर्व बैंक की रेपो दर 'जिस दर पर वह बैंकों को फौरी जरूरत के लिए नकद धन देता हैं में घट बढ़ के आधार पर समायोजित करने का निर्णय लागू किया है। इसके तहत बैंक तीन माह एक बार अपने कर्ज की ब्याज दरों को समायोजित कर सकते हैं।भारतीय रिजर्व बैंक ने इस वर्ष फरवरी से कुल मिला कर रेपो दर 1.35 प्रतिशत कम की है। लेकिन बैंक उसका लाभ ग्राहकों को देने में धीमे रहे हैं। उनकी ओर से ब्याज में औसतन 0.44 प्रतिशत की ही कटौती की गई है।

समार्ट फोन ने मंदी को स्मार्ट तरीके से दूर रखा 2019 में

भाषा। नई दिल्ली

देश में मांग में गिरावट के दौर में स्मार्ट फोन बाजार कार और बिस्कुट बाजार से स्मार्ट साबित हुआ। नए नए उत्पादों फीचर के साथ पेश किए गए उत्पादों के साथ शहरी और ग्रामीण बाजारों में 2019 के दौरान स्मार्ट फोन की मांग तेज बनी रही।

विश्लेषकों का अनुमान है कि वर्ष 2019 में इस बाजार की वृद्धि 9 प्रतिशत के आस पास रही है और अगले साल यह 12-14 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। बाजार के जानकार लोगों का अनुमान है कि नव वर्ष 2020 में भी स्मार्ट मोबाइल फोन हैंडसेट बाजार में तेजी बनी रहेगी। स्मार्ट फोन आज बैंक से लेनदेन, सामाजिक संवाद-संपर्क, प्रमाणन, घरेलू खरीद से ले कर रास्ता दिखाने तक के लिए जरूरी साधन बनते जा रहे हैं। सरकार एपल और वैश्विक ख्याति वाले अन्य ब्रांडों को भारत में हैंडसेट बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की नीति को बढ़ावा दे रही है। सरकार चाहती है कि ए कंपनियां भारत को अपने विनिर्माण और निर्यात कारोबार को नए केंद्र के रूप में विकसित करें। इससे भी भारत में इस बाजार के मजबूत होने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में नए वर्ष में स्मार्ट फोन की बिक्री दस प्रतिशत के करीब तक रहेगी। बाजार विश्लेषक काउंटरप्वाइंट रिसर्च एसोसिएट के निदेशक तरुण पाठक का अनुमान है कि 2019 में स्मार्ट फोन की बिक्री करीब 9 प्रतिशत बढ़ी है। 2020 में वृद्धि 12-14 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। उनका अनुमान है कि 2022 तक भारत में 70 करोड़ लोगों के पास स्मार्ट फोन होंगे और अगले चार साल में से हैंड सेट की सालाना बिक्री एक अरब हैंडसेट तक जा सकती है। एक मोटी गणना के अनुसार वर्ष 2019 की पहली तीन तिमाहियों में 11.5 करोड़ स्मार्टफोन बिके। बाजार में शियाओमी, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और रीयलमी जैसे नाम छाए रहे। बाजार में 5,000-10,000 रुपए की जगह 10,000-15,000 रुपए के बीच के यंत्रों की ओर झुकाव बढ़ता दिखा। इंटरनेशनल डाटा कार्पोरेशन (आईडीसी) के अनुसार भारत में 80 प्रतिशत लोग 200 डालर यानी 15,000 रुपए से नीचे के हैंडसेट खरीदते है। लेकिन 21-22 हजार रूपए से 35,000 हजार रुपए हैंडसेट के बाजार में कई गुना उछाल दिखा। इस बाजार में शियाओमी, ओपो और वनप्लस जैसे ब्रांडों दबदबा रहा। सरकार ने वर्ष के दौरान ने एक नई इलेक्ट्रानिक विनिर्माण नीति पेश की। वह वैश्विक विनिर्माताओं को भारत में कारखाना लगा कर यहां से निर्यात को प्रोत्साहित करना चाहती है। इस नीति में 2025 तक भारत में सालाना एक अरब मोबाइल फोन के विनिर्माण का लक्ष्य रखा गया है। नई विनिर्माण इकाइयों पर कापीरेट कर की दर 22ञ से घटा कर 15 प्रतिशत करने के सरकार के निर्णय से भी वैश्विक कंपनियों देश में आने की उम्मीद बढ़ी है। निवेश के लिए वातावरण और अनुकूल बनाने के कदमों और काफी बातचीत के बाद एपल ने आईफोन एक्सआर भारत में बनाना शुरू किया है। इसी तरह वर्ष के दौरान सालकॉम्प ने भारत में 2000 करोड़ रुपए की निवेश की घोषणा की और नोएडा एसईजेड में नोकिया के कारखाने के अधिग्रहण का करार किया।

सालकॉम्प आईफोन के लिए चार्जर का विनिर्माण करती है। उसकी नोएडा इकाई के मार्च 2020 तक चालू हो जाने की उम्मीद है और वहां 10,000 लोगों को रोजगार मिल सकता है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि 5जी नेटवर्क सेवाओं के शुरू होने बाद और अधिक उन्नत स्मार्ट फोन की मांग बढ़ेगी। टेक एआरसी के संस्थापक और मुख्य विश्लेषक फैसल कावूसा ने कहा कि भारत में 5जी फोन सम्मान जनक संख्या 2020 के उत्तरार्ध तक ही दिख सकती है। उनकी राय में भारत में ग्राहकों को 10-25 हजार रुपए के बीच के अपनी पहुंच के अंदर आने वाले 5जी स्मार्ट फोन के लिए सात से आठ तिमाही का इंतजार करना पड़ सकता है।

बैंकिंग क्षेत्र को सुधारों, ऋण समाधान से अच्छे दिन बहुरने की उम्मीद

भाषा। नई दिल्ली

अटके कर्ज और धोखाधड़ी जैसी गंभीर समस्याओं से पूरे साल जूझ रहे भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को सरकारी मदद और सुधारवादी उपायों से नए वर्ष में अच्छे दिन फिर से लौटने की उम्मीद है। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों का अलग अलग समूह में विलय कर कुछ बड़े बैंकों की स्थापना के साथ-साथ उनमें भारी पूंजी निवेश करने का कदम उठाया है। सरकार ने बैंक अधिकारियों को ईमानदारी से किए गए व्यावसायिक फैसलों के लिए संरक्षण देने का भी भरोसा दे कर बैंक अधिकारियों का उत्साह बढ़ाया है।

वर्ष 2020 को लेकर मजबूत उम्मीद दिखाते हुए वित्त सचिव राजीव कुमार ने कहा, हर बुनियादी पक्ष यही संकेत दे रहा है कि अगले साल वृद्धि अच्छी होगी तथा भविष्य और अच्छा होगा। अर्थव्यवस्था को नरमी में फंसते देख सरकार और रिजर्व बैंक ने पिछले कुछ महीनों में कई कदम उठाए हैं ताकि बैंकों की स्थिति मजबूत हो और उनके पास कर्ज देने को धन की उपलब्धता बढ़े और कर्ज सस्ते हों। इसके साथ ही गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को संकट से उबारने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। फंसे कर्ज के समाधान के चालू वित्त वर्ष में 13 सरकारी बैंक पुन: लाभ दिखाने में सफल रहे हैं। इससे पिछले साल से केवल 6 सरकारी बैंक थे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सितंबर 2019 तक करीब 52 हजार करोड़ रुपए के पुराने फंसे कर्ज की वसूली की। आलोक इंडस्ट्रीज और भूषण पावर एंड स्टील जैसे अवरुद्ध कर्ज के बड़े मामलों के समाधान होने पर चालू वित्त वर्ष में से कर्जों की वसूली एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी। सरकारी बैंकों की हालत सुधारने के लिए वर्ष के दौरान पूंजी सहायता और एकमुश्त निपटान 'ओटीएसी जैसे कई उपाय किए गए।

वर्ष के दौरान सरकारी क्षेत्र के बैंकों का सकल एनपीए सितंबर 2019 के अंत में घट कर 7.27 लाख करोड़ रुपए पर आ गया जो कि मार्च 2018 में 8.96 लाख करोड़ रुपए था। इसी तरह इन बैंकों का प्रावधन कवरेज 'पीसीआरी गत सितंबर में 76.6 प्रतिशत रहा जो इसका अब तक का उच्चतम स्तर है। सरकार ने

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को मजबूत बनाने की अब तक एक सबसे बड़ी पहल के तहत उनके विलय की एक वृहद योजना शुरू की। इससे इनकी संख्या 18 से घट 12 हो जाएगी। यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया और ओरियंटल बैंक को पंजाब नेशनल बैंक में मिलाने की योजना है। इसके बाद ए बैंक मिलकर दूसरे नंबर का सबसे बड़ा बैंक हो जाएंगे।

सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को शुरू में ही 55,000 करोड़ रुपए की पूंजीगत सहायता देने का निर्णय किया। इससे ए बैंक कुल मिला कर 5 लाख करोड़ रुपए और इससे अधिक कर्ज देने की स्थिति में आ सकेंगे। बैंकों को नई पूंजी मिलने के बाद रिजर्व बैंक ने इस साल दो बार में पांच सरकारी बैंकों -बैंक आफ इंडिया, बैंक आफ महाराष्ट्र, आरियंटल बैंक आफ कामर्स , इलाहाबाद बैंक और कापीरेशन बैंक पर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई 'पीसीएी की पाबंदी हटा ली है।

इंडियन ओवरसीज बैंक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, यूको बैंक और यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया पर अब भी पीसीए के तहत कर्ज देने, प्रबंधकों का वेतन बढ़ाने और निदेशकों की फीस के निर्धारण जैसे मामलों में फैसला करने की आजादी नहीं है। उम्मीद है कि अगले साल इन पर से पीसीए हट जाएगा। वित्त मंत्री ने अगस्त 2019 में अर्थव्यवस्था को गति देने के कुछ उपायों की घोषणा की। उसके बाद सरकारी बैंकों ने आवास, वाहन, शिक्षा और व्यक्तिगत कार्य के लिए तथा सूक्ष्म, छोटे-मझेले उद्यमों को कारोबार के लिए रेपो आधारित 11.68 लाख कर्ज मंजूर किए हैं। इनके तहत कुल 1.32 लाख करोड़ रुपए की रिण सहायता दी गई है। सरकार ने धन की तंगी में उलझे गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र और आवास रिण कंपनियों के लिए आंशिक रिण गारंटी योजना लागू करने का निर्णय किया है। इसके तहत सरकार ने बैंकों को इन कंपनियों के एक लाख करोड़ रुपए तक के अच्छे एकत्रित कर्जों को खरीदने में एक निश्चित अविध के अंदर एकबारगी नुकसान की भरपाई की आंशिक गारंटी दी है। राष्ट्रीय आवास बैंक से आवास ण कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त रिण की सुविधा की गई है। सरकार ने बैंकों की आंतरिक सलाकार समितियों को निर्देश दिया है कि बैंकों को जांच के मामलों को सतर्कता और गैर सतर्कता विषय वर्गों में वगीकृत करना होगा। इससे सच्चे व्यावसायिक निर्णयों के लिए अधिकारियों को बाद में परेशानी बचाया जा सकेगा और अधिकारी फैसले लेने से भयभीत नहीं होंगे। दिसंबर के आखिरी सप्ताहांत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को आश्वासन दिया कि अधिकारियों को ईमानदारी से किए गए व्यवसायिक निर्णयों का बचाव किया जाएगा। उन्होंने यह आश्वान भी दिया की सरकारी जांच एजेंसियों द्वारा अधिकारियों को परेशान किए जाने को लेकर व्यक्त किए जाने वाली आशंकों को दूर करने के उपाय किए जाएंगे। बैंकिग एवं वित्तीय सेवा सचिव राजीव कुमार ने कहा कि एनपीए में कमी हो रही है और प्रावधान कवरेज का अनुपात अब तक के उच्चतम स्तर पर है। एनपीए की पहचान की प्रक्रिया पूरी होने को है। इस वर्ष सितंबर अंत में बैंकों की सकल एनपीए का स्तर 9.3 प्रतिशत था। यह वित्त वर्ष 2018 के 11.2 प्रतिशत की तुलना में घटा है। लेकिन ताजा वित्तीय स्थिरता रपट 'एफएसआरी में कहा गया है कि सितंबर 2020 तक सकल एनपीए फिर बढ़ कर 9.9 प्रतिशत पर पहुंच सकती है। पंजाब नेशनल बैंक में 14,000 करोड़ रुपए की नीरव मोदी धोखाधड़ी से जुड़े मामलों से निपटने में बैंक और सरकारी एजेंसियां पूरे वर्ष जूझती रही। इस बीच इस साल पंजाब एंड महाराष्ट्र को-आपरेटिव बैंक 'पीएमसी बैंक में अधिकारियों और बड़े व्यवसाई कर्जदार की मिली भगत से घोटाले का भांडाफोड़ हुआ। रिजर्व बैंक ने पीएमसी बैंक पर पाबंदी लगा दी हैं। बैंक में कथित रूप से 4,355 करोड़ रुपए का कर्ज घोटाला सामने आया है।

विजडन की दशक टी-20 टीम में धोनी शामिल नहीं

कोहली व बुमराह को जगह मिली

भाषा। लंदन

भारतीय कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को विजडन ने दशक की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया है लेकिन महेंद्र सिंह धोनी इस टीम में जगह नहीं बना पाए।

आस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच को टीम का कप्तान बनाया गया है जिसमें दो अन्य आस्ट्रेलियाई शेन वाटसन और ग्लेन मैक्सवेल, इंग्लैंड के जोस बटलर और डेविड विली, अफगानिस्तान के आलराउंडर मोहम्मद नबी और राशिद खान, न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो और श्रीलंका के लेसिथ मलिंगा शामिल हैं। विजडन ने कोहली के बारे में लिखा है, कोहली का घरेलू टी20 रिकार्ड उतार चढ़ाव वाला रहा है लेकिन टी20 अंतरराष्ट्रीय में सा नहीं कहा जा सकता है। कोहली का औसत 53 है जो दशक में सर्वश्रेष्ठ है और जबकि उनकी निरंतरता उनके स्ट्राइक रेट से थोड़ा समझैता करती है, तब भी वह असाधारण नहीं लेकिन अच्छी दर से स्कोर बनाने में सक्षम हैं। विजडन ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है, तेज और स्पिन गेंदबाजी के सामने दमदार और विकेटों के बीच तेज दौड़ के कारण कोहली नंबर तीन के आदर्श खिलाड़ी हैं जो शुरू में विकेट गिरने के बाद तीक्ष्ण गेंदबाजी का डटकर सामना करके पारी संवारने में सक्षम हैं लेकिन साथ ही अच्छी शुरुआत मिलने पर तेजी से रन बना सकते हैं। पहले विकेट के लिए बड़ी साझेदारी होने पर कोहली इस एकादश के बल्लेबाजी क्रम में नीचे आएंगे। कोहली को विजडन ने दशक के पांच खिलाडियों में शामिल किया था। इनमें स्टीव स्मिथ, डेल स्टेन, एबी डिविलियर्स और एलिस पैरी भी शामिल थे। कोहली को जहां विजडन की दशक की टी20 टीम में बल्लेबाजों में जगह मिली है वहीं गेंदबाजों में बुमराह अपने शानदार इकोनोमी रेट और डेथ ओवरों की बेहतरीन गेंदबाजी के कारण अंतिम एकादश में स्थान बनाने में सफल रहे। विजडन ने लिखा है, बुमराह का ओवर ल इकोनोमी रेट 6.71 है जो विश्व के तेज गेंदबाजों में डेल स्टेन के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। यह आंकड़ा तब और प्रभावशाली लगता है जब आप इस पर गौर करो कि उन्होंने अधिकतर गेंदबाजी डेथ ओवरों में की जहां उनका 7.27 का इकोनोमी रेट विश्व में सातवां सर्वश्रेष्ठ और तेज गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है। बुमराह अपनी टीम के लिए तीन ओवर डेथ ओवरों में करते रहे हैं। भारत की 2007 की टी20 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान धोनी इस लस्टार टीम में जगह नहीं बना पाने वाले प्रमुख खिलाड़ी हैं। विजडन की दशक की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम इस प्रकार है : आरोन फिंच कप्तानी, कोलिन मुनरो, विराट कोहली, शेन वाटसन, ग्लेन मैक्सवेल, जोस बटलर, मोहम्मद नबी, डेविड विलीद, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, लेसिथ मलिंगा।

पोंटिंग ने कोहली को दशक की टेस्ट टीम का कप्तान चुना

मेलबर्न। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय कप्तान विराट कोहली को दशक की ल स्टार टेस्ट टीम का कप्तान चुना। उनकी इस टीम में इंग्लैंड के चार खिलाड़ी शामिल है। पोंटिंग की पिछले दस साल के प्रदर्शन पर आधार पर तैयार की गई टीम में कोहली के अलावा कोई अन्य भारतीय शामिल नही है। कोहली अभी आईसीसी टेस्ट और वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर है। इंग्लैंड के जिन खिलाड़ियों को पोंटिंग की टीम में जगह मिली है उनमें आलराउंडर बेन स्टोक्स, सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक तथा तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड और जेम्स एंडरसन शामिल है। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में उन्होंने स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर तथा स्पिनर नाथन लियोन को अपनी टीम में रखा है। पोंटिंग ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा है, हर कोई दशक की अपनी टीम चुन रहा है तो मैने सोचा कि मुझे भी इस खेल में शामिल होना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, पिछले दशक की मेरी टेस्ट टीम इस तरह से है डेविड वार्नर, एलिस्टेयर कुक, केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ, विराट कोहली ‘कप्तानी, कुमार संगकारा ‘विकेटकीपरी, बेन स्टोक्स, डेल स्टेन, नाथन लियोन, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन। कोहली अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगा चुके है तथा केवल सचिन तेंदुलकर ‘100 और पोंटिंग ‘71 से पीछे है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की आधिकारिक वेबसाइट ने भी कोहली को दशक की अपनी टेस्ट एकादश का कप्तान चुना था।

कोहली शीर्ष पर बरकरार

पुजारा आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान खिसके

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान विराट कोहली वर्ष के आखिर में आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज रहेंगे लेकिन लंबी अवधि के प्रारूप के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गए। कोहली के 928 रेटिंग अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज आस्ट्रेलियाई स्टार स्टीव स्मिथ-911 से काफी आगे हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन-822 तीसरे स्थान पर हैं। इस साल 11 टेस्ट मैचों में 1085 रन बनाने वाले आस्ट्रेलियाई मार्नस लाबुशेन एक पायदान आगे चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। पुजारा 791 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि अंजिक्य रहाणे के 759 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल पहले की तरह 12वें स्थान पर बने हुए हैं लेकिन रोहित शर्मा एक पायदान पर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से भारत के कुल पांच बल्लेबाज शीर्ष 20 में शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में 95 रन की पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले क्विंटन डिकाक सोमवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल हो गए हैं। गेंदबाजों में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 794 अंक लेकर छठे स्थान पर बने हुए हैं जबकि स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 772 अंकी और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 771 अंकी नौवें और दसवें स्थान पर बने हुए हैं। रविंद्र जडेजा 725 अंकी एक पायदान पर 16वें जबकि इशांत शर्मा 716 अंकी पहले की तरह 18वें स्थान पर बने हुए हैं। इस तरह से गेंदबाजी में भी भारत के पांच खिलाड़ी शीर्ष 20 में बने हुए हैं। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी के अगुआ पैट कमिन्स 902 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। उनके बाद न्यूजीलैंड के नील वैगनर 859 और दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा 832 का नंबर आता है।

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज सिबले भी बीमार हुए

सेंचुरियन। सलामी बल्लेबाज डोमीनिक सिबले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई इंग्लैंड टीम के बीमार हुए क्रिकेटरों की सूची में शामिल हो गए हैं। टीम के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इस महीने दौरे के शुरु होने के बाद से 11 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के छह सदस्य किसी न किसी समय बीमार हुए। बीमारी के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे क्रिस वोक्स और जैक लीच की सेहत में सुधार है और लोग अब उनसे मिल सकते हैं। पूरी टीम मंगलवार को केपटाउन के लिए रवाना होगी। श्रृंखला का दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए सिडनी विशेषज्ञ समरविले को टीम में शामिल किया

वेलिंगटन। विल समरविले के सिडनी में खेलने के अनुभव को देखते हुए न्यूजीलैंड ने उन्हें आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। आफ स्पिनर समरविले आस्ट्रेलिया में पले बढ़े हैं और वह न्यू साउथ वेल्स की तरफ से शैफील्ड शील्ड में खेलते रहे हैं। उन्हें शुक्रवार से सिडनी में होने वाले टेस्ट मैच के लिए चोटिल तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह लिया गया है। न्यूजीलैंड ने श्रृंखला के पहले दो मैच गंवाए हैं और अब उस पर वाइटवाश का खतरा मंडरा रहा है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि छह फीट चार इंच लंबे समरविले के लिए सिडनी क्रिकेट ग्राउंड एससीजी की परिस्थितियां अनुकूल होंगी। उन्होंने कहा, यह सर्वविदित है कि एससीजी पिच आस्ट्रेलिया में स्पिनरों को मदद देने वाली पिच मानी जाती है। विल ने न्यू साउथ वेल्स की तरफ से काफी क्रिकेट सिडनी में खेली है जिससे हमें आखिरी टेस्ट की तैयारियों में मदद मिलेगी।

डु प्लेसिस ने बिग थ्री माडल की आलोचना की

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस का मानना है कि क्रिकेट को कम नहीं बल्कि अधिक संख्या में बड़े देशों की जरूरत है। रविवार को इंग्लैंड को पहले टेस्ट में 107 रन से हराने के बाद डुप्लेसिस से जब बिग थ्री भारत, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तथा एक अन्य देश की मौजूदगी वाली चार देशों की सुपर सीरीज की योजना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, आप पिछले एक साल से देख सकते हैं बिग थ्री देशों के बीच क्या चल रहा है। सुपर सीरीज में भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के अलावा एक और देश होगा जिसे एक-एक कर के आमंत्रित किया जाएगा। डु प्लेसिस ने कहा, शीर्ष तीन या तीन बड़े देशों के खिलाफ काफी मैच खेले जा रहे हैं। अगर आप इसमें अधिक टीमों को शामिल करेंगे तो यह और अच्छा हो सकता है। डु प्लेसिस ने बताया कि टेस्ट क्रिकेट में मैचों को लेकर काफी असमानता है जहां आयरलैंड और अफगानिस्तान जैसे नए टेस्ट देशों को खुद के लिए मैच हासिल करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, कई छोटे देश हैं जो टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पा रहे। वे काफी कम खेल रहे हैं।

चोटिल अबॉट की जगह शार्ट आस्ट्रेलियाई टीम में

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया ने सोमवार को चोटिल तेज गेंदबाज सीन अबॉट की जगह डी आशी शार्ट को भारत के आगामी दौरे के लिए आरोन फिंच की अगुवाई वाली एकदिवसीय टीम में शामिल किया। भारतीय दौरे की शुरुआत 14 जनवरी को मुंबई में होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी। दूसरा वनडे 17 जनवरी को राजकोट और तीसरा वनडे 19 जनवरी को बेंगलुरु में खेला जाएगा। अबॉट बिग बैश लीग में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण चार सप्ताह के लिए बाहर हो गए जिसके बाद शार्ट को 14 सदस्ईय टीम में शामिल किया गया। तेज गेंदबाज पैट कमिन्स, जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और केन रिचर्डसन आस्ट्रेलियाई टीम में हैं, इसलिए चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाज अबॉट की जगह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शार्ट को चुना जो लेग स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। चयन समिति के संयोजक ट्रेवर हॉन्स ने कहा, सीन के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सीन हमारी आईसीसी टी20 विश्व कप और वनडे विश्व कप की योजनाओं के लिए सीमित ओवरों की हमारी टीम का हिस्सा है। उन्होंने कहा, डी आसी के टीम में होने से हमारे पास एश्टन एगर के साथ एक और स्पिन आलराउंडर का विकल्प रहेगा। इन दोनों के अलावा चार विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों और स्पिनर एडम जंपा की मौजूदगी से टीम बेहद संतुलित बन गई है। डी आसी का अच्छा रिकार्ड और बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने की क्षमता से टीम को फायदा

भारतीय दौरे के लिए खेलेगी टीम

मिलेगा। शार्ट ने आस्ट्रेलिया की तरफ से चार वनडे में 26.66 की औसत से 83 रन बनाए हैं। डेविड वार्नर और फिंच पारी का आगाज करेंगे और से में शार्ट संभवत: मध्यक्रम में उतरेंगे। आस्ट्रेलिया इससे पहले वनडे श्रृंखला के लिए आखिरी बार विश्व कप 2019 से पहले भारतीय दौरे पर आया था और तब उसने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके 3-2 से श्रृंखला जीती थी। गेंद से छेड़छाड़ के मामले में प्रतिबंध समाप्त होने के बाद वार्नर और स्टीव स्मिथ भी आस्ट्रेलियाई टीम के साथ पहली बार भारत आएंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका में गेंद से छेड़छाड़ में भूमिका के बाद इन दोनों पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था।

भारत दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई टीम: आरोन फिंच ‘कप्तानी, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, पैट कमिन्स, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेज़लवुड, मार्नस लाबुशेन, केन रिचर्डसन, डी आशी शार्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, एश्टन टर्नर, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा।

आईसीसी चार दिवसीय टेस्ट को अनिवार्य करने पर विचार करेगा

2023 से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में लागू हो सकता है

भाषा। मेलबर्न

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद-आईसीसी 2023 से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में शामिल मुकाबलों को अनिवार्य रूप से चार दिवसीय करने पर विचार कर रहा है जिससे व्यस्त कार्यक्रम में समय की बचत की जा सके। आईसीसी की क्रिकेट समिति 2023-2031 सत्र के लिए टेस्ट मैचों को औपचारिक रूप से पांच की जगह चार दिन के करने पर विचार करेगी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक इस विचार के पीछे कई वजह है जिसमें आईसीसी और अधिक वैश्विक प्रतियोगिताओं के आयोजन करना चाहता है और बीसीसीआई ने भी इस सत्र में अधिक द्विपक्षीय मुकाबलों की मांग की है। इसके अलावा दुनिया भर में टी20 लीग का प्रसार हो रहा है और पांच दिवसीय मैच की मेजबानी में होने वाला खर्च भी शामिल है। अगर 2015-2023 सत्र में चार दिवसीय टेस्ट मैच खेले जाते तो खेल से 335 दिन बच जाते। चार दिवसीय टेस्ट कोई नई अवधारणा नहीं है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड और आयरलैंड ने चार दिवसीय टेस्ट खेला था। इससे पहले 2017 में दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने भी सा ही मैच खेला था। यह सा मुद्दा है जिस पर खेल से जुड़े हितधारक अलग-अलग दृष्टिकोण रख सकते हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के प्रमुख केविन रार्बट्स को लगता है कि चार दिवसीय टेस्ट पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। रार्बट्स ने एसईएन रेडियो को बताया, यह सा मुद्दा है जिस पर हमें इस सप्ताह गंभीरता से विचार करना होगा। इस मामले पर भावनाओं से पर उठना होगा, लेकिन इसे तथ्यों के हिसाब से देखा जाना चाहिए। हमें समय और ओवर के संदर्भ में यह देखने की जरूरत है कि पिछले पांच-दस वर्षों में टेस्ट मैचों की औसत लंबाई क्या रही है। आस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन हालांकि इस विचार से बहुत उत्साहित नहीं है। उन्होंने मेलबर्न में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली 247 रन की जीत के बाद कहा, अगर सा होता तो एशेज श्रृंखला में हमें जो नतीजे मिले वे नहीं मिलते। मुझे लगता है हर मैच पांचवें दिन तक चला था। पेन ने कहा, टेस्ट क्रिकेट को यही अलग बनाता है, यह पांच दिनों का होता है और मानसिक एवं शारीरिक रूप से मुश्किल होता है। यह प्रथम श्रेणी में चार दिवसीय मैच के मुकाबले खिलाड़ियों की अधिक परीक्षा लेता है। मुझे लगता है शायद इसी सोच से इसे सा रखा गया है, उम्मीद है कि यह बरकरार रहेगा।

गांगुली ने चार दिवसीय टेस्ट पर कहा, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी

कोलकाता। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सोमवार को कहा कि 2023 से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मैचों को चार दिवसीय टेस्ट के रूप में कराने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के प्रस्ताव पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। चार दिवसीय टेस्ट पर जब गांगुली से ईडन गार्डन्स पर उनका नजरिया जानना चाहा तो उन्होंने कहा, सबसे पहले हमें प्रस्ताव देखना होगा, इसे आने दीजिए और इसके बाद हम देखेंगे। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। बिना सोचे समझे टिप्पणी नही कर सकते। आईसीसी की क्रिकेट समिति 2023 से 2031 के सत्र में टेस्ट मैचों को पांच दिवसीय की जगह चार दिवसीय करने पर औपचारिक विचार विमर्श करेगी। चार दिवसीय मैचों की जरूरत में कई मुद्दे भूमिका निभा सकते है जिसमें आईसीसी की और अधिक वैश्विक प्रतियोगिताओं के आयोजन की चाहत और बीसीसीआई की इस सत्र में अधिक द्विपक्षीय मुकाबलों की मांग है। इसके अलावा दुनिया भर में टी20 लीग का प्रसार हो रहा है और पांच दिवसीय मैच की मेजबानी में होने वाला खर्च भी शामिल है। चार दिवसीय टेस्ट कोई नई धारणा नही है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड और आयरलैंड ने चार दिवसीय टेस्ट खेला था। इससे पहले 2017 में दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने भी सा ही मैच खेला था। गांगुली ने क्रिकेट सलाहकार समिति के गठन पर भी कोई जानकारी नही दी जिसे राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नियुक्ति करनी है।

डीडीसीए ने अध्यक्ष पद का चुनाव कराने के लिए विधानसभा चुनावों तक का समय मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ-डीडीसीए ने अपने अध्यक्ष पद का चुनाव कराने के लिए सोमवार को फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनावों तक का समय मांगा। डीडीसीए ने साथ ही स्पष्ट कर दिया कि लोढा समिति की सिफारिशों के अनुसार भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के पात्र नही है। डीडीसीए के महासचिव विनाद तिहाड़ा ने यहां कहा, लोक्पाल दीपक वर्मा को अध्यक्ष पद का चुनाव कराने के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया जाएगा। चुनाव जनवरी के अंत में होने है लेकिन आग्रह किया जाएगा कि यह फरवरी में दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद हों। रजत शर्मा के इस्तीफे के बाद खाली हुए अध्यक्ष पद के लिए गंभीर की उम्मीदवारी पर तिहाड़ा ने कहा, दिल्ली क्रिकेट की सेवा के लिए उनका स्वागत है लेकिन वह अध्यक्ष तभी बन सकते है जब सांसद के रूप में इस्तीफा दें। रजत शर्मा ने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था जिससे डीडीसीए में नए अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए चुनाव कराने की जरूरत पड़ी। तिहाड़ा ने साथ ही रविवार को संपन्न विवादों से भरी वार्षिक आम बैठक के दौरान हाथापाई करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी वादा किया। एजीएम के दौरान हाथापाई भी हुई थी और इस दौरान न्यायमूर्ति सेवानिवृत्ती दीपक वर्मा को डीडीसीए का नया लोक्पाल नियुक्त किया गया। एजीएम के इतर सत्ताधारी गुट के संयुक्त सचिव रजन मनचंदा को विरोधी गुट के मक्सूद आलम ने थप्पड़ जड़ा। तिहाड़ा ने कहा कि एजीएम के दौरान अव्यवस्था में शामिल रहे राज्य संघ के अधिकारियों के खिलाफ एक हफ्ते के भीतर कार्रवाई की जाएगी। तिहाड़ा ने कहा, डीडीसीए एजीएम के दौरान उत्पात मचाने वालों के खिलाफ एक हफ्ते के भीतर उचित कार्रवाई की जाएगी।

हरफनमौला पर विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज को मिले तरजीह

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच अनिल कुंबले का मानना है कि टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम को विकेट चटकाने वाले विकल्प पर ध्यान देना चाहिए जहां हरफनमौला खिलाड़ी की जगह तेज गेंदबाज को तरजीह मिलनी चाहिए।

अगले साल अक्टूबर में आस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम आने वाले समय में अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी।कुंबले ने क्रिकनेक्स्ट से कहा, मैं निश्चित रूप से मानता हूं कि आपको विकेट लेने वाले गेंदबाजों की जरूरत होगी। से में मेरे मुताबिक कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह मिलनी चाहिए। आप सवाल उठा सकते हो कि जब ओस की वजह से गेंद गीली हो जाती है तब टीम में कलाई के दो स्पिनरों का होना क्या सही है? भारत की ओर से टेस्ट और एकदिवसीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, यह काफी जरूरी है कि आप विकेट लेने वाले विकल्प की तलाश करें। टीम हरफनमौला खिलाड़ी को ढूंढ रही है लेकिन आपको से तेज गेंदबाजों को रखना होगा जो विकेट ले सकें। मुझे लगता है कि ए काफी मुश्किल परिस्थिति है। कुंबले के मुताबिक यह पहचान करना अहम

टी20 विश्व कप के लिए कुंबले का मंत्र

होगा कि आस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में कौन-कौन अच्छा कर सकता है। उन्होंने कहा, भारत के लिए यह सोचना काफी अहम होगा कि आस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में कौन प्रदर्शन करेगा और कौन से से गेंदबाज हैं जो विकेट लेने की क्षमता रखते हैं। क्योंकि इसी से विरोधी टीम पर दबाव बनेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस पूर्व कप्तान के लिए आईपीएल का प्रदर्शन काफी मायने रखेगा। उन्होंने कहा, यह इस पर निर्भर करेगा कि एमएस ‘धोनी आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करते हैं और क्या भारतीय टीम को लगता है कि विश्व कप में उनकी सेवाओं की जरूरत होगी। इस तरह वह टीम का हिस्सा हो सकते हैं। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। पिछले दिनों भारतीय टीम के मौजूदा कोच रवि शास्त्री ने कहा था कि लोकेश राहुल टी20 विश्व में विकेटकीपिंग में बैकअप की भूमिका निभा सकते है। कुंबले भी सी सोच रखते हैं। उन्होंने कहा, राहुल से खिलाड़ी है जिसका भारतीय टीम इस्तेमाल करने की सोच सकती है। वह टी20 में इस भूमिका को निभा सकते हैं। वह अच्छा है और उसने कर्नाटक के लिए विकेटकीपिंग की है। सीमित ओवरों के प्रारूप में बल्लेबाज के तौर पर उनकी क्षमता के बारे में हमें पता है। हां, वह अच्छा विकल्प है। उन्होंने कहा, भारतीय टीम जिस विकल्प के बारे में भी सोच रही है , मुझे लगता है कि विश्व कप से कम से कम 10-12 मैच पहले उसे पक्का कर लेना चाहिए। कुंबले के मुताबिक रोहित शर्मा 2019 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं जिन्होंने हर प्रारूप में रन बनाए और टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक मयंक अग्रवाल साल के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटर रहे।

रहाणे और साव कर्नाटक के खिलाफ रणजी में खेलेंगे

भाषा। मुंबई

टेस्ट विशेषज्ञ अजिंक्य रहाणे और युवा बल्लेबाज पृथ्वी साव कर्नाटक के खिलाफ रणजी मुकाबले में मुंबई की ओर से मैदान में उतरेंगे।

मुंबई क्रिकेट संघ ने सोमवार को अपनी वेबसाइट पर 15 सदस्ईय टीम की घोषणा की जिसमें दोनों खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। इस मुकाबले को तीन जनवरी से यहां के बांद्रा कुर्ला परिसर में खेला जाना है। रहाणे और साव ने मौजूदा सत्र में मुंबई की ओर से दोनों मैच खेले हैं। यह मुकाबले बड़ौदा और रेलवे के खिलाफ खेले गए थे। साव ने बड़ौदा के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था जिसमें टीम ने जीत दर्ज की। वह हालांकि रेलवे के खिलाफ दोनों पारियों में विफल रहे और रेलवे ने इस मुकाबले में 41 बार की चैम्पियन को 10 विकेट से हराया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 63 टेस्ट खेलने वाले रहाणे इन दोनों मैचों में बल्ले से कमाल करने में नाकाम रहे। राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़े श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल नहीं किया गया है। टीम: सूर्यकुमार यादव ‘कप्तानी, आदित्य तारे ‘उपकप्तानी, अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी साव, सरफराज खान, शुभम रंजने, आकाश पारकर, सिद्धेश लाड, शम्स मुलानी, विनायक भोईर, शशांक अत्तारडे, रायस्ट डियाज, तुषार देशपांडे, दीपक शेट्टी और एकनाथ केरकर।

बंगाल की रणजी टीम में डिंडा को नहीं मिली जगह

कोलकाता। बंगाल ने अनुभवी तेज गेंदबाज अशोक डिंडा को गुजरात के खिलाफ तीन जनवरी से खेले जाने वाले रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए के मुकाबले के लिए सोमवार को घोषित 16 सदस्ईय टीम में जगह नही दी। भारत के लिए 13 एकदिवसीय और नौ टी20 खेलने वाले डिंडा को आंध्र के खिलाफ मैच से पहले गेंदबाजी कोच रणादेब बोस के साथ दुर्व्यवहार और फिर माफी मांगने से इनकार करने पर टीम से बाहर कर दिया गया था। सीएबी के संयुक्त सचिव अभिषेक डालमिया ने कहा, टीम प्रबंधन की राय के आधार पर, चयनकर्ताओं ने डिंडा को अभी टीम में शामिल करने पर विचार नही किया। खराब फार्म से जूझ रहे सुदीप चटर्जी की जगह बाएं हाथ के नए बल्लेबाज काजी जुनैद सैफी को टीम में शामिल किया गया है। टीम: अभिमन्यु ईश्वरन ‘कप्तानी, अभिषेक रमन, मनोज तिवारी, अनुस्तुप मजुमदार, श्रीवत्स गोस्वामी, अर्नब नंदी, रित्विक राय चौधरी, इशान पोरेल, शाहबाज अहमद, सुदीप घरामी, आकाश दीप, मुकेश कुमार, कौशिक घोष, बी अमित, अयान भट्टाचार्य और काजी जुनैद सैफी।

मैदान पर कोहली राजा तो बाहर गांगुली महाराजा

भाषा। नई दिल्ली

विराट कोहली और भारतीय क्रिकेट ने खत्म हो रहे साल में अच्छी प्रगति की जबकि सौरव गांगुली ने बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में नई पारी की शुरुआत की। भारत ने साथ ही 2019 में अंतत: दिन-रात्रि टेस्ट खेला। विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत की हार दिल तोड़ने वाली रही जबकि महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर संशय बरकरार है जो पिछले छह महीने से क्रिकेट से दूर हैं। विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत को न्यूजीलैंड ने हराया। फाइनल में हालांकि न्यूजीलैंड को निराशा हाथ लगी जब निर्धारित ओवर और फिर सुपर ओवर के बाद भी मैच टाई रहा और मेजबान इंग्लैंड को मैच में अधिक बाउंड्री लगाने के कारण विजेता घोषित किया गया। आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर ने 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के कारण एक साल का प्रतिबंध लगने के बाद नई शुरुआत की। वार्नर ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया तो स्मिथ एशेज में छाए रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 2019 में अपने कई अच्छे खिलाड़ी गंवाए और पूरे साल उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम हालांकि साल का अंत इंग्लैंड के खिलाफ जीत से करने में सफल रही। वर्ष 2009 के आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट की वापसी हुई जब श्रीलंका की टीम ने देश का दौरा किया। इन मैचों के लिए हालांकि काफी दर्शक नहीं पहुंचे। ग्लेन मैक्सवेल ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए ब्रेक लिया जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मानसिक तनाव का मुद्दा उठा। इस क्रिकेटर को इस मुद्दे पर चौतरफा समर्थन मिला। भारत की बात करें तो टीम इंडिया आस्ट्रेलिया में सात दशक में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने में सफल रही लेकिन विश्व कप सेमीफाइनल में कुछ मिनटों के खराब प्रदर्शन के कारण विराट कोहली की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मुश्किल के समय में भारतीय क्रिकेट की बागडोर संभालने के लिए पहचाने जाने वाले गांगुली सर्वसम्मति से बीसीसीआई के 39वें अध्यक्ष बने जिससे उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति के तीन साल के विवादास्पद कार्यकाल का अंत हुआ। गांगुली ने एक बार फिर आगे बढ़कर अगुआई करने की अपनी क्षमता दिखाई जब उन्होंने कोहली को बांग्लादेश के खिलाफ गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने के लिए राजी किया जो इसके लिए पहले तैयार नहीं थे। मैच का स्तर उतना ंचा नहीं था लेकिन नए बोर्ड अध्यक्ष यह दिखाने में सफल रहे कि टेस्ट क्रिकेट में कैसे दर्शकों को वापस लाया जा सकता है। गुलाबी गेंद से शतक बनाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने कप्तान कोहली का नजरिया हालांकि अलग था और उन्होंने दर्शकों को मैदान पर लाने के लिए स्थाई टेस्ट केंद्र बनाने का सुझव दिया। मैदान पर कोहली लगातार आगे बढ़त रहे। वह तीनों प्रारूपों में 2455 रन बनाकर सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने अपने साथी रोहित शर्मा ‘2442 से 13 रन अधिक बनाए। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में नई पारी का आगाज किया और बेहद सफल रहे।भारतीय गेंदबाजों ने बीते साल दबदबा बनाया जो नई शुरुआत को दर्शाता है। विश्व कप सेमीफाइनल में मार्टिन गुप्टिल के सीधे थ्रो पर रन आउट होने के बाद से धोनी ने प्रतिस्पधी क्रिकेट नहीं खेला है और उनके भविष्य को लेकर संशय बना हुआ है।

विकास ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए भारतीय टीम में

पुरुष मुक्केबाजी ट्रायल्स

भाषा। बेंगलुरू

विकास कृष्ण 69 किग्रा ने सोमवार को यहां दो अन्य मुक्केबाजों के साथ अपना अंतिम ट्रायल मुकाबला जीतकर अगले साल होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय पुरुष मुक्केबाजी टीम में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के पूर्व पदक विजेता विकास लंबे समय तक 75 किग्रा में खेलते रहे लेकिन पीठ की चोट से उबरने के बाद उन्होंने 69 किग्रा में वापसी की। इससे पहले दो बार ओलंपिक में भाग ले चुके 26 वर्षीय विकास ने ट्रायल्स फाइनल्स में दुर्योधन सिंह नेगी को सर्वसम्मत फैसले में हराया। चीन में तीन से 14 फरवरी के बीच होने वाले एशिया ओसेनिया क्षेत्रीय क्वालीफायर के लिए राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता गौरव सोलंकी 57 किग्रा और नमन तंवर 91 किग्रा ने भी टीम में जगह बनाई। सोलंकी ने मोहम्मद हसमुद्दीन को जबकि तंवर ने नवीन कुमार को हराया। भारतीय पुरुष मुक्केबाजी के हाई परफोरमेन्स निदेशक सैंटियागो नीवा ने कहा, गौरव सोलंकी ने हसमुद्दीन के खिलाफ कड़े मुकाबले में शानदार वापसी की। जहां तक विकास की बात है तो वह प्रतिबद्ध है और हमारी उससे काफी उम्मीदें हैं। रविवार को एशियाई रजत पदक विजेता आशीष कुमार 75 किग्रा, सतीश कुमार 91 किग्रा से अधिकी और सचिन कुमार 81 किग्रा ने टीम में जगह बनाई थी। अमित पंघाल 52 किग्रा और मनीष कौशिक 63 किग्रा ने सितंबर में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतकर टीम में अपनी जगह बनाई थी। नीवा ने कहा, प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी और प्रत्एक भार वर्ग में कड़े मुकाबले देखने को मिले। टीम वास्तव में मजबूत नजर आ रही है। ओलंपिक क्वालीफायर्स से पहले हमारे पास एक महीने का समय है। हम कड़ा अभ्यास करेंगे और जहां सुधार जरूरी है उन पर ाम करेंगे। **एशिया-ओसेनिया ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम : अमित पंघाल 52 किग्रा, गौरव सोलंकी 57 किग्रा, मनीष कौशिक 63 किग्रा, विकास कृष्ण 69 किग्रा, आशीष कुमार 75 किग्रा, सचिन कुमार 81 किग्रा, नमन तंवर 91 किग्रा, सतीश कुमार 91 किग्रा।**

देश को मेरीकोम और निकहत जरीन पर गर्व : रीजीजू

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्री कीरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि एमसी मेरीकोम और निकहत जरीन के बीच ट्रायल मुकाबले की घटनाओं को बढ़ा चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए तथा देश को इन दोनों पर गर्व है। मेरीकोम ने शनिवार को जरीन को 9-। से हराकर फरवरी में चीन में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर में जगह बनाई। इस मुकाबले में दोनों मुक्केबाजों के बीच कटुता साफ तौर पर दिखी और दोनों मुक्केबाजों ने मुकाबले के बाद हाथ नहीं मिलाए। मेरीकोम मुकाबले के बाद जरीन के गले भी नहीं लगीं। रीजीजू ने ट्वीट किया, मेरीकोम दिग्गज खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्व एमेच्योर मुक्केबाजी में वह हासिल किया है जो कोई अन्य मुक्केबाज नहीं कर पाया। निकहत जरीन भी शानदार मुक्केबाज है जिसमें मेरीकोम के पदचिन्हों पर चलने की क्षमता है। भारत को दोनों पर गर्व है। उन्होंने आगे लिखा, जुनून और भावनाएं खेल की आत्मा है। केवल यह बात दिमाग में रहनी चाहिए कि पेशेवर खेलों में खिलाड़ी और पैसा अधिक महत्व रखता है जबकि एमेच्योर खेलों में देश महत्वपूर्ण होता है। आपस में झगड़े का खिलाड़ियों पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए विपरीत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ बीएफआई ने जब ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए मेरीकोम का सीधे चयन करने का फैसला किया तो जरीन ने रीजीजू को खुला पत्र लिखा था। रीजीजू ने ओलंपिक चार्टर का हवाला देकर खुद को मामले से अलग कर लिया था। मेरीकोम ने शनिवार को कहा था कि वह चयन विवाद में घसीटे जाने से निराश हैं क्योंकि चयन उनके हाथ में नहीं है।

मैच के दौरान फुटबालर धनराजन बेहोश, मौत

मलप्पुरम-केरल। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल का प्रतिनिधित्व कर चुके फुटबालर धनराजन राधाकृष्णन की केरल के पेरिनतालमन्ना में फुटबाल मैच खेलने के दौरान मौत हो गई। धनराजन को कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ा। एफसी पेरिनतालमन्ना की ओर से रविवार शाम सस्था मेडिकल्स एफसी त्रिसूर के खिलाफ सेवन ए साइड मैच में खेल रहे डिफेंडर धनराजन मैच के दौरान बेहोश होकर गिर पड़े और उन्हें तुरंत समीप के अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार रात 10 बजकर 20 मिनट पर उनका निधन हो गया।
मैच के 27वें मिनट में धनराजन बेहोश होकर गिरे। इससे पहले उन्होंने अपना बायां हाथ उठाकर इशारा किया। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने धनराज की मौत पर शोक जताया है। वह संतोष ट्राफी में बंगाल की ओर से भी खेले।

लिवरपूल का घरेलू मैदान पर अजेय अभियान का अर्धशतक पूरा

लंदन। लिवरपूल ने वार के सहारे वोल्व्स को।-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में फिर से 13 अंक की बढ़त हासिल करने के साथ ही घरेलू मैदान पर अपने अजेय अभियान को 50 मैचों तक पहुंचा दिया। उधर चेल्सी ने बेहतरीन वापसी करके अंतिम क्षणों में चार मिनट के अंदर दो गोल करके आर्सनल को 2-। से पराजित किया। आर्सनल पियरे एमरिक के 13वें मिनट में किए गए गोल से जीत की तरफ बढ़ रहा था लेकिन जोर्गिन्हो 83वीं और टैम अब्राहम- 87वें मिनटी ने मैच का पासा पलट दिया। मैनचेस्टर सिटी अब भी लिवरपूल से 14 अंक पीछे है लेकिन उसने शैफील्ड यूनाइटेड पर 2-0 की जीत से दूसरे नंबर पर काबिज लीस्टर से अंतर कम कर दिया है। सिटी की तरफ से सर्जियो अगुएरा और केविन डि ब्रूएन के दूसरे हाफ में गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के 42 जबकि लीस्टर के 43 अंक हैं। लिवरपूल 55 अंकों के साथ शीर्ष पर है। चेल्सी 35 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। एनफील्ड में खेले गए विवादास्पद मुकाबले में सैडियो माने के गोल से लिवरपूल ने लीग में अपने घरेलू मैदान पर अजेय अभियान 50 मैच तक पहुंचा दिया। लिवरपूल के कोच जर्गेन क्लॉप ने कहा, अगर इतने अधिक मैच जीतना आसान होता तो कई टीमें सा करती। माने के 42वें मिनट में किए गए गोल को पहले नकार दिया गया था क्योंकि रेफरी को लगा कि गेंद एडम लालना के हाथ से लगी है लेकिन वार समीक्षा के बाद रेफरी एंथनी टेलर का फैसला बदल दिया गया। इसके कुछ देर तक वोल्व्स की तरफ से पेड्रो नीटो ने गोल किया लेकिन वार समीक्षा में आफसाइड की वजह से फैसला उनके खिलाफ चला गया।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का बहिष्कार नहीं करेगा आईओए

2026 या 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की दावेदारी करेगा आईओए

वार्षिक आम बैठक के दौरान यह फैसला

भाषा। नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ- आईओए ने निशानेबाजी को हटाए जाने को लेकर 2022 बर्मिंघम खेलों के बहिष्कार की धमकी सोमवार को वापस ले ली और साथ ही घोषणा की कि देश 2026 या 2030 खेलों की मेजबानी की दावेदारी पेश करेगा। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ सीजीएफी की सलाह पर आईओए ने यहां अपनी वार्षिक आम बैठक के दौरान राष्ट्रमंडल खेल 2022 से पहले राष्ट्रमंडल निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी का औपचारिक प्रस्ताव सौंपने का फैसला किया।
2022 खेलों से निशानेबाजी को हटाए जाने की भरपाई के लिए भारतीय के राष्ट्रीय निशानेबाजी संघ और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी संघ ने यह विचार रखा था। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने एजीएम के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, एजीएम में हमने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से हटने का फैसला वापस ले लिया है। देश का दल 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जाएगा। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ सीजीएफी की अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने भारत के बर्मिंघम खेलों में प्रतिनिधित्व की पुष्टि करने का स्वागत किया है। लुईस मार्टिन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, सीजीएफ और पूरा राष्ट्रमंडल खेल अभियान प्रफुल्लित है कि भारत आईओए ने नई दिल्ली में अपनी वार्षिक आम बैठक के दौरान बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में हिस्सा लेने के अपने इरादे की पुष्टि की है। आईओए प्रमुख नरिंदर बत्रा की मौजूदगी में मेहता ने कहा, हम साथ ही 2026 या 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करेंगे। इस बोली को लेकर आम सभा में प्रस्ताव पारित किया गया है।
ओलंपिक खेलों की देश में शीर्ष संस्था आईओए अब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की जरूरी स्वीकृति लेने के लिए सरकार से संपर्क करेगा। भारत ने 2010 में इन खेलों की मेजबानी की थी। मेहता ने कहा कि एजीएम में स्वीकृति मिलने के बाद हम सरकार के पास जाएंगे। अंत में फैसला सरकार को ही करना है। खांडा के किगाली में सीजीएफ की 2019 आम सभा में 2026 खेलों के मेजबान पर फैसला होना था लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया और अब घोषणा अगले साल की जाएगी। बत्रा ने बताया कि एजीएम ने यह प्रस्ताव भी पारित किया है कि सीजीएफ से आग्रह किया जाएगा कि निशानेबाजी की तर्ज पर तीरंदाजी की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का भी आयोजन किया जाए। तीरंदाजी भी 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं है। बत्रा ने कहा, हम निशानेबाजी और तीरंदाजी की राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए दो प्रस्ताव भेज रहे हैं। बत्रा ने साथ ही बताया कि 2023 में मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रतिष्ठित सत्र की मेजबानी के लिए भारत को अंतिम दावेदारी आईओसी को सौंपनी होगी। उन्होंने साथ ही बताया कि एजीएम में 2020 राष्ट्रीय खेल गोवा में 20 अक्टूबर से चार नवंबर तक कराने की पुष्टि की गई। बत्रा ने विवादास्पद खेल संहिता मसौदा 2017 पर भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया क्योंकि यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। उन्होंने हालांकि कहा कि आईओए ने इसे खारिज कर दिया है। मेहता ने कहा कि उम्मीद है कि भारत के कम से कम 125 खिलाड़ी 2020 तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, अब तक 60 से अधिक खिलाड़ियों ने क्वालीफाई कर लिया है। हमें कम से कम 125 खिलाड़ियों के तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने की उम्मीद है और यह संख्या 150 तक पहुंच सकती है। बत्रा ने कहा, हमें दोहरे अंक में पदक मिलने की उम्मीद है।

लियोन ने वार्न का सुझाव नकारा

कहा- आपने कब मैकगिल को मौका दिया

भाषा। सिडनी

आस्ट्रेलिया के नाथन लियोन ने सिडनी टेस्ट से विश्राम लेने के शेन वार्न के सुझव को दो टूक शब्दों में नकारते हुए सोमवार को कहा कि इस दिग्गज लेग स्पिनर ने क्या कभी अपने करियर में स्टुअर्ट मैकगिल को मौका देने की कोशिश की। वार्न ने लियोन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सिडनी टेस्ट से विश्राम देने और उनकी जगह लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन को अंतिम एकादश में रखने की वकालत की थी। वार्न ने कहा था कि अगर चयनकर्ता इस तीसरे और अंतिम टेस्ट के लिए एक स्पिनर का चयन करते हैं तो उन्हें लियोन को बाहर करके स्वेपसन को पदार्पण का मौका देना चाहिए। मिशेल स्वेपसन को टेस्ट मैच का अनुभव दिलाने के लिए उन्हें मौका देना चाहिए। मेरा मानना है कि इसका भविष्य में फायदा मिलेगा। लेकिन दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में चार विकेट लेने वाले लियोन ने कहा कि उनके बाहर बैठने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। वार्न जब खेला करते थे तो मैकगिल को बहुत कम मौके मिले और लियोन ने उसी का सहारा लिया। लियोन ने कहा, क्या वार्न कभी विश्राम चाहते थे ताकि स्टुअर्ट मैकगिल को मौका मिल सके? मैं विश्राम नहीं लूंगा। मैं कभी किसी से आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर से नहीं मिला जो विश्राम लेना चाहता हो। मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता कि मिच स्टार्क, पैट कमिन्सी या पैटा जेम्स पैटिनसनी कहें कि उन्हें विश्राम की जरूरत है। क्वीन्सलैंड के स्वेपसन को सिडनी टेस्ट के लिए आस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है जहां परिस्थितियां धीमी गति के गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं। स्वेपसन ने मेलबर्न में वार्न से टिप्स लिए थे।

हंपी ब्लिट्ज प्रतियोगिता में पहले दिन के बाद दूसरे स्थान पर

मास्को। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने महिला विश्व रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में दूसरे खिताब के लिए दमदार शुरुआत की और वह ब्लिट्ज प्रतियोगिता के पहले दिन तीन अन्य के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। शनिवार को रैपिड खिताब जीतने वाली 32 वर्षीय हंपी ने दो दिवसीय ब्लिट्ज प्रतियोगिता में पहले पांच दौर में जीत से शुरुआत की और वह एक समय शीर्ष पर थी। हंपी ने अपनी अगली दो बाजियां ड्रा कराई और फिर आठवीं बाजी में मोनिका सैको को हराया। वह हालांकि पहले दिन के बाद शीर्ष पर चल रही रूस की कैटरीना लैगनो से दिन की अंतिम बाजी में नाटकीय तरीके से हार गई। लैगनो ने 2018 के अपने खिताब के बचाव के लिए पूरी प्रतिबद्धता दिखाई और उन्होंने संभावित नौ में से आठ अंक हासिल किए हैं। लैगनों के बाद चार खिलाड़ी अलेक्सांद्रा कोस्तेनियुक, कोनेरू हंपी, दारिया चारोचकिना और एलिना काशलिनसकाया समान सात सात अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। हंपी ने शनिवार को चीन की ली टिंगजी के खिलाफ आर्मेगेडोन बाजी ड्रा करवाकर विश्व महिला रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीती थी।

एटीपी कप से हटे जापान के निशिकोरी

भाषा। पर्थ

जापान के टेनिस स्टार केई निशिकोरी सोमवार को पहले एटीपी कप से हट गए क्योंकि वह अब भी कोहनी की चोट से जूझ रहे हैं जिसके कारण वह यूएस ओपन के बाद से बाहर चल रहे हैं। निशिकोरी एक समय विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे लेकिन अब 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने निराशा जताई कि वह तीन जनवरी से शुरू होने वाली टीम स्पर्धा में अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे। उन्होंने बयान में कहा, आज अपनी टीम के साथ मिलकर हमने यह फैसला किया कि मैं अब भी उच्च स्तर पर खेलने के लिए शत प्रतिशत फिट नहीं हूं। निशिकोरी ने अक्टूबर में अपनी कोहनी का आपरेशन करवाया था और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह 20 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले साल के पहले ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियाई ओपन में खेल पाएंगे या नहीं। जापान एटीपी कप टीम में निशिकोरी की जगह योशीहितो निशिओका को लिया गया है। निशिकोरी से पहले ब्रिटेन के एंडी मर्रे भी चोट के कारण इस प्रतियोगिता से हट गए थे जबकि रोजर फेडरर ने इसमें नहीं खेलने का फैसला किया था। यह टीम चैंपियनशिप तीन से 12 जनवरी के बीच होगी जिसकी पुरस्कार राशि एक करोड़ 50 लाख डालर है। इसमें एकल में अधिकतम 750 और युगल में 250 रैंकिंग अंक भी दांव पर लगे होंगे। प्रतियोगिता में 24 देशों को छह ग्रुप में रखा जाएगा जो राउंड रॉबिन आधार पर एक दूसरे से खेलेंगे। इनमें शीर्ष पर रहने वाली आठ टीमें नाकआउट में पहुंचेंगी।
ग्रुप चरण के मैच पर्थ, सिडनी और ब्रिस्बेन में खेले जाएंगे। फाइनल सिडनी में होगा।

भारतीय हाकी में उम्मीद की नई किरण जगा गया वर्ष 2019

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय हाकी के लिए अगर 2018 मौके चूकने के कारण निराशा से जुड़ा रहा तो वर्ष 2019 इस खेल में उम्मीद की नई किरण लेकर आया जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों ने अगले साल तोक्यो में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। भारतीय टीमों ने 2019 में अधिकतर मौकों का पूरा फायदा उठाया और इनमें से सबसे बड़ा था तोक्यो ओलंपिक के लिए अपना टिकट पक्का करना। भारतीयों टीमों ने हालांकि वर्ष 2019 में अधिकतर द्विपक्षीय श्रृंखलाओं और अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ एफआईएचची की एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस बीच अप्रैल में ग्राहम रीड ने भारतीय सीनियर पुरुष टीम का जिम्मा संभाला और जूनियर टीम के कुछ खिलाड़ियों ने सीनियर टीम में जगह बनाई। आस्ट्रेलिया, विश्व चैंपियन बेल्जियम, नीदरलैंड, जर्मनी और अर्जेंटीना जैसी शीर्ष टीमें जहां एफआईएच प्रो लीग के पहले सत्र में खेलने में व्यस्त रही वहीं भारतीय टीम अधिकतर कम रैंकिंग वाली टीमों से खेली। पुरुष टीम ने इस साल की शुरुआत जून में भुवनेश्वर में एफआईएच सीरीज फाइनल्स से की जहां मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 5-। से हराकर

एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स में जगह बनाई। ओलंपिक क्वालीफायर्स से पहले भारतीय पुरुष टीम ने अगस्त में तोक्यो ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें मेजबान जापान, मलेशिया और न्यूजीलैंड की टीमें खेली थीं। भारतीय टीम ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 5-0 से करारी शिकस्त देकर खिताब जीता था। इसके बाद भारतीय टीम यूरोप दौरे पर गई जहां उसने विश्व चैंपियन बेल्जियम के खिलाफ तीन और स्पेन के खिलाफ दो मैच खेले। मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने बेल्जियम को 2-0, 2-। और 5-। से तथा स्पेन को 6-। और 5-। से हराया। लेकिन उनकी सबसे बड़ी सफलता ओलंपिक क्वालीफायर्स में रहीं जहां उसने रूस को 11-3 के कुल स्कोर से हराकर ओलंपिक के लिए टिकट पक्का किया। रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम इस साल पांचवें स्थान पर बनी रही। भारतीय महिला टीम ने भी काबिलेतारीफ प्रदर्शन किया। रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम भी साल भर रैंकिंग में नौवें स्थान पर बनी रही। उसकी दो खिलाड़ियों शर्मिला देवी और लालरेमसियामी को एफआईएच के वर्ष के उदीयमान खिलाड़ी के लिए नामित किया गया। इस वर्ष मुख्य कोच सोर्ड मारिन को पूरे सत्र में महिला टीम के साथ काम करने और सही संयोजन तैयार करने का भी मौका मिला। महिला टीम ने मलेशिया और कोरिया दौरे से शुरुआत की जहां उसने अपनी प्रतिद्वंद्वियों को हराकर जून में एफआईएच सीरीज फाइनल्स के लिए जरूरी आत्मविश्वास हासिल किया। भारत ने हिरोशिमा में एफआईएच सीरीज फाइनल्स में उरूग्वे, पोलैंड, फिजी, चिली और मेजबान जापान को हराकर एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए क्वालीफाई किया। इसके बाद ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता में उसने विश्व में नंबर दो आस्ट्रेलिया को बराबरी पर रोका तथा चीन और जापान को हराकर खिताब जीता। भारतीय महिला टीम ने ओलंपिक क्वालीफायर्स में भी अपना अच्छा फार्म जारी रखा और अमेरिका को 6-5 के कुल स्कोर से हराकर तीसरी बार ओलंपिक में जगह बनाई। सीनियर टीमों की तरह जूनियर टीमों ने भी किसी बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया और वह अधिकतर आमंत्रण टूर्नामेंटों में ही खेलीं।

एसडीएस क्रिकेट अकादमी की आसान जीत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसडीएस क्रिकेट अकादमी ने बीबीडी सी डिवीजन लीग क्रिकेट में बीएसएनवी कालेज को आठ विकेट से हराकर पूरे अंक जुटाए। सीएसडी सहारा ग्राउंड में बीएसएनवी कालेज ने पहले बैटिंग करके 26 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर केवल 80 रन बनाए। सुहैल ने 17 और गौरव पांडेय ने 15 रन बनाए। एसडीएस क्रिकेट अकादमी के अमन चौधरी, सचिन मलिक और सोनू कुमार ने दो-दो विकेट प्राप्त किए। जवाब में एसडीएस क्रिकेट अकादमी ने 15.2 ओवर में केवल दो विकेट खोकर 82 रन बनाकर मैच जीत लिया। यश प्रभाकर ने नाबाद 32, सचिन मलिक ने नाबाद 21 और स्वाभिमान सिंह ने 15 रन का योगदान दिया। बीएसएनवी कालेज के महेन्द्र कुमार ने एक विकेट लिए।

अप्रतिम तिवारी ने छह विकेट चटकाए

लखनऊ। अप्रतिम तिवारी के छह विकेट की मदद से पार्थ क्रिकेट अकादमी ने बीबी गुप्ता स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट में लाइफ केयर क्रिकेट क्लब को आसानी से आठ विकेट से शिकस्त दी। पार्थ ग्राउंड में लाइफ केयर क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग करके 20.1 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 94 रन बनाए। गौरव रावत ने 28 और शुभम मिश्रा ने 24 रन का योगदान दिया। पार्थ क्रिकेट अकादमी के अप्रतिम तिवारी ने शानदार गेंदबाजी करके छह विकेट झटके। एक विकेट अभिनव उपाध्याय को मिला। जवाब में पार्थ क्रिकेट अकादमी ने 21 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज की। प्रियांक भट्ट ने नाबाद 47 और कोमल होरा ने नाबाद 21 रन बनाए। लाइफ केयर की तरफ से मनीष कुमार ने एक विकेट लिए।

पृथ्वी ने शैल बाला शतरंज जीता

लखनऊ। पृथ्वी सिंह ने तनिष्क गुप्ता से ड्रा खेलकर तीसरी शैल बाला मेमोरियल ओपन शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। अविजय चेस अकादमी में खेली गए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा पांच अंक जुटाए। आरिफ अली, तनिष्क गुप्ता और आदित्य पन्त सभी ने 4.5-4.5 अंक बनाए परन्तु टाईब्रेक के चलते क्रमश: दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। 4.4 अंक हासिल कर समीर, स्कन्द त्रिपाठी और शनि कुमार सोनी क्रमश: पांचवें से सातवें स्थान पर रहे। स्वर्गीय शैल बाला

के पुत्र अतुल कुमार ने पुरस्कार वितरित किया।

माइक्रोलिट जिमखाना 127 रनों से जीता

लखनऊ। माइक्रोलिट जिमखाना ने क्रिएटिव क्रिकेट चैंपियनशिप के लीग मैच में स्टैंडर्ड क्रिकेट क्लब को 127 रनों से हराया। महाऋषि ग्राउंड में माइक्रोलिट जिमखाना ने पहले बैटिंग करके 24.2 ओवर में 176 रन बनाए। सौरभ सिंह ने 63, कपिल गुप्ता ने 35 और आकाश वर्मा ने 18 रन का योगदान दिया। स्टैंडर्ड क्रिकेट क्लब के हर्षित श्रीवास्तव और एस. अहमद ने दो-दो विकेट लिए।
जवाब में स्टैंडर्ड क्रिकेट क्लब की टीम 23 ओवर में केवल 49 रन बनाकर आल आउट हो गयी। मनीष कुमार ने सबसे ज्यादा 25 रन का योगदान दिया। माइक्रोलिट जिमखाना के हामिद ने पांच और आशीष वर्मा ने चार विकेट चटकाए।

शिविर के लिए चार खिलाड़ियों का चयन

लखनऊ। लखनऊ मंडल के चार खिलाड़ियों का चयन अंडर-19 जूनियर बालक फुटबाल शिविर के लिए किया गया है। शिविर सात और आठ जनवरी को बनारस के सिगरा स्टेडियम में लगाया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों के नाम अविश श्रीवास्तव, आदिल मेहंदी नकवी, नीतीश शर्माए शेख मोहम्मद अनस है।

सोनोवाल ने खेलो इंडिया युवा खेलों की मशाल रैली शुरू की

भाषा। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने राज्य में 10 से 22 जनवरी तक होने जाने वाले तीसरे खेलो इंडिया युवा खेलों की मशाल रैली की शुरुआत की। सोनोवाल ने इस मौके पर असम के लोगों से इन खेलों के लिए आने वाले खिलाड़ियों के लिए बेहतर माहौल बनाने की अपील की। सोनोवाल ने रविवार को कहा, खेलो इंडिया युवा खेलों के लिए देश भर के एथलीट गुवाहाटी आएंगे। यह प्रतियोगिता हमारे एथलीटों के लिए शानदार मौका होगा। उन्होंने कहा, मैं असम के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री किरेन रीजीजू को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं असम के लोगों से एक सा माहौल बनाने के लिए कहना चाहूंगा जिसमें सभी एथलीट शानदार तरीके से अपना प्रदर्शन कर सकें। इस मौके पर भारतीय खेल प्राधिकरण साई के निदेशक संदीप प्रधान भी मौजूद थे। इन खेलों का उद्घाटन समारोह 10 जनवरी को यहां के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होगा। खिलाड़ी हालांकि इससे पहले ही अपनी-अपनी स्पर्धाओं में भाग लेना शुरू कर देंगे।

क्रैमनिक 14 भारतीय खिलाड़ियों को कोचिंग देंगे

चेन्नई। दिग्गज शतरंज खिलाड़ी व्लादिमीर क्रैमनिक विश्व के दूसरे सबसे युवा ग्रैंड मास्टर डी गुकेश और आर प्रग्नानंदा सहित 14 युवा भारतीय खिलाड़ियों को यहां आठ जनवरी से शुरु होने वाले 10 दिवसीय शिविर मे प्रशिक्षण देंगे। माइक्रोसेंस द्वारा आयोजित इस शिविर में पूर्व विश्व चैम्पियन क्रैमनिक के अलावा एक अन्य दिग्गज बोरिस गेलफेंड भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। शिविर में दो महिला खिलाड़ी भी है। क्रैमनिक ने इससे पहले अगस्त में फ्रांस में आठ खिलाड़ियों का शिविर आयोजित किया था। क्रैमनिक ने कहा, फ्रांच के चेन्स-सुर-लेमन में आयोजित पहले शिविर के बाद मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर दूसरे शिविर का आयोजन कर रहे है। इस बार यह और भी रोमांचक है क्योंकि यह चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल खिलाड़ियों की संख्या छह से बढ़कर 14 हो गई है। उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर काफी उत्सुक हू कि इन युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए मेरे साथ बोरिस गेलफेंड भी होंगे। 90 के दशक मैं भारत में बोरिस के खिलाफ खेला था। एक बार फिर से भारत में मैं उनके साथ काम करूंगा। गेलफेंड ने कहा कि वह भारतीय युवाओं को प्रशिक्षित करने की परियोजना का हिस्सा बनने कर उत्साहित है। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद के समकालीन इस खिलाड़ी ने कहा, भारत के पास प्रतिभाओं की शानदार पीढ़ी है और वे शतरंज की दुनिया में महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखते है। मुझे यकीन है कि हमारे शिविर के दौरान वे शतरंज के तरीके के बारे में सोचने को लेकर काफी कुछ सीखेंगे और अपने खेल में सुधार करेंगे। शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में प्रग्नानंदा, गुकेश, रौनक साधवानी, पृथु गुप्ता, पी इनियान, अर्जुन इरिगैसी सभी ग्रैंड मास्टर्सी, लियोन मेंडोंका, श्रीशावन मरलाक्षरी, आदित्य मित्तल, अर्जुन कल्याण, भारत सुब्रमण्यम, रहिल मुलिक सभी अंतरराष्ट्रीय मास्टर्सी, रक्षिता रवि और आर वैशाली महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर्सी शामिल है।

वर्ष 2019 की सर्वाधिक लोकप्रिय डिजिटल सीरीज

'घोस्ट स्टोरीज़' अत्यंत रोचक फिल्म

अभिनेत्री शोभिता धूलिपला आगामी नेटफ्लिक्स फिल्म घोस्ट स्टोरीज़ में एक घबराई गर्भवती स्त्री का चरित्र निभा रही हैं। उनका कहना है असमय प्रसव से जुड़ी घबराहट और समाज द्वारा ऐसी स्त्री के प्रति किया जाने वाला व्यवहार इस फिल्म की थीम है और ये अंतरंग होने के साथ ही सार्वभौमिक भी है। उन्होंने बताया, 'ये एक रोचक कहानी है और मुझे पता है कि ये कई लोगों के लिए वास्तविकता भी है। जब कोई महिला अपना बच्चा खो देती है तो उसे अत्यंत दुख होता है। इसके बावजूद समाज द्वारा अपनाई गई पुरातन सोच, कि ऐसा उसकी लापरवाही के कारण हुआ है, के कारण वो क्षमायाचक की मुद्रा में आ जाती है। इसके कारण वो आजीवन पछतावे में रहती है। यदि महिला जन्म देने में असफल होती है तो समाज का दृष्टिकोण ये होता है कि वो सफल महिला नहीं है और वो जीवन के योग्य नहीं है। ये केवल समाज के एक वर्ग की वास्तविकता नहीं है बल्कि ये सार्वभौमिक है।'

सिद्धार्थ मल्होत्रा बनेंगे कैप्टेन बत्रा

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अब फिल्म शेरशाह में एक वास्तविक नायक कैप्टेन विक्रम बत्रा का चरित्र निभाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि उनके पास साधन होते तो वो ये फिल्म स्वयं निर्मित करते। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के सहयोग से बन रही है। इसके निर्देषक विष्णु वर्धन हैं। वो इसमें कैप्टेन बत्रा का चरित्र करेंगे जिन्होंने 1999 में कारगिल की लड़ाई में भारतीय क्षेत्र को पाकिस्तानी घुसपैठियों से वापस पाने के क्रम में अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था।

रैशेल वुड को नहीं भाई फिल्म 'कैट्स'

इवान रैशेल वुड को क्लासिकल संगीत कैट्स के फिल्म-रूपांतरण पसंद नहीं आया। उन्होंने हॉलिवुड की इस फिल्म की निंदा करने में कोई संकोच नहीं किया। उनका कहना है कि ये उनके द्वारा अब तक देखी गई सबसे बुरी फिल्म है।

इसमें एंड्रयू लॉएड वेबर का संगीत है और टोनी पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर एंडी ब्लैंकेनबूह्र के निर्देशन में डांसर्स की एक टीम तथा इसके निर्देशक ऑस्कर विजेता निर्देशक टॉम हूपर हैं इसमें इस संगीतमय हिट को आज की पीढ़ी के अनुरूप बनाने का प्रयास किया गया है।

इस हॉलिवुड अभिनेत्री ने ट्विटर पर अपनी अभिव्यक्ति में बताया, 'कैट्स वास्तव में मेरी कल्पना से भी बुरी बनी है। मुझे लग रहा था कि ये बेकार बनेगी। लेकिन मुझे अब आष्चर्य हो रहा है कि उसके कोरियोग्राफर को बदलने का क्या तुक था?'

का फिर ज़ी5 डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने वाली एक ऑरिजिनल सीरीज़ है जिसमें दिया मिर्ज़ा और मोहित रैना की लीड जोड़ी पहली बार सामने आई है। ये वास्तव में एक सच्ची कहानी पर आधारित है जिसमें एक युवा पाकिस्तानी मां को असामान्य परिस्थितियों में भारत आना पड़ता है और फिर वो वापस अपने घर जाने में असफल रहती है।

इस सीरीज़ में इस महिला, जिसपर आतंकवादी होने का आरोप लगता है, लेकिन उसके अधिवक्ता बने मोहित रैना उसे न्याय दिलाने को ही अपने जीवन का ध्येय बना लेते हैं।

ऑटो शंकर: ये भी एक तमिल ऑरिजिनल सीरीज़ है जिसमें सरथ अप्पानी और सेल्वापांडियन, राजेष देव तथा वसुधा आदि कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें चेन्नई में वर्ष 1985 से 1995 के बीच कुछ सनसनीखेज़ लेकिन सच्ची घटनाएं हुई थीं जिन्हें मद्रास में लोग आज भी विस्मय से याद करते हैं।

द फाइनल कॉल: ये भी ज़ी5 पर दिखाई जाने वाली एक ऑरिजिनल थ्रिलर सीरीज़ है जिसमें आपको अर्जुन रामपाल, नीरज कबि, साक्षी तंवर, जावेद जाफरी, अनुप्रिया गोयंका तथा विपिन शर्मा आदि जैसे मंझे कलाकार काम कर रहे हैं। कहानी में कैप्टने करन सचदेव को स्काइलाइन एअर सर्विस का एक पायलट दिखाया गया है। फ्लाइट 502 के दौरान पायलट आत्महत्या का निर्णय लेकर अपने साथ उड़ान के 250 यात्रियों का भी जीवन संकट में डाल देता है। ऐसे में एटीएस टीम के साथ एअरलाइन ऑफिसर किरन मिर्ज़ा सहयोग करके यात्रियों को बचाने के लिए संघर्ष करते हैं।

इशारों इशारों में: ये भी एक आधुनिक विचारों को सामने रखने वाला शो है जिसकी कहानी भी एक विषिष्ट अवधारणा पर आधारित है। इसकी कहानी में श्रवणशक्ति से वंचित एक लड़के योगी को दिखाया गया है। योगी को सुनने की उसकी अक्षमता अनूठा नहीं बनाती बल्कि इसके बावजूद वो उत्साहपूर्वक अपने दैनिक जीवन का निर्वाह करने में समर्थ होता है, उसकी यही बात उसे अद्भुत बनाती है। विषम परिस्थितियों के बावजूद उसके चेहरे पर एक मुस्कान भी खिली रहती है। सीरीज़ में सुलभा आर्या, सुधीर पांडे, किरन करमाकर, स्वाति शाह और नए चेहरे मुदित नायर तथा सिमरन परींजा और देबात्मा साहा आदि कलाकारों ने सधा हुआ अभिनय किया है।

द बिग बैंग थ्यौरी: इसके प्रारंभ में चार मूर्ख वैज्ञानिक अपनी विष्वसनीयता को लेकर तर्क-वितर्क करते दिखाई देते हैं। इसकी अंतिम परिणति अंतत: हॉवर्ड पिता के बनने, शेल्डेन को नोबेल पुरस्कार मिलने और पेनी के गर्भवती होने और राज का अपनी मंगेतर से ब्रेकअप के रूप में सामने आती है। लेकिन जल्दी ही रोमांस करने के लिए उसे कोई मिल जाता है। उसके एलिवेटर की खराबी भी अचानक से ही ठीक हो जाती है। कॉमेडी सेंट्रल पर आने वाले इस शो ने सबसे लंबा चलने वाले सिटकॉम शो का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। शो का आकर्षण दर्शकों को चैनल से बांधे रखने में सफल रहा है।

सूट्स: इस शो ने लोगों को असीमित स्मृतियां दी हैं, साथ ही राजसी विवाह का आनंद भी प्रदान किया है। शो सभी आयुवर्ग के दर्षकों को प्रिय है। इसमें आपको जैसे अपने काम की जगह के लोगों को ही विविध चरित्रों में देख पाएंगे। माइक और हार्वे इसमें ऐसे मित्र बनें हैं जैस हम अपने जीवन में चाहते हैं। मेघन के शो के बीच में ही विवाह बंधन में बंधने के कारण शो छोड़ने पर यद्यपि सभी को दुख है लेकिन उसके राजसी परिवार का हिस्सा बनने से सभी खुष हैं लेकिन अब उसके शो पर वापसी की कोई संभावना न पाकर लोग निराश हैं। कलर्स इनफिनिटी चैनल पर दिखाए गए अंतिम सीज़न में मेघन को नहीं दिखाया गया है। लेकिन इसके बावजूद हमें एक ऐसे वैवाहिक आयोजन को देखने का अवसर मिला जिसकी सभी को प्रतीक्षा रहती है।

फ्रेंड्स: ये शो 25 साल पहले प्रारंभ हुआ था और आज भी ये सभी आयुवर्ग के लोगों के बीच में पर्याप्त लोकप्रिय है। कॉमेडी सेंट्रल इंडिया पर अपनी 25वीं नाउम्मीद हैं। कलर्स इनफिनिटी चैनल पर वर्षगांठ मनाने वाले इस शो को दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा देखा जाता है। आप कोई भी क्यों न हों आपको शो में शामिल छ: मित्रों में अपनी एक झलक तो मिल ही जाएगी-फिर चाहे जोए का भोजन से प्रेम हो, शैंडलर के चुटकुले, रैषेल का फैषन, मोनिका की ओसीडी क्लीनिंग ही क्यों न हो। हम सभी का ऐसा कोई न कोई मित्र अवष्य होता है जिसे हम कभी खोना नहीं चाहते।

मेरे डैड की दुल्हन: इस सीरीज़ में प्रगतिशील कंटेंट को रखा गया हैं। शो में पिता और पुत्री की अपारंपरिक जोड़ी को आज की जीवनगति के परिप्रेक्ष्य में दिखाया गया है। इसमें पुत्री को अपने अकेले पिता के लिए जीवनसंगिनी ढूंढते दिखाया गया है। इस शो में लीड भूमिका में तीन साल बाद छोटे परदे पर वापसी कर रही अभिनेत्री श्वेता तिवारी मुख्य आकर्षण हैं। दूसरी ओर पिता की भूमिका मंझे कलाकार वरुण बडोला हैं और पुत्री के रूप में प्रतिभाषाली अभिनेत्री अंजलि ततरारी टीवी पर पदार्पण कर रही हैं।

बैरट हाउस: ये भी ज़ी5 पर प्रारंभ होने वाली ऑरिजिनल कहानी है जिसमें आप अमित साध, मंज़री फड़नवीस, आर्यन मेंघजी आदि कलाकार काम कर रहे हैं। इसकी कहानी में एक स्नेही बैरट परिवार के साथ हुई कुछ सच्ची घटनाओं को ही प्रस्तुत किया गया है। परिवार की खुषी उस दिन तार तार हो जाती है जब उनकी बेटी को रहस्यमयी परिस्थितियों में घर के भीतर ही क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी जाती है।

ब्रूकलिन नाइन-नाइन: इस शो ने कॉमेडी सेंट्रल को चार्ट में सबसे ऊपर पहुंचाने में मदद की है। ये इस चैनल पर चल रहे सबसे अच्छे शोज़ में से एक है। इसमें दर्षक को हास्य और मस्ती की जो डोज़ मिलती है अन्यत्र नहीं दिखती। 99वें क्षेत्र के पुलिस विभाग ने हमारे दिलों को जीत लिया है। एमी तथा जोना की शादी ने हम सभी दर्षकों का दिल जीत लिया। इसका नया सीज़न भी आने वाला है और हम अपेक्षा रखते हैं कि शो जल्दी ही एक नए कलेवर के साथ हमारे सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

बैटवोमन: अपने इंटरनेषनल प्रीमियर के तुरंत बाद ही ये शो कलर्स इनफिनिटी पर दिखाया जाने लगा है और आते ही लोकप्रिय भी हो गया। इस शो को प्रारंभ में ही इतना जनसमर्थन मिला जो टेलिविज़न पर अब तक के किसी भी नए शो को नहीं मिला था। बैटमैन के बाद अब उसकी कज़िन केट केन उसका स्थान लेती है। वो गोथेम नगर के नागरिकों के लिए आषा के प्रतीक के रूप में स्वयं को स्थापित करने में सफल रहती है।

फरहा खान व रवीना टंडन ने कार्डिनल ओसवाल्ड ग्रेसियस से मांगी माफी

भाषा। मुंबई

फिल्मकार फरहा खान और अभिनेत्री रवीना टंडन ने रोमन कैथोलिक चर्च के भारतीय कार्डिनल ओसवाल्ड ग्रेसियस से मुलाकात कर माफी मांगी।

उन दोनों पर और हास्य कलाकार भारती सिंह पर एक टीवी शो में समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए मामला दर्ज किया था। इससे पहले फरहा ने फ्लिपकार्ट वीडियो ओरिजनल्स के क्विज शो बैकबेंचर्स की पूरी टीम की तरफ से ट्विटर पर माफी मांगी थी। वह इस शो की मेजबानी करती हैं। इस एपिसोड को फ्लिपकार्ट वीडियो ने अपने प्लेटफार्म से हटा दिया है। एक बयान में मेजबान और निर्देशक खान ने कहा कि रवीना के साथ उन्होंने बिना शर्त माफी मांगने के लिए ग्रेसियस से भेंट की। उन्होंने कहा कि ग्रेसियस ने उनकी माफी को स्वीकार कर लिया है और इस मामले को खत्म करने के लिए उन्होंने एक बयान भी जारी किया है।

एशिया की पहली एलजीबीटी स्ट्रीमिंग सेवा पर दिखाए जाएंगे विभिन्न रोमांटिक-कॉमेडी कार्यक्रम

भाषा। सिंगापुर

अत्यधिक रूढ़िवादी माने जाने वाले क्षेत्र एशिया की, एलजीबीटी पर केंद्रित पहली स्ट्रीमिंग सेवा पर विभिन्न कार्यक्रम दिखाए जाएंगे जिसमें एक समलैंगिक फ्लाइट अटेंडेंट और समलैंगिकों के लिए बने स्पा में रोमांस की कहानियां भी शामिल हैं। गागाओओलाला पर एशिया की एक हजार से अधिक फीचर फिल्में, लघु कहानियां, वेब सीरीज और डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएंगी। समलैंगिक विवाह को वैध रूप देने वाले एशिया के पहले देश बने ताइवान में यह स्ट्रीमिंग सेवा 2017 में शुरू होने के बाद से 21 देशों तक फैल गई। इनमें वे देश भी शामिल हैं जहां समलैंगिकता अब भी अपराध है। ताइवान में प्रतिष्ठित एलजीबीटी अधिकार कार्यकर्ता जे लिन ने कहा, गागाओओलाला बनाने का मेरा एक मकसद कई मिथकों और भ्रमों को दूर करना है जो एलजीबीटी लोगों के बारे में हैं। ताइपे में अपने पार्टनर के साथ दो लड़कों की परवरिश कर रहे 46 वषीय लिन ने कहा, हम सभी त्रासद जीवन नहीं जी रहे हैं..हम उद्यमी हैं, हम पिता हैं। इस स्ट्रीमिंग सेवा में करीब 280,000 सदस्य है जिनमें से मुख्यत: समलैंगिक लोग हैं और साथ ही महिलाओं की संख्या अच्छी-खासी है। इसकी सफलता के साथ ही एशिया के अन्य हिस्सों में भी एलजीबीटी अधिकारों पर प्रगति हो रही है। ताइवान में मई में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के साथ ही भारत के उच्चतम न्यायालय ने समलैंगिक यौन संबंधों पर औपनिवेशिक काल के प्रतिबंध को हटा दिया था। हालांकि, एशिया के अन्य देशों में समलैंगिक अधिकारों की स्थिति बदतर ही है। सिंगापुर और मलेशिया में समलैंगिक संबंधों पर अब भी प्रतिबंध है जबकि ब्रूनेई ने इस साल कानूनों को और कड़ा बनाते हुए समलैंगिक यौन संबंधों के लिए पत्थरों से मार-मार कर मौत की सजा का प्रावधान किया है।

अमिताभ ने फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होने पर कहा

पेशे को पहचान मिलने पर मुझे गर्व है

भाषा। मुंबई

मेगास्टार अमिताभ बच्चन भारतीय सिनेमा के शीर्ष पुरस्कार दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होकर गर्व महसूस कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि वह इस देश के लोगों के प्रति आभार और अनुराग व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह में रविवार को बच्चन को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया। बच्चन पहले यह सम्मान राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में ग्रहण करने वाले थे लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से वह इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं ले पाए। अपने ब्लॉग पर उन्होंने समारोह की तस्वीर लगाते हुए कहा, पहचान के लिए मुझे गर्व है। मेरे पेशे को पहचान मिली, इसके लिए मुझे गर्व है। मुझे अपने देश और फिल्म उद्योग पर गर्व है। अभिनेता ने इस समारोह में अपनी पत्नी और सांसद जया बच्चन, बेटे अभिषेक बच्चन के साथ हिस्सा लिया था। सात दशक के अपने लंबे करियर में बच्चन ने एक से बड़ कर एक हिट फिल्में दी हैं और समीक्षकों की प्रशंसा भी हासिल की है। ट्विटर पर बिग बी ने लिखा है इस महान देश, भारत के लोगों का, इस सम्मान के लिए आभार एवं उनके प्रति अनुराग व्यक्त करता हूं। हिंदी फिल्म जगत में वर्ष 1969 में सात हिंदुस्तानी फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने वाले बच्चन पांच दशक के अपने करियर में शीर्ष पर बने रहे और फिल्मों में यादगार काम के जरिए अपने प्रशंसकों को हैरान करते रहे। प्रसिद्ध हिंदी कवि हरिवंश राय बच्चन और तेजी बच्चन के घर 1942 में जन्मे बच्चन ने एक अभिनेता के रूप में सात हिंदुस्तानी फिल्म से अपने करियर की शुरूआत की। हालांकि, इस फिल्म को बॉक्स आफिस पर सफलता नहीं मिल पाई थी। कई फ्लॉप फिल्मों के बाद अभिनेता ने 1973 में प्रकाश मेहरा की एक्शन फिल्म जंजीर के जरिए आखिरकार सफलता का स्वाद चखा। इस फिल्म ने उन्हें एंग्री यंग मैन के रूप में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने दीवार, शोले, मिस्टर नटवरलाल, लावारिस, मुकद्दर का सिकंदर, त्रिशूल, शक्तिऔर काला पत्थर जैसी फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के जरिए दर्शकों के दिलों में अपनी एक अलग छाप छोड़ी। बच्चन ने अभिमान, मिली, कभी-कभी और सिलसिला जैसी फिल्मों में संवेदनशील भूमिकाएं अदा कीं। उन्होंने नमक हलाल, सत्ते पे सत्ता, चुपके चुपके और अमर अकबर एंथनी जैसी फिल्मों के जरिए कॉमेडी में भी हाथ आजमाए। अस्सी के दशक के दौरान उनके करियर में आए उतार-चढ़ाव के बाद 1990 में मुकुल एस आनंद की फिल्म अग्निपथ में बच्चन ने गैंगस्टर विजय दीनानाथ चौहान की बेहतरीन भूमिका अदा की, जिसके लिए उन्हें पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इसके बाद अभिनेता ने 2000 के दशक में चरित्र भूमिकाएं निभाना शुरू किया और 2001 में आदित्य चोपड़ा निर्देशित फिल्म मोहब्बतें में उन्होंने श्वर्या राय के पिता की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने गेम शो कौन बनेगा करोड़पति की मेजबानी के जरिए टेलीविजन क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत की। अमिताभ साथ ही फिल्मों में भी काम करते रहे। उन्होंने आंखें, बागबान, खाकी, सरकार, ब्लैक,पा पीकू और पिंक जैसी फिल्मों में भी अपने अभिनय के जौहर दिखाए। सरकार ने बच्चन को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 1984 में पद्म श्री, 2001 में पद्म भूषण और 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया था।